मत्तीक अनुसार
शुभ समाचार

यीशुक वंशावली

(लूका 3.23-38)

1 यीशु मसीहक वंशावली एहि तरहेँ
अछि। ओ दाऊदक वंशज* छलाह,
आ दाऊद अब्राहमक वंशज*।
2 अब्राहम सँ इसहाकक जन्म भेलनि।
इसहाक सँ याकूबक,
आ याकूब सँ यहूदा और हुनकर
भाय सभक जन्म भेलनि।
3 यहूदा सँ पेरस और जेरहक जन्म
भेलनि, जिनकर सभक मायक
नाम तामार छलनि।
पेरस सँ हेस्रोनक
आ हेस्रोन सँ अरामक जन्म भेलनि।
4 अराम सँ अमीनादाबक,
अमीनादाब सँ नहशोनक
आ नहशोन सँ सलमोनक जन्म भेलनि।
5 सलमोन सँ बोअजक जन्म भेलनि,
जिनकर माय राहाब छलीह।
बोअज सँ ओबेदक जन्म भेलनि,
जिनकर माय रूथ छलीह।
ओबेद सँ यिशयक जन्म भेलनि।
6 यिशय सँ राजा दाऊदक जन्म भेलनि।

दाऊद सँ सुलेमानक जन्म भेलनि।
सुलेमानक माय पहिने उरियाहक स्त्री भेल
छलीह।
7 सुलेमान सँ रेहोबामक,
रेहोबाम सँ अबियाहक,
और अबियाह सँ आसाक जन्म भेलनि।
8 आसा सँ यहोशाफातक,
यहोशाफात सँ योरामक,
आ योराम सँ उजियाहक जन्म भेलनि।
9 उजियाह सँ योतामक,
योताम सँ आहाजक,
और आहाज सँ हिजकियाहक जन्म
भेलनि।
10 हिजकियाह सँ मनश्शेक,
मनश्शे सँ आमोनक,
और आमोन सँ योशियाहक जन्म
भेलनि।
11 जाहि समय मे इस्राएली सभ बन्दीक
रूप मे बेबिलोन देश लऽ जायल

1:1 अक्षरशः “पुत्र”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गेलाह, ताहि समय मे योशियाह
सँ यकोन्याह आ हुनकर भाय
सभक जन्म भेलनि।

12 इस्राएली सभ कैँ बेबिलोन मे लऽ
जायल गेलाक बाद
यकोन्याह सँ शालतिएलक,
आ शालतिएल सँ जरुब्बाबेलक
जन्म भेलनि।
13 जरुब्बाबेल सँ अबीहूदक,
अबीहूद सँ एलयाकीमक,
और एलयाकीम सँ अजोरक जन्म
भेलनि।
14 अजोर सँ सदोकक,
सदोक सँ अखीमक,
और अखीम सँ एलिहूदक जन्म भेलनि।
15 एलिहूद सँ एलिआजरक,
एलिआजर सँ मत्तानक,
और मत्तान सँ याकूबक जन्म भेलनि।
16 याकूब सँ यूसुफक जन्म भेलनि,
जे मरियमक पति भेलाह, आ
मरियम सँ यीशुक जन्म भेलनि
जे "मसीह" कहबैत छथि।

17 एहि तरहेँ गनला सँ अब्राहम सँ दाऊद
धरि चौदह पीढ़ी, दाऊद सँ बेबिलोनक
बन्दी जीवन धरि चौदह पीढ़ी आ
बेबिलोनक बन्दी जीवन सँ उद्धारकर्ता-
मसीह धरि चौदह पीढ़ी होइत अछि।

यीशुक जन्म

(लूका 1.26-38; 2.1-7)

18 यीशु मसीहक जन्मक वृत्तान्त एना
अछि—हुनकर माय मरियमक विवाह
यूसुफ सँ होयब निश्चित भेल रहनि। मुदा
हुनका सभक वैवाहिक जीवनक सम्पर्क
होयबा सँ पहिनहि मरियम परमेश्वरक
पवित्र आत्मा द्वारा गर्भवती भऽ गेलीह।
19 हुनकर वर यूसुफ धार्मिक विचारक लोक
होयबाक कारणेँ, मरियमक कोनो तरहक
बदनामी नहि होनि, से सोचि, हुनका चुप-
चाप त्यागि देबाक विचार कयलनि। 20 ओ
ई बात मोने-मोन सोचिए रहल छलाह कि
परमेश्वरक एकटा स्वर्गदूत सपना मे दर्शन
दऽ कऽ हुनका कहलथिन जे, "हौ दाऊदक
वंशज यूसुफ, तोँ मरियम कैँ अपन स्त्री मानि
अपना लग आनऽ सँ नहि डेराह! कारण, जे
हुनका गर्भ मे छनि से परमेश्वरक पवित्र
आत्माक दिस सँ छनि। 21 ओ एकटा पुत्र
कैँ जन्म देतीह, आ तोँ हुनकर नाम यीशु*
रखिहह, किएक तँ ओ अपन लोक सभ कैँ
ओकरा सभक पाप सँ मुक्ति देथिन।" 22 ई
सभ एहि लेल भेल जे, परमेश्वरक बात पूरा
होअय जे ओ अपन प्रवक्ताक माध्यम सँ
कहने छलाह— 23 "देखह, एक कुमारि
कन्या गर्भवती होयतीह, ओ एक पुत्र कैँ
जन्म देतीह आ हुनकर नाम 'इम्मानुएल'
राखल जयतनि,"* जकर अर्थ अछि,
"परमेश्वर हमरा सभक संग छथि।"

24 तखन यूसुफ निन्द सँ जागि गेलाह
आ परमेश्वरक स्वर्गदूतक आज्ञानुसार
मरियम कैँ अपना पत्नीक रूप मे
अपना ओहिठाम लऽ अनलथिन। 25 ओ
मरियमक संग वैवाहिक जीवनक सम्बन्ध
ताबत धरि स्थापित नहि कयलनि
जाबत धरि मरियम पुत्र कैँ जन्म नहि दऽ
देलथिन। पुत्रक जन्म भेला पर यूसुफ
हुनकर नाम यीशु रखलथिन।

1:21 इब्रानी भाषा मे "यीशु"क अर्थ अछि "मुक्ति देनिहार" **1:23** यशा 7.14

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ज्योतिषी सभक द्वारा दर्शन

2 राजा हेरोदक समय मे जहिया
यहूदिया प्रदेशक बेतलेहम गाम
मे यीशुक जन्म भेलनि, तहिया पूब
देशक ज्योतिषी सभ यरूशलेम नगर
मे अयलाह। [2]ओ सभ लोक सभ सँ
पुछलथिन जे, "यहूदी सभक नवजन्मल
राजा कतऽ छथि? कारण, हम सभ पूब
मे हुनकर तारा देखलहुँ आ हुनकर दर्शन
करबाक लेल आयल छी।" [3]जखन राजा
हेरोद ई समाचार सुनलनि तँ ओ अपने,
आ यरूशलेमक सभ निवासी सेहो,
घबड़ा गेलाह। [4]राजा हेरोद यहूदी सभक
मुख्यपुरोहित लोकनि आ धर्मशिक्षक सभ
कँ जमा कऽ कऽ पुछलथिन जे, "आबऽ
वला उद्धारकर्ता-मसीहक जन्म कतऽ
होयबाक चाहियनि?"

5 एहि पर ओ सभ कहलथिन जे,
"यहूदिया प्रदेशक बेतलेहम गाम मे,
कारण, धर्मशास्त्र मे परमेश्वरक प्रवक्ता
ई लिखने छथि जे,

6 'हे बेतलेहम, यहूदिया प्रदेशक गाम!
तोँ यहूदिया प्रदेशक मुख्य नगर सभ
मे सँ ककरो सँ कम नहि छह।
कारण, तोरा मे सँ एक शासन करऽ
वलाक जन्म होयतनि,
जे हमर प्रजा इस्राएलक रखबार आ
बाट देखौनिहार होयताह।'*"

7 तखन राजा हेरोद ज्योतिषी सभ कँ
बजा कऽ एकान्त मे पूछ-ताछ कऽ एहि
बातक पता लगा लेलनि जे तारा हुनका
सभ कँ ठीक कोन समय मे देखाइ देने
छलनि। [8]ओ हुनका सभ कँ ई कहि
कऽ बेतलेहम पठौलथिन जे, "जाउ आ
बालकक सम्बन्ध मे ठीक-ठीक पता
लगाउ, और जखन ओ भेटि जाथि तँ
हमरा खबरि करू, जाहि सँ हमहूँ जा कऽ
हुनकर दर्शन करियनि।"

9 राजाक बात सुनि ओ सभ विदा भऽ
गेलाह। जे तारा हुनका सभ कँ पूब मे
देखाइ देने छलनि से हुनका सभक आगाँ-
आगाँ बढ़ैत जाइत फेर देखाइ देलक,
और जाहि घर मे ओ बालक छलाह ताहि
सँ उपर पहुँचि रूकि गेल। [10]ओ सभ
तारा कँ देखि अति आनन्दित भेलाह।
[11]घर मे प्रवेश कऽ ओ सभ बालक कँ
हुनकर माय मरियमक संग देखलथिन।
ओ सभ निहुड़ि कऽ बालक कँ प्रणाम
कयलथिन और अपन-अपन बाकस
खोलि सोन, धूप आ सुगन्धित तेलक
चढ़ौना सभ बालक कँ चढ़ौलथिन।
[12]तकरबाद सपना मे परमेश्वरक ई
आदेश पाबि जे, राजा हेरोद लग घूमि
कऽ नहि जाउ, ओ सभ दोसर रस्ता सँ
अपन देश घूमि गेलाह।

सुरक्षाक लेल मिस्र-प्रवास

13 ज्योतिषी सभक चल गेलाक बाद
परमेश्वरक एक स्वर्गदूत सपना मे यूसुफ
कँ दर्शन देलथिन आ कहलथिन, "उठह,
बालक आ हुनकर माय कँ लऽ कऽ एतऽ
सँ भागह आ मिस्र देश मे चल जाह। जाबत
तक हम घूमि अयबाक लेल नहि कहिअह
ताबत ओतहि रहिहह। कारण, हेरोद एहि
बालकक हत्या करबाक लेल हिनकर
खोज कराबऽ वला अछि।" [14]यूसुफ
उठलाह और रातिए मे बालक आ हुनकर

2:6 मीका 5.2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

माय कैँ लऽ कऽ मिस्र देशक लेल विदा
भऽ गेलाह। 15 ओ राजा हेरोदक मृत्यु तक
ओतहि रहलाह। एहि तरहेँ परमेश्वर जे
बात अपन प्रवक्ताक माध्यम सँ कहने
छलाह से पूरा भेल जे, “हम मिस्र देश सँ
अपना पुत्र कैँ बजौलहुँ।”*

बालक सभक हत्या

16 जखन राजा हेरोद देखलनि जे
ज्योतिषी सभ हुनका धोखा दऽ देलकनि
तखन ओ क्रोध सँ भरि गेलाह। ओ
ज्योतिषी सभक देल गेल सूचनाक आधार
पर हिसाब लगौलनि जे बालक दू वर्षक
वा ओहि सँ छोट होयबाक चाही, तेँ ओ
अपना सैनिक सभ कैँ पठा कऽ बेतलेहम
आ ओकर लग-पास वला गाम सभक
ओहि सभ बालक कैँ मरबा देलनि जे सभ
दू वर्षक और ओहि सँ छोट छल। 17 एहि
तरहेँ परमेश्वरक प्रवक्ता यर्मियाहक
माध्यम सँ कहल ई बात पूरा भेल जे,

18 “रामाह मे एक चीत्कार उठल,
कन्ना-रोहटि और बड़का विलाप,
राहेल अपन बालक सभक लेल
कानि रहल अछि।
ओ सान्त्वनाक बोल नहि सुनऽ
चाहैत अछि,
किएक तँ आब ओकर बेटा सभ
जीवित नहि रहलैक।”*

मिस्र सँ नासरत नगर

19 राजा हेरोदक मृत्युक बाद
परमेश्वरक एकटा स्वर्गदूत मिस्र देश मे
यूसुफ कैँ सपना मे दर्शन दऽ कहलथिन,
20 “उठह, बालक आ हुनकर माय कैँ
लऽ कऽ इस्राएल देश चल जाह, किएक
तँ जे सभ बालक कैँ जान सँ मारऽ चाहैत
छल से सभ आब मरि गेल अछि।”

21 यूसुफ उठलाह और बालक
आ हुनकर माय कैँ लऽ कऽ इस्राएल
देश चल अयलाह। 22 मुदा जखन ओ
सुनलनि जे अरखिलाउस अपन पिता
हेरोदक मृत्युक बाद यहूदिया प्रदेश मे
राज्य कऽ रहल छथि तखन ओ ओतऽ
जयबा सँ डेरयलाह। ओ फेर सपना मे
परमेश्वरक आदेश पाबि गलील प्रदेश
चल गेलाह। 23 ओतऽ ओ नासरत
नामक नगर मे रहऽ लगलाह। एहि तरहेँ
परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनिक माध्यम
सँ कहल ई बात पूरा भेल जे, “ओ
नासरी कहौताह।”

यूहन्ना द्वारा यीशुक अयबाक लेल तैयारी

(मरकुस 1.1-8; लूका 3.1-18; यूहन्ना 1.19-28)

3 ओहि समय मे बपतिस्मा देनिहार
यूहन्ना यहूदिया प्रदेशक निर्जन
क्षेत्र मे आबि प्रचार करऽ लगलाह जे,
2 “अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ
हृदय-परिवर्तन करू, कारण, स्वर्गक
राज्य लग आबि गेल अछि।” 3 यूहन्ना
वैह व्यक्ति छथि जिनका सम्बन्ध मे
परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाह कहने
छलाह,

“निर्जन क्षेत्र मे केओ जोर सँ आवाज
दऽ रहल अछि—
‘प्रभुक लेल मार्ग तैयार करू,
हुनका लेल सोझ बाट बनाउ।’ ”*

2:15 होशे 11.1 **2:18** यर्मि 31.15 **3:3** यशा 40.3

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

4 यूहन्ना ऊँटक रोंइयाँ सँ बनल वस्त्र
पहिरैत छलाह। ओ डाँड़ मे चमड़ाक पट्टी
बन्हने रहैत छलाह। फनिगा आ वन वला
मधु हुनकर भोजन छलनि। **5** यरूशलेम,
सम्पूर्ण यहूदिया प्रदेश, आ यरदन नदीक
लग-पास मे पड़ऽ वला सम्पूर्ण क्षेत्रक
लोक सभ हुनका लग आयल, **6** और
अपन पाप स्वीकार करैत यरदन नदी मे
हुनका सँ बपतिस्मा लेलक।

7 मुदा जखन यूहन्ना बहुतो फरिसी आ
सदुकी पंथक लोक सभ कैँ बपतिस्मा
लेबाक लेल अपना लग अबैत देखलनि तँ
ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हे साँपक
सन्तान सभ, तोरा सभ कैँ परमेश्वरक
आबऽ वला क्रोध सँ बचबाक लेल के
सिखौलकह? **8** तोँ सभ जँ अपना पापक
लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन
कयने छह, तँ तकर प्रमाण अपना
व्यवहार द्वारा देखाबह। **9** और अपना मोन
मे एना सोचि निश्चिन्त नहि रहह जे, हमर
सभक कुल-पिता अब्राहम छथि, कारण,
हम तोरा सभ कैँ कहि दैत छिअह जे,
परमेश्वर एहि पाथर सभ मे सँ अब्राहमक
लेल सन्तान उत्पन्न कऽ सकैत छथि।
10 गाछक जड़ि पर कुड़हरि रखा गेल
अछि। प्रत्येक गाछ जे नीक फल नहि
दैत अछि से काटल आ आगि मे फेकल
जायत।

11 "तोँ सभ अपना पापक लेल
पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन कयने
छह, तकर चिन्ह स्वरूप हम तोरा सभ
कैँ पानि सँ बपतिस्मा दैत छिअह, मुदा
हमरा बाद मे एक गोटे आबि रहल छथि
जे हमरा सँ शक्तिशाली छथि। हम हुनकर
जुत्तो उठाबऽ जोगरक नहि छियनि। ओ
तोरा सभ कैँ पवित्र आत्मा और आगि सँ
बपतिस्मा देथुन। **12** हुनका हाथ मे सूप
छनि। ओ अपन खरिहानक अन्न साफ
करताह और गहुम कैँ बखारी मे जमा
करताह, मुदा भुस्सा कैँ ओ ओहि आगि मे
जरौताह जे कहियो नहि मिझायत।"

यीशुक बपतिस्मा

(मरकुस 1.9-11; लूका 3.21-22)

13 तखन यीशु यूहन्ना सँ बपतिस्मा
लेबाक लेल गलील सँ यरदन नदी लग
अयलाह। **14** मुदा यूहन्ना ई कहि कऽ
हुनका रोकलथिन जे, "हमरा अहीं सँ
बपतिस्मा लेबाक आवश्यकता अछि,
और की, अहाँ हमरा सँ लेबाक लेल
आयल छी?" **15** यीशु उत्तर देलथिन,
"एखन एहिना होमऽ दिअ, कारण, अपना
सभक लेल यैह उचित अछि जे एही तरहेँ
धार्मिकताक सभ माँग कैँ पूरा करी।"
तखन यूहन्ना हुनकर बात मानि लेलथिन।
16 बपतिस्मा लेलाक बाद यीशु तुरत पानि
सँ बाहर अयलाह। ओही क्षण मे आकाश
खुजल और ओ परमेश्वरक आत्मा
कैँ परबाक रूप मे अपना पर उतरैत
देखलनि। **17** तखने स्वर्ग सँ ई आवाज
सुनाइ पड़ल, "ई हमर प्रिय पुत्र छथि,
हिनका सँ हम बहुत प्रसन्न छी।"

यीशुक परीक्षा

(मरकुस 1.12-13; लूका 4.1-13)

4 तकरबाद पवित्र आत्मा यीशु कैँ
निर्जन क्षेत्र मे लऽ गेलथिन जाहि
सँ शैतान द्वारा हुनका सँ पाप करयबाक
कोशिश कयल जानि। **2** ओहिठाम चालिस
दिन आ चालिस राति उपास कयलाक
बाद यीशु भुखायल छलाह। **3** जाँचऽ
वला शैतान हुनका लग अयलनि आ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कहलकनि, “जँ तोँ परमेश्वरक पुत्र छह
तँ एहि पाथर सभ कैँ रोटी बनि जयबाक
आज्ञा दहक।” 4यीशु उत्तर देलथिन,
“धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, ‘मनुष्य
मात्र रोटी सँ नहि, बल्कि परमेश्वरक
मुँह सँ निकलल प्रत्येक वचन सँ जीवित
रहत।’*”
5 तखन शैतान यीशु कैँ पवित्र नगर*
मे लऽ गेलनि और मन्दिरक सभ सँ ऊँच
स्थान पर ठाढ़ कऽ कऽ कहलकनि, 6“जँ
तोँ परमेश्वरक पुत्र छह तँ एतऽ सँ नीचाँ
कुदि जाह। कारण, धर्मशास्त्र मे लिखल
अछि जे,

‘परमेश्वर तोरा लेल स्वर्गदूत सभ कैँ
आज्ञा देथिन
और ओ सभ अपना कोरा मे तोरा
लोकि लेथुन,
जाहि सँ पयर मे पाथर सँ चोट नहि
लगतह।’*”

7 यीशु ओकरा कहलथिन, “इहो
लिखल अछि जे, ‘अपन प्रभु-परमेश्वरक
जाँच नहि करहुन।’*”
8 तखन शैतान हुनका बहुत ऊँच पहाड़
पर लऽ गेलनि और ओतऽ सँ संसारक सभ
राज्य आ ओकर वैभव देखबैत 9हुनका
कहलकनि, “जँ तोँ हमरा सामने निहुरबह
आ हमर उपासना करबह तँ हम ई सभ तोरा
दऽ देबह।” 10यीशु ओकरा कहलथिन,
“हे शैतान, हमरा सोझाँ सँ दूर हो! कारण,
धर्मशास्त्र मे ई लिखल अछि जे,

‘अपना प्रभु-परमेश्वरक उपासना
करहुन,
और मात्र हुनके सेवा करहुन।’*”

11 तकरबाद शैतान यीशु लग सँ चल गेल,
और स्वर्गदूत सभ आबि कऽ हुनकर सेवा
करऽ लगलथिन।

कफरनहूम मे यीशुक काजक आरम्भ

(मरकुस 1.14-15; लूका 4.14-15, 31)

12 जखन यीशु सुनलनि जे बपतिस्मा
देनिहार यूहन्ना जहल मे बन्दी बना लेल
गेल छथि तखन ओ गलील प्रदेश मे घूमि
कऽ चल अयलाह। 13ओ नासरत नगर
कैँ छोड़ि कऽ कफरनहूम नगर मे रहऽ
लगलाह। ई नगर जबूलून आ नप्ताली
कुलक भूमि-क्षेत्र मे झीलक कछेर पर
अछि। 14एहि तरहेँ परमेश्वरक प्रवक्ता
यशायाहक ई वचन पूरा भेल जे,

15 “हे जबूलून आ नप्ताली कुलक
भूमि-क्षेत्र!
समुद्र दिस जाय वला रस्ता मे पड़ऽ
वला यरदन नदीक ओहि पारक
क्षेत्र,
गैर-यहूदी जाति सभक गलील
प्रदेश!
16 जे सभ अन्हार मे बसल छल,
से सभ पैघ प्रकाश कैँ देखलक
अछि।
जकरा सभ कैँ मृत्युक अन्हार झँपने
छलैक,
तकरा सभ पर इजोत चमकल
अछि।”*

17 ओही समय सँ यीशु प्रचार करऽ
लगलाह जे, “अपना पापक लेल पश्चात्ताप
कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू, कारण,
स्वर्गक राज्य लग मे आबि गेल अछि।”

4:4 व्यव 8.3 **4:5** अर्थात्, यरूशलेम **4:6** भजन 91.11, 12 **4:7** व्यव 6.16
4:10 व्यव 6.13 **4:16** यशा 9.1, 2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यीशुक सभ सँ पहिलुका शिष्य सभ

(मरकुस 1.16-20; लूका 5.1-11)

18 जखन यीशु गलील झीलक कछेर
पर टहलैत छलाह तखन ओ दू भाइ कैँ
झील मे माछ पकड़बाक लेल जाल
फेकैत देखलनि। ओ सभ मछबार छल।
एकटाक नाम सिमोन, जकर दोसर नाम
पत्रुस छलैक आ ओकर भायक नाम
अन्द्रेयास छल। [19]यीशु ओकरा सभ कैँ
कहलथिन, "हमरा पाछाँ आउ। हम अहाँ
सभ कैँ मनुष्य कैँ पकड़ऽ वला मछबार
बना देब।" [20]ओ सभ तुरत अपन जाल
छोड़ि कऽ हुनका संग भऽ गेलनि।

21 ओतऽ सँ कनेक आगाँ बढ़लाक
बाद यीशु अन्य दू भाय कैँ देखलनि—
याकूब आ यूहन्ना। ओ सभ जबदी नामक
व्यक्तिक बेटा छल आ अपना बाबूक
संग नाव मे जाल सरिअबैत छल। यीशु
ओकरा सभ कैँ अपना संग अयबाक लेल
कहलथिन। [22]ओहो सभ तुरत नाव आ
अपन बाबू कैँ छोड़ि कऽ यीशुक संग भऽ
गेलनि।

23 यीशु सम्पूर्ण गलील प्रदेश मे घूमि-
घूमि कऽ यहूदी सभक सभाघर सभ मे
शिक्षा देबऽ लगलाह, परमेश्वरक राज्यक
शुभ समाचार सुनाबऽ लगलाह, आ लोक
सभ कैँ सभ तरहक बिमारी सँ छुटकारा
देबऽ लगलाह। [24]एहि तरहेँ हुनकर यश
सम्पूर्ण सीरिया प्रदेश मे पसरि गेलनि।
लोक बिमार सभ कैँ जे विभिन्न प्रकारक
रोग वा कष्ट सँ पीड़ित छल, वा जकरा
सभ मे दुष्टात्मा छलैक, मिर्गी सँ पीड़ित
छल वा लकवा मारल छल—सभ कैँ यीशु
लग अनैत छल, और यीशु ओकरा सभ
कैँ स्वस्थ कऽ दैत छलथिन। [25]गलील
प्रदेश, "दस नगर" क्षेत्र,* यरूशलेम नगर,
यहूदिया प्रदेश और यरदन नदीक ओहि
पारक क्षेत्र सँ लोकक विशाल भीड़ हुनका
पाछाँ चलऽ लगलनि।

पहाड़ परक उपदेश

धन्य के अछि?

(लूका 6.20-23)

5 लोकक भीड़ कैँ देखि कऽ यीशु
पहाड़ पर चढ़ि गेलाह। ओ जखन
बैसलाह तँ शिष्य सभ हुनका लग
अयलथिन। [2]यीशु एहि तरहेँ हुनका सभ
कैँ उपदेश देबऽ लगलथिन—

[3] "धन्य अछि ओ सभ जे अपना कैँ
आत्मिक रूप सँ असहाय बुझैत
अछि,
किएक तँ स्वर्गक राज्य ओकरे
सभक छैक।
[4] धन्य अछि ओ सभ जे शोक करैत
अछि,
किएक तँ ओ सभ सान्त्वना पाओत।
[5] धन्य अछि ओ सभ जे नम्र अछि,
किएक तँ ओ सभ पृथ्वीक
उत्तराधिकारी होयत।
[6] धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिकताक
भूखल-पियासल अछि,
किएक तँ ओ सभ तृप्त कयल
जायत।
[7] धन्य अछि ओ सभ जे दयावान
अछि,

4:25 यूनानी मे "दिकापुलिस", जकर शाब्दिक अर्थ अछि "दस नगर"। ई यरदन नदीक दूनू कात मे पड़ऽ वला एक क्षेत्र छल, जाहि मे दसटा नगरक एक संघ छल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

किएक तँ ओकरा सभ पर दया
कयल जयतैक।
8 धन्य अछि ओ सभ जकर हृदय शुद्ध
छैक,
किएक तँ ओ सभ परमेश्वर केँ
देखत।
9 धन्य अछि ओ सभ जे मेल-मिलाप
करबैत अछि,
किएक तँ ओ सभ परमेश्वरक पुत्र
कहाओत।
10 धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिक
रहबाक कारणेँ सताओल जाइत
अछि,
किएक तँ स्वर्गक राज्य ओकरे
सभक छैक।
11 "धन्य छी अहाँ सभ, जखन लोक
सभ हमरा कारणेँ अहाँ सभ केँ अपमानित
करत, सताओत और झूठ बाजि-बाजि कऽ
अहाँ सभक विरोध मे लोक केँ सभ तरहक
अधलाह बात कहतैक। 12तखन खुशी होउ
और आनन्द मनाउ, किएक तँ अहाँ सभक
लेल स्वर्ग मे बड़का इनाम राखल अछि।
एही तरहेँ लोक परमेश्वरक ओहि प्रवक्ता
सभ केँ सेहो सतौने छलनि, जे सभ अहाँ
सभ सँ पहिने प्राचीन समय मे छलाह।

"अहाँ सभ पृथ्वीक नून आ संसारक प्रकाश छी"

13 "अहाँ सभ पृथ्वीक नून छी। मुदा
जँ नून मे नूनक स्वाद समाप्त भऽ जाइक
तँ ओ कोन वस्तु सँ फेर नूनगर बनाओल
जा सकत? ओकरा फेकि देल जाय, आ
लोक ओकरा पयर सँ धाँगय, से छोड़ि
ओ दोसर कोन काजक रहि जायत?
14 "अहाँ सभ संसारक प्रकाश छी।
पहाड़ परक नगर नुकायल नहि रहि सकैत
अछि। 15लोक डिबिया लेसि कऽ पथिया
सँ नहि झँपैत अछि, बल्कि लाबनि पर
रखैत अछि, और ओ डिबिया घर मे
सभक लेल प्रकाश दैत छैक। 16एहि
तरहेँ अहूँ सभ अपन प्रकाश लोकक बीच
चमकाउ, जाहि सँ लोक अहाँ सभक नीक
काज देखि कऽ, अहाँक पिताक, जे स्वर्ग
मे छथि, तिनकर स्तुति करनि।

धर्म-नियमक उद्देश्य पूरा होयत

17 "ई नहि सोचू जे हम मूसा द्वारा देल
धर्म-नियम अथवा परमेश्वरक प्रवक्ता
सभक लेख सभ केँ रद्द करबाक लेल
आयल छी। हम ओहि सभ केँ रद्द नहि,
बल्कि पूरा करबाक लेल आयल छी।
18हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, जाबत
तक आकाश आ पृथ्वी समाप्त नहि होयत,
ताबत तक धर्म-नियम मे लिखल सभ बात
बिनु पूरा भेने ओकर एक मात्रा वा एक
बिन्दुओ नहि मेटायत। 19जे केओ एहि
आज्ञा मे सँ छोटो सँ छोट आज्ञाक उल्लंघन
करत और दोसरो लोक केँ तहिना करऽ
लेल सिखाओत, से स्वर्गक राज्य मे सभ सँ
छोट कहाओत। मुदा जे केओ एहि आज्ञा
सभक पालन करत आ दोसरो लोक केँ
तहिना करऽ लेल सिखाओत, से स्वर्गक
राज्य मे पैघ कहाओत। 20हम अहाँ सभ केँ
कहैत छी जे, परमेश्वरक नजरि मे धार्मिक
ठहरबाक लेल जे बात आवश्यक अछि,
से जँ अहाँ सभ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ
सँ बढ़ि कऽ पूरा नहि करब, तँ अहाँ सभ
स्वर्गक राज्य मे किन्नहुँ नहि प्रवेश करब।

क्रोध और हत्या

21 "अहाँ सभ सुनने छी जे प्राचीन
काल मे पुरखा सभ केँ कहल गेल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छलनि, ‘हत्या नहि करह,* और जे केओ
हत्या करत तकरा कचहरी मे दण्डक
योग्य ठहराओल जयतैक।’ 22मुदा हम
अहाँ सभ केँ कहैत छी, जे केओ अपना
भाय पर क्रोधो करत तकरा कचहरी मे
दण्डक योग्य ठहराओल जयतैक। जे
अपन भाय केँ ‘रे मूर्ख’ कहत, तकरा
धर्म-महासभा मे ठाढ़ होमऽ पड़तैक,
और जे केओ अपना भाय केँ सराप देत,
से नरकक आगि मे खसयबा जोगरक
अछि।

23 “तेँ जँ अहाँ अपन चढ़ौना प्रभुक
वेदी पर अर्पण कऽ रहल छी आ ओतहि
अहाँ केँ मोन पड़ल जे अहाँक भाय केँ
अहाँ सँ कोनो सिकायत छैक, 24तँ अपन
चढ़ौना वेदीक कात मे राखि दिअ आ
पहिने जा कऽ अपना भाय सँ मेल करू
और तकरबाद आबि कऽ अपन चढ़ौना
चढ़ाउ।

25 “जखन अहाँक विरोधी अहाँ केँ
कचहरी मे लऽ जा रहल अछि, तँ रस्ते
मे ओकरा संग जल्दी सँ मेल-मिलाप कऽ
लिअ। एना नहि होअय जे विरोधी अहाँ
केँ न्यायाधीशक जिम्मा मे लगा दय आ
न्यायाधीश सिपाहीक जिम्मा मे, और
अहाँ केँ जहल मे राखि देल जाय। 26हम
अहाँ केँ सत्य कहैत छी जे, जाबत तक
अहाँ पाइ-पाइ कऽ सधा नहि देबैक,
ताबत तक अहाँ ओतऽ सँ नहि छुटब।

अधलाह इच्छा और परस्त्रीगमन

27 “अहाँ सभ सुनने छी जे कहल गेल,
‘परस्त्रीगमन नहि करह।’* 28मुदा हम
अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, जे कोनो पुरुष
कोनो स्त्री केँ अधलाह इच्छा सँ देखैत
अछि, से तखने अपना मोन मे ओकरा
संग परस्त्रीगमन कऽ लेलक। 29जँ अहाँक
दहिना आँखि अहाँ केँ पाप मे फँसबैत
अछि तँ ओकरा निकालि कऽ फेकि
दिअ। अहाँक शरीरक एके अंग नष्ट भऽ
जाओ, से अहाँक लेल एहि सँ नीक होयत
जे सम्पूर्ण शरीर नरक मे फेकि देल जाय।
30जँ अहाँक दहिना हाथ अहाँ केँ पाप मे
फँसबैत अछि तँ ओकरा काटि कऽ फेकि
दिअ। अहाँक शरीरक एके अंग नष्ट भऽ
जाओ, से अहाँक लेल एहि सँ नीक होयत
जे सम्पूर्ण शरीर नरक मे फेकि देल जाय।

तलाक

(मत्ती 19.9; मरकुस 10.11-12; लूका 16.18)

31 “कहल गेल अछि जे, ‘जे पुरुष
अपना स्त्री केँ तलाक दैत अछि, से
तलाकनामा लिखि कऽ दैक।’* 32मुदा
हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, स्त्री केँ
दोसराक संग गलत शारीरिक सम्बन्ध
रखबाक कारण केँ छोड़ि कऽ जँ कोनो
दोसर कारण सँ कोनो पुरुष अपना स्त्री
केँ तलाक दैत अछि, तँ ओ अपना स्त्री
केँ परपुरुषगमन करऽ वाली बनबाक लेल
विवश करैत अछि, और जे केओ ओहि
तलाक देल स्त्री सँ विवाह करैत अछि,
सेहो परस्त्रीगमन करैत अछि।

सपत

33 “अहाँ सभ इहो सुनने छी जे प्राचीन
समयक पुरखा सभ केँ कहल गेल छलनि
जे, ‘सपत खा कऽ जे वचन देलह तकरा
नहि तोड़िहह, बल्कि प्रभु सँ खायल अपन

5:21 प्रस्थान 20.13 **5:27** प्रस्थान 20.14 **5:31** व्यव 24.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सपत कैँ पूरा करिहह।' [34]मुदा हम अहाँ
सभ कैँ कहैत छी जे सपत खयबे नहि
करू—ने स्वर्गक नाम लऽ कऽ, कारण ओ
परमेश्वरक सिंहासन छनि, [35]ने पृथ्वीक
नाम लऽ कऽ, कारण ओ परमेश्वरक पयर
तरक चौकी छनि, ने यरूशलेमक, कारण
ओ महान् राजाक नगर छनि, [36]और ने
अपन माथक, कारण अहाँ अपन एकोटा
केश कैँ ने तँ उज्जर आ ने कारी कऽ सकैत
छी। [37]अहाँ सभ जखन 'हँ' कहऽ चाहैत
छी, तँ बस, 'हँ'ए कहू, जखन 'नहि' कहऽ
चाहैत छी, तँ 'नहि'ए कहू। एहि सँ बेसी
जे किछु बजैत छी से शैतान सँ प्रेरित बात
अछि।

बदला लेनाइ

(लूका 6.29-30)

38 "अहाँ सभ सुनने छी जे एना कहल
गेल छल, 'केओ जँ ककरो आँखि फोड़य
तँ ओकरो आँखि फोड़ल जाय, आ केओ
जँ ककरो दाँत तोड़य तँ ओकरो दाँत
तोड़ल जाय।'* [39]मुदा हम अहाँ सभ कैँ
कहैत छी, जँ कोनो दुष्ट लोक अहाँ कैँ
किछु करओ, तँ ओकर विरोध नहि करू।
केओ जँ अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़
मारय तँ ओकरा सामने दोसरो गाल कऽ
दिऔक। [40]केओ जँ अहाँ पर मोकदमा
कऽ अहाँक कुर्ता लेबऽ चाहय तँ ओकरा
ओढ़नो लेबऽ दिऔक। [41]जँ केओ अहाँ सँ
कोनो वस्तु जबरदस्ती एक कोस उघबाबय
तँ अहाँ दू कोस उघि दिऔक। [42]जे केओ
अहाँ सँ किछु मँगैत अछि तकरा दिऔक,
आ जे केओ अहाँ सँ पैंच लेबऽ चाहैत
अछि तकरा सँ मुँह नहि घुमाउ।

शत्रु सँ प्रेम

(लूका 6.27-28, 32-36)

43 "अहाँ सभ सुनने छी जे एना कहल
गेल छल, 'अपना पड़ोसी सँ प्रेम करह*
आ अपन शत्रु सँ दुश्मनी राखह।' [44]मुदा
हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी, अपना शत्रु
सभ सँ प्रेम करू आ अहाँ कैँ जे सभ
सतबैत अछि तकरा सभक लेल प्रभु सँ
प्रार्थना करू। [45]तखने अहाँ स्वर्ग मे रहऽ
वला अपन पिताक सन्तान बनब। कारण,
ओ दुष्ट आ सज्जन दूनू पर अपन सूर्यक
प्रकाश दैत छथि, आ धर्मी और अधर्मी
दूनू पर वर्षा करबैत छथि।

46 "जँ अहाँ मात्र ओकरे सभ सँ प्रेम
करी जे अहाँ सँ प्रेम करैत अछि तँ अहाँ
कैँ परमेश्वर सँ की इनाम भेटत? की कर
असूल कयनिहार ठकहारो सभ एहिना
नहि करैत अछि? [47]आ जँ अहाँ मात्र
अपने लोक सभक कुशल-मङलक पुछारी
करैत छी तँ अहाँ कोन बड़का काज करैत
छी? की परमेश्वर कैँ नहि चिन्हऽ वला
जातिक लोक सभ सेहो एहिना नहि करैत
अछि? [48]तँ अहाँ सभ सिद्ध बनू जेना स्वर्ग
मे रहऽ वला अहाँ सभक पिता परमेश्वर
सिद्ध छथि।

दान

6 "होसियार रहू, लोक कैँ देखयबाक
लेल अपन 'धर्म-कर्म' नहि करू,
नहि तँ अहाँ कैँ अपन पिता सँ, जे स्वर्ग मे
छथि, कोनो फल नहि भेटत।

2 "अहाँ जखन गरीब सभ कैँ दान दैत
छी तखन तकर ढोल नहि पिटू, जेना

5:38 प्रस्थान 21.24; लेवी 24.20; व्यव 19.21 **5:43** लेवी 19.18

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पाखण्डी लोक सभाघर मे और रस्ता सभ
मे करैत रहैत अछि, जाहि सँ लोक ओकर
प्रशंसा करैक। हम अहाँ सभ केँ सत्य
कहैत छी, लोकक प्रशंसा पाबि ओ सभ
ओहि सँ बेसी कोनो इनामक बाट बेकार
ताकत।

3-4 "मुदा अहाँ जखन दान करी तखन
अहाँक ई काज एतेक गुप्त होअय जे
अहाँक बामा हाथ सेहो नहि जानय जे
अहाँक दहिना हाथ की कऽ रहल अछि।
तखन अहाँक पिता जे गुप्त काज केँ सेहो
देखैत छथि, से अहाँ केँ तकर प्रतिफल
देताह।

प्रार्थनाक विषय मे शिक्षा

(लूका 11.2-4)

5 "जखन परमेश्वर सँ प्रार्थना करी, तँ
पाखण्डी जकाँ नहि बनू, किएक तँ ओ
सभ सभाघर सभ मे आ चौक सभ पर
ठाढ़ भऽ कऽ प्रार्थना कयनाइ बहुत पसन्द
करैत अछि, जाहि सँ लोक ओकरा सभ
केँ देखैक। हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत
छी जे, लोक ओकरा सभ केँ देखलक,
ओहि सँ बेसी ओ सभ कोनो इनामक बाट
बेकार ताकत।

6 "मुदा अहाँ जखन प्रार्थना करी, तँ
अपना कोठरी मे जाउ, केबाड़ बन्द
करू आ अपना पिता, जिनका केओ
नहि देखि सकैत छनि, तिनका सँ प्रार्थना
करू। अहाँक पिता जे गुप्त काज सेहो
देखैत छथि, से अहाँ केँ तकर प्रतिफल
देताह। **7** प्रार्थना करैत अहाँ सभ ओहि
जाति सभक लोक जकाँ जे सभ जीवित
परमेश्वर केँ नहि चिन्हैत अछि रट लगा
कऽ बात नहि दोहरबैत रहू। ओ सभ तँ
सोचैत अछि जे बहुत बजला सँ ओकर
प्रार्थना सुनल जयतैक। **8** अहाँ सभ
ओकरा सभ जकाँ नहि बनू। अहाँ सभक
पिता तँ अहाँ सभक मँगनाइ सँ पहिनहि
बुझैत रहैत छथि जे अहाँ सभ केँ कोन
वस्तुक आवश्यकता अछि। **9** तेँ एहि तरहेँ
प्रार्थना करू—

'हे हमर सभक पिता,
अहाँ जे स्वर्ग मे विराजमान छी,
अहाँक नाम पवित्र मानल जाय,
10 अहाँक राज्य आबय,
अहाँक इच्छा जहिना स्वर्ग मे पूरा
होइत अछि,
तहिना पृथ्वी पर सेहो पूरा होअय।
11 हमरा सभ केँ आइ भोजन दिअ,
जे दिन प्रति दिन हमरा सभक लेल
आवश्यक अछि।
12 हमर सभक अपराध क्षमा करू,
जहिना हमहूँ सभ अपन अपराधी
सभ केँ क्षमा कयने छिऐक।
13 हमरा सभ केँ पाप मे फँसाबऽ वला
बात सँ दूर राखू,
और दुष्ट सँ हमरा सभक रक्षा करू।
[किएक तँ राज्य, शक्ति आ महिमा
युगानुयुग अहींक अछि,
आमीन।] *'

14 अहाँ सभ जँ लोकक अपराध क्षमा
करब तँ अहाँ सभक पिता जे स्वर्ग मे
छथि सेहो अहूँ सभक अपराध क्षमा
करताह। **15** मुदा अहाँ सभ जँ लोकक
अपराध क्षमा नहि करबैक, तँ अहाँ
सभक पिता सेहो अहाँ सभक अपराध
क्षमा नहि करताह।

6:13 किछु हस्तलेख सभ मे ई पाँति नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

उपास

16 "अहाँ सभ जखन उपास करी तखन
पाखण्डी सभ जकाँ मुँह लटकौने नहि रहू।
कारण, ओ सभ अपन मुँह म्लान कयने
रहैत अछि जाहि सँ लोक सभ बुझैक जे
ओ उपास कयने अछि। हम अहाँ सभ कैँ
सत्य कहैत छी, लोक बुझलक, ओहि सँ
बेसी ओ सभ कोनो इनामक बाट बेकार
ताकत। **17** मुदा अहाँ जखन उपास करी तँ
तेल-कुड़ लिअ आ अपन मुँह-हाथ धोउ,
18 जाहि सँ लोक नहि बुझय जे अहाँ
उपास कयने छी, बल्कि मात्र अहाँक
पिता, जिनका केओ नहि देखि सकैत
छनि, से बुझथि। एहि सँ अहाँक पिता जे
गुप्त काज कैँ सेहो देखैत छथि, से अहाँ
कैँ प्रतिफल देताह।

असली धन

(लूका 12.33-34; 11.34-36; 16.13)

19 "पृथ्वी पर अपना लेल धन जमा
नहि करू जतऽ कीड़ा आ बीझ ओकरा
नष्ट कऽ दैत अछि, और चोर सेन्ह
काटि कऽ ओकर चोरी कऽ लैत अछि।
20 बल्कि अपना लेल स्वर्ग मे धन जमा
करू, जतऽ ने कीड़ा आ ने बीझ ओकरा
नष्ट करैत अछि, आ ने चोर सेन्ह काटि
कऽ ओकर चोरी करैत अछि। **21** कारण,
जतऽ अहाँक धन अछि ततहि अहाँक
मोनो लागल रहत।

22 "शरीरक डिबिया आँखि अछि!
जँ अहाँक आँखि ठीक अछि तँ अहाँक
सम्पूर्ण शरीर इजोत मे रहत। **23** मुदा जँ
अहाँक आँखि खराब भऽ जाय तँ अहाँक
सम्पूर्ण शरीर अन्हार मे भऽ जायत, आ जँ
अहाँक भितरी प्रकाश अन्हार बनि जाय तँ
ई अन्हार कतेक भयंकर होयत!

24 "कोनो खबास दूटा मालिकक सेवा
एक संग नहि कऽ सकैत अछि। कारण,
ओ एकटा सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम,
अथवा पहिल कैँ खूब मानत और दोसर कैँ
तुच्छ बुझत। अहाँ सभ परमेश्वर आ धन-
सम्पत्ति दूनूक सेवा नहि कऽ सकैत छी।

चिन्ता सँ मुक्ति

(लूका 12.22-31)

25 "एहि लेल हम अहाँ सभ कैँ कहैत
छी, अपना प्राणक लेल चिन्ता नहि करू
जे हम की खायब वा की पीब, आ ने
शरीरक लेल चिन्ता करू जे की पहिरब।
की भोजन सँ प्राण, आ वस्त्र सँ शरीर बेसी
मूल्यवान नहि अछि? **26** आकाशक चिड़ै
सभ कैँ देखू—ओ सभ ने बाउग करैत
अछि, ने कटनी करैत अछि आ ने कोठी
मे अन्न रखैत अछि, मुदा तैयो अहाँ सभक
पिता जे स्वर्ग मे छथि से ओकर सभक
पालन करैत छथिन। की अहाँ सभ चिड़ै
सभ सँ बहुत मूल्यवान नहि छी? **27** चिन्ता
कऽ कऽ अहाँ सभ मे सँ के अपना उमेर कैँ
एको घड़ी बढ़ा सकैत छी? *

28 "वस्त्रक लेल अहाँ चिन्ता किएक
करैत छी? जंगलक फूल सभ कैँ देखू जे
ओ सभ कोन तरहेँ फुलाइत अछि। ओ
सभ ने खटैत अछि, आ ने चर्खा कटैत
अछि। **29** हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे,
राजा सुलेमान सेहो अपन राजसी वस्त्र

6:27 एहि पाँतिक अनुवाद एहि प्रकारेँ सेहो भऽ सकैत अछि, "... के अपन शरीरक लम्बाइ कैँ एको हाथ बढ़ा सकैत छी?"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पहिरि कऽ एहि फूल सन सुन्दर नहि लगैत
छलाह। 30जँ परमेश्वर मैदानक घास, जे
आइ अछि आ काल्हि आगि मे जराओल
जायत, तकरा एहि तरहेँ हरियरी सँ भरल
रखैत छथि, तँ ओ अहाँ सभ केँ आओर
किएक नहि पहिरौताह-ओढ़ौताह? अहाँ
सभ केँ कतेक कम विश्वास अछि!

31 "एहि लेल चिन्ता नहि करू जे हम
सभ की खायब, की पीब वा की पहिरब।
32कारण, एहि सभ बातक पाछाँ तँ
परमेश्वर केँ नहि चिन्हऽ वला जातिक
लोक सभ पड़ल रहैत अछि। अहाँ
सभक पिता जे स्वर्ग मे छथि से जनैत
छथि जे अहाँ सभ केँ एहि बात सभक
आवश्यकता अछि। 33बल्कि सभ सँ
पहिने परमेश्वरक राज्य पर, आ परमेश्वर
जाहि प्रकारक धार्मिकता अहाँ सँ चाहैत
छथि, ताहि पर मोन लगाउ, तँ ई सभ
वस्तु सेहो अहाँ केँ देल जायत।

34 "तेँ काल्हि की होयत तकर चिन्ता
नहि करू, किएक तँ काल्हि अपन चिन्ता
अपने कऽ लेत। आजुक लेल तँ अजुके
दुःख बहुत अछि।

दोसर केँ दोषी नहि ठहराउ

(लूका 6.37-38, 41-42)

7 "ककरो दोषी नहि ठहराउ जाहि
सँ अहूँ सभ दोषी नहि ठहराओल
जाइ। 2जाहि तरहेँ अहाँ दोषी ठहरायब
ताहि तरहेँ अहूँ दोषी ठहराओल जायब,
आ जाहि नाप सँ अहाँ नापब, सैह नाप
अहूँ पर लागू होयत।

3 "अहाँ अपन भायक आँखि मेहक
काठक कुन्नी किएक देखैत छी? की
अपना आँखि मेहक ढेंग नहि सुझाइत
अछि? 4अहाँ अपना भाय केँ कोना
कहैत छी जे, 'आउ, हम अहाँक आँखि
मे सँ कुन्नी निकालि दैत छी,' जखन
कि अहाँक अपने आँखि मे ढेंग अछि?
5हे पाखण्डी, पहिने अपना आँखि मेहक
ढेंग निकालि लिअ, तखने अपन भायक
आँखि मेहक कुन्नी निकालबाक लेल
अहाँ ठीक सँ देखि सकब।

6 "पवित्र वस्तु कुकुर सभ केँ नहि
दिअ, आ ने अपन हीरा-मोती सुगरक
आगाँ फेकू, नहि तँ एना नहि होअय जे ओ
सभ पयर सँ ओकरा धाँगि दय आ घूमि
कऽ अहाँ सभ केँ चीरि-फाड़ि दय।

माँगू तँ पायब

(लूका 11.9-13)

7 "माँगू तँ अहाँ सभ केँ देल जायत।
ताकू तँ अहाँ सभ केँ भेटत। ढकढकाउ
तँ अहाँ सभक लेल खोलल जायत।
8कारण, जे केओ मँगैत अछि, से प्राप्त
करैत अछि; जे केओ तकैत अछि, तकरा
भेटैत छैक, और जे केओ ढकढकबैत
अछि, तकरा लेल खोलल जाइत छैक।

9 "की अहाँ सभ मे सँ केओ एहन लोक
छी जे जँ अहाँक बेटा अहाँ सँ रोटी माँगय
तँ ओकरा पाथर दिऐक? 10वा माछ
माँगय तँ साँप दिऐक? 11जखन अहाँ सभ
पापी होइतो अपना बच्चा सभ केँ नीक
वस्तु सभ देनाइ जनैत छी, तँ अहाँ सभ
सँ बढ़ि कऽ अहाँ सभक पिता जे स्वर्ग मे
छथि, से मँगनिहार सभ केँ नीक वस्तु सभ
किएक नहि देथिन?

धर्म-नियमक निचोड़

(लूका 6.31)

12 "जेहन व्यवहार अहाँ चाहैत छी जे
लोक अहाँक संग करय, तेहने व्यवहार

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहूँ लोकक संग करू, किएक तँ धर्म-
नियमक आ परमेश्वरक प्रवक्ता सभक
शिक्षाक निचोड़ यैह अछि।

दूटा बाट

13 "छोट द्वारि सँ प्रवेश करू, कारण
नमहर अछि ओ द्वारि आ चौरगर अछि
ओ बाट जे विनाश मे लऽ जाइत अछि,
और बहुतो लोक ओहि द्वारि सँ प्रवेश
करैत अछि। **14**मुदा छोट अछि ओ द्वारि
आ कम चौड़ा अछि ओ बाट जे जीवन मे
लऽ जाइत अछि। और थोड़बे लोक ओहि
द्वारि कैँ ताकि पबैत अछि।

झूठ बाजि कऽ अपना कैँ परमेश्वरक प्रवक्ता कहऽ वला सँ सावधान

(लूका 6.43-44)

15 "ओहन लोक सँ सावधान रहू जे
झूठ बाजि कऽ अपना कैँ परमेश्वरक
प्रवक्ता कहैत अछि। ओ सभ अहाँ
सभक बीच भेँड़ाक वेष मे अबैत अछि,
मुदा भीतर मे ओ सभ चीरि-फाड़ि देबऽ
वला जंगली जानबर अछि। **16**ओकर
सभक काज सभ सँ अहाँ सभ ओकरा
चिन्हि जायब। की काँटक गाछ सँ अंगूर
तोड़ल जा सकैत अछि, वा कबछुआक
लत्ती सँ अंजीर-फल? **17**एहि तरहेँ प्रत्येक
नीक गाछ मे नीक फल आ खराब गाछ
मे खराब फल फड़ैत अछि। **18**ई तँ
भइए नहि सकैत अछि जे नीक गाछ मे
खराब फल फड़ैक आ खराब गाछ मे
नीक फल। **19**जे गाछ नीक फल नहि
दैत अछि से काटि कऽ आगि मे फेकल
जाइत अछि। **20**तहिना एहन लोक सभ
कैँ अहाँ सभ ओकर सभक काज सभ सँ
चिन्हि जायब।

कथनी आ करनी

21 "ई बात नहि अछि जे, जतेक
लोक हमरा 'हे प्रभु, हे प्रभु' कहैत अछि,
ताहि मे सँ सभ केओ स्वर्गक राज्य मे
प्रवेश करत, बल्कि मात्र वैह सभ प्रवेश
करत जे सभ हमर पिता जे स्वर्ग मे
छथि तिनकर इच्छानुरूप चलैत अछि।
22न्यायक दिन बहुतो लोक हमरा कहत,
'हे प्रभु! हे प्रभु! की हम सभ अहाँक नाम
लऽ कऽ भविष्यवाणी नहि कयलहुँ? की
हम सभ अहाँक नाम लऽ कऽ दुष्टात्मा
सभ कैँ नहि निकाललहुँ? की हम सभ
अहाँक नाम लऽ कऽ अनेको चमत्कार
नहि कयलहुँ?' **23**तखन हम ओकरा
सभ कैँ स्पष्ट कहबैक, 'हम तोरा सभ
कैँ कहियो नहि चिन्हलिऔ। है कुकर्मी
सभ, भाग हमरा लग सँ!'

दू तरहक न्यो

(लूका 6.47-49)

24 "जे केओ हमर एहि उपदेश सभ कैँ
सुनैत अछि आ ओकर पालन करैत अछि,
से ओहि बुद्धिमान मनुष्य जकाँ अछि जे
अपन घर पाथर पर बनौलक। **25**बहुत
जोरक वर्षा भेल, बाढ़ि आयल, अन्हड़-
बिहारि चलल और ओहि घर सँ टकरायल,
तैयो ओ घर नहि खसल, कारण ओकर
न्यो पाथर पर राखल गेल छल। **26**मुदा जे
केओ हमर एहि उपदेश सभ कैँ सुनैत अछि
आ ओकर पालन नहि करैत अछि, से
ओहि मूर्ख मनुष्य जकाँ अछि, जे अपन घर
बालु पर बनौलक। **27**जखन बहुत जोरक
वर्षा भेल, बाढ़ि आयल, अन्हड़-बिहारि
चलल आ ओहि घर सँ टकरायल तँ ओ
घर खसि पड़ल आ पूरा नष्ट भऽ गेल।"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

28 जखन यीशु ई उपदेशक बात सभ
कहब समाप्त कयलनि तखन लोकक
भीड़ हुनकर शिक्षा सँ चकित भेल,
[29]कारण ओ धर्मशिक्षक सभ जकाँ
नहि, बल्कि अधिकारपूर्बक उपदेश दैत
छलाह।

कुष्ठ-रोगी स्वस्थ कयल गेल

(मरकुस 1.40-45; लूका 5.12-16)

8 यीशु जखन पहाड़ पर सँ नीचाँ
उतरलाह तँ लोकक बड़का भीड़
हुनका पाछाँ चलऽ लगलनि। [2]एक कुष्ठ-
रोगी हुनका लग अयलनि आ निंघुड़ि कऽ
प्रणाम करैत कहलकनि, "यौ प्रभु, अहाँ जँ
चाही तँ हमरा शुद्ध कऽ सकैत छी।" [3]यीशु
हाथ बढ़ा कऽ ओकरा छुबैत कहलथिन,
"हम अवश्य चाहैत छिअह, तोँ शुद्ध भऽ
जाह।" और ओ तुरत अपन रोग सँ शुद्ध
भऽ गेल। [4]यीशु ओकरा कहलथिन,
"सुनह, ककरो किछु कहिअहक नहि।
जाह, अपना कैँ पुरोहित कैँ देखाबह,
आ धर्म-नियम मे लिखल मूसाक आदेश
अनुसार जे चढ़ौना चढ़यबाक अछि, से
चढ़ाबह। एहि तरहेँ सभक लेल गवाही
रहत जे तोँ शुद्ध भऽ गेल छह।"

रोमी कप्तानक विश्वास

(लूका 7.1-10)

5 यीशु जखन कफरनहूम नगर मे प्रवेश
कयलनि तँ रोमी सेनाक एकटा कप्तान
आबि हुनका सँ विनती कयलथिन, [6]"हे
प्रभु, हमर नोकर लकवा सँ पीड़ित भऽ
घर मे पड़ल अछि आ महा कष्ट मे
अछि।" [7]यीशु हुनका कहलथिन, "हम
आबि ओकरा स्वस्थ कऽ देबैक।"
[8]सेनाक कप्तान उत्तर देलथिन, "यौ
प्रभु, हम एहि जोगरक नहि छी जे अपने
हमरा घर पर आबी। अपने मात्र कहि
देल जाओ आ हमर नोकर स्वस्थ भऽ
जायत। [9]कारण हमहूँ शासनक अधीन
मे छी, और हमरा अधीन मे सैनिक सभ
अछि। हम एकटा कैँ कहैत छिऐक,
'जाह' तँ ओ जाइत अछि आ दोसर कैँ
कहैत छिऐक, 'आबह' तँ ओ अबैत
अछि। हम अपना नोकर कैँ कहैत
छिऐक, 'ई काज करह' तँ ओ करैत
अछि।"

10 हुनकर बात सुनि यीशु कैँ आश्चर्य
भेलनि आ ओ अपना पाछाँ चलऽ वला
लोक सभ कैँ कहलथिन, "हम अहाँ
सभ कैँ सत्य कहैत छी, हम इस्राएली
सभ मे एहन विश्वास ककरो मे नहि
देखलहुँ। [11]हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी,
पूब आ पश्चिम सँ बहुत लोक आओत
और अब्राहम, इसहाक आ याकूबक
संग स्वर्गक राज्य मे भोज खयबाक लेल
बैसत, [12]मुदा जे सभ ⌊अब्राहमक वंशज
होयबाक कारणेँ⌋ राज्यक उत्तराधिकारी
होयबाक चाही, से सभ बाहर अन्हार मे
भगाओल जायत, जतऽ लोक कानत आ
दाँत कटकटाओत।" [13]तकरबाद यीशु
सेनाक कप्तान कैँ कहलथिन, "जाउ,
जेहन विश्वास अहाँ कयलहुँ अछि,
अहाँक लेल ओहिना होयत।" ओही घड़ी
हुनकर नोकर स्वस्थ भऽ गेलनि।

बहुतो रोगी स्वस्थ कयल गेल

(मरकुस 1.29-34; लूका 4.38-41)

14 यीशु जखन पत्रुसक घर मे अयलाह
तँ देखैत छथि जे पत्रुसक सासु बोखार
सँ पीड़ित भऽ ओछायन पर पड़ल छथि।
[15]यीशु हुनकर हाथ कैँ छुबि देलथिन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आ हुनकर बोखार उतरि गेलनि। ओ
उठि कऽ हिनकर सेवा-सत्कार करऽ
लगलीह।
16 साँझ पड़ला पर लोक सभ बहुतो
लोक कैँ जकरा मे दुष्टात्मा छलैक
यीशु लग अनलकनि। यीशु आज्ञा दऽ
कऽ ओकरा सभ मे सँ दुष्टात्मा सभ
कैँ निकालि देलथिन और सभ रोगी
कैँ स्वस्थ कऽ देलथिन, **17** जाहि सँ
परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाहक ई वचन
पूरा होअय जे,

"ओ हमर सभक रोग-बिमारी अपना
पर लऽ
हमरा सभ सँ दूर हटा देलनि।"*

यीशुक शिष्य बनब हल्लुक बात नहि

(लूका 9.57-62)

18 जखन यीशु अपना चारू कात
लोकक बड़का भीड़ देखलनि तँ अपना
शिष्य सभ कैँ झीलक ओहि पार
चलबाक आदेश देलथिन। **19** तखन
एकटा धर्मशिक्षक हुनका लग आबि कऽ
कहलथिन, "गुरुजी, जतऽ कतौ अपने
जायब, ततऽ हमहूँ अपनेक संग चलब।"
20 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, "नढ़िया
कैँ सोन्हि छैक और आकाशक चिड़ै
कैँ खोंता, मुदा मनुष्य-पुत्र कैँ मूड़िओ
नुकयबाक जगह नहि छैक।"
21 केओ दोसर, हुनकर एकटा शिष्य,
हुनका कहलकनि, "प्रभु, हमरा पहिने जा
कऽ अपना बाबूक लास कैँ गाड़ि आबऽ
दिअ।" **22** यीशु ओकरा कहलथिन, "अहाँ
हमरा पाछाँ आउ, आ मुरदा सभ कैँ अपन
मुरदा गाड़ऽ दिऔक।"

अन्हड़-बिहारि सेहो यीशुक अधीन

(मरकुस 4.35-41; लूका 8.22-25)

23 यीशु नाव पर चढ़लाह तँ शिष्य
सभ सेहो हुनका संग विदा भेलथिन।
24 एकाएक झील मे बहुत बड़का अन्हड़-
बिहारि उठल आ नाव लहरिक पानि सँ
भरऽ लागल। मुदा यीशु सुतल छलाह।
25 शिष्य सभ आबि कऽ हुनका जगबैत
कहलथिन, "प्रभु, हमरा सभ कैँ बचाउ!
हम सभ डुबऽ-डुबऽ पर छी!" **26** यीशु
शिष्य सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभक
विश्वास एतेक कम किएक अछि?
अहाँ सभ एतेक डेरायल किएक छी?"
तकरबाद यीशु उठि कऽ अन्हड़-बिहारि
आ लहरि कैँ डँटलथिन। अन्हड़-बिहारि
थम्हि गेल आ सभ किछु एकदम शान्त
भऽ गेल। **27** शिष्य सभ आश्चर्यित भऽ
कहऽ लगलाह, "ई केहन मनुष्य छथि?
अन्हड़-बिहारि आ लहरिओ हिनकर
आदेश मानैत छनि!"

दुष्टात्मा पर यीशुक अधिकार

(मरकुस 5.1-20; लूका 8.26-39)

28 जखन यीशु झीलक ओहि पार
गदरेनी सभक इलाका मे पहुँचलाह तँ
दुष्टात्मा सँ ग्रसित दू व्यक्ति कबरिस्तान
वला क्षेत्र सँ बहरा कऽ हुनका भेटलनि। ओ
दूनू व्यक्ति एतेक उग्र छल जे लोक सभ
डरेँ ओहि बाटे चलनाइ छोड़ि देने छल।
29 ओ दूनू चिचिया उठल, "यौ परमेश्वरक
पुत्र, हमरा सभ सँ अपने कैँ कोन काज?
की समय सँ पहिनहि अपने हमरा सभ कैँ
सतयबाक लेल एतऽ आयल छी?"

8:17 यशा 53.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

30 ओहिठाम सँ कनेक दूर पर सुगरक
बड़का झुण्ड चरि रहल छल। **31** दुष्टात्मा
सभ यीशु सँ विनती कयलकनि, “जँ अहाँ
हमरा सभ कैँ भगाइए रहल छी तँ हमरा
सभ कैँ ओहि सुगरक झुण्ड मे पठा
दिअ।”
32 यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन,
“जो!” दुष्टात्मा सभ दूनू व्यक्ति मे सँ
निकलि कऽ सुगरक झुण्ड मे प्रवेश कऽ
गेल। सुगरक पूरा झुण्ड दौड़ि कऽ पहाड़
पर सँ झील मे खसल और डुबि कऽ मरि
गेल।
33 तखन सुगर चराबऽ वला सभ
भागल आ ई सभ समाचार नगर मे जा
कऽ सुनाबऽ लागल। ओहि दूनू दुष्टात्मा
लागल व्यक्ति कैँ की भेलैक, सेहो
सुनौलकैक। **34** एहि पर नगरक सभ लोक
यीशु सँ भेँट करबाक लेल नगर सँ बाहर
आबि गेल। यीशु कैँ देखि ओ सभ हुनका
सँ विनती करऽ लगलनि जे, “अहाँ हमरा
सभक इलाका सँ चल जाउ।”

लकवा मारल आदमी स्वस्थ कयल गेल

(मरकुस 2.1-12; लूका 5.17-26)

9 तखन यीशु नाव मे चढ़ि कऽ झील
पार कयलनि आ फेर अपना नगर मे
चल अयलाह।
2 किछु लोक सभ एकटा लकवा मारल
आदमी कैँ खाट पर लदने यीशु लग
अनलकनि। यीशु ओकरा सभक विश्वास
देखि लकवा मारल आदमी कैँ कहलथिन,
“हौ बेटा, साहस राखह, तोहर पाप माफ
भेलह।” **3** ई सुनि किछु धर्मशिक्षक सभ
अपना मोन मे सोचऽ लगलाह, “ई व्यक्ति
तँ अपना कैँ परमेश्वरक तुल्य बुझि
हुनकर निन्दा करैत अछि!” **4** यीशु हुनकर
सभक मोनक बात जानि कहलथिन,
“अहाँ सभ अपना मोन मे अधलाह
बात किएक सोचैत छी? **5** आसान की
अछि—ई कहब जे, ‘तोहर पाप क्षमा
भेलह’, वा ई कहब जे, ‘उठि कऽ चलह-
फिरह’? **6** मुदा जाहि सँ अहाँ सभ ई बात
बुझि जाइ जे मनुष्य-पुत्र कैँ पृथ्वी पर
पाप माफ करबाक अधिकार छनि, हम
एकरा कहैत छी...” तखन ओ लकवाक
रोगी कैँ कहलथिन, “उठह, अपन खाट
उठाबह आ घर चल जाह!” **7** ओ उठल
आ घर चल गेल। **8** लोक सभ ई देखि
भयभीत भेल आ एहि लेल परमेश्वरक
प्रशंसा करऽ लागल जे ओ मनुष्य कैँ एहन
अधिकार देने छथिन।

मत्ती बजाओल गेलाह

(मरकुस 2.13-17; लूका 5.27-32)

9 ओहिठाम सँ आगाँ बढ़ला पर यीशु
मत्ती नामक एक आदमी कैँ कर असूल
करऽ वला स्थान मे बैसल देखलथिन।
यीशु हुनका कहलथिन, “हमरा पाछाँ
आउ।” ओ उठि कऽ यीशुक संग चलऽ
लगलथिन।
10 जखन यीशु मत्तीक घर मे भोजन
करबाक लेल बैसलाह तँ बहुतो कर
असूल कयनिहार आ “पापी” सभ
आबि हुनका और हुनकर शिष्य सभक
संग भोजन करबाक लेल बैसल। **11** ई
देखि फरिसी सभ यीशुक शिष्य सभ कैँ
कहलथिन, “अहाँ सभक गुरु कर असूल
कयनिहार और पापी सभक संग किएक
खाइत-पिबैत छथि?”
12 यीशु हुनकर सभक बात सुनि
कहलथिन, “वैद्यक आवश्यकता स्वस्थ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लोक कैँ नहि होइत छैक, बल्कि बिमार
सभ कैँ! 13 अहाँ सभ जा कऽ प्रभुक कहल
एहि वचनक अर्थ सिखू जे,
‘अहाँ सभक द्वारा अर्पित चढ़ौना वा
बलि-प्रदान हम नहि चाहैत छी,
बल्कि अहाँ सभ दयालु बनू, से।’*
हम धार्मिक सभ कैँ नहि, बल्कि पापी
सभ कैँ बजयबाक लेल आयल छी।”

पुरान सँ नवक मिलान नहि

(मरकुस 2.18-22; लूका 5.33-39)

14 बपतिस्मा देनिहार यूहन्नाक शिष्य
सभ यीशु लग आबि कऽ पुछलथिन, “की
कारण अछि जे हम सभ आ फरिसी सभ तँ
उपास करैत रहैत छी, मुदा अहाँक शिष्य
सभ उपास नहि करैत छथि?”
15 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन,
“जाबत तक वरियातीक संग वर अछि
ताबत तक की वरियाती शोक मनाओत?
नहि! मुदा ओ समय आओत जहिया वर
ओकरा सभक बीच सँ हटा लेल जायत।
ओ सभ तहिये उपास करत। 16 केओ
पुरान कपड़ा पर नयाँ कपड़ाक चेफरी
नहि लगबैत अछि, कारण, ओ चेफरी
घोकचि कऽ पुरान कपड़ा कैँ खिचत
और ओ कपड़ा पहिनहु सँ बेसी फाटि
जायत। 17 एहि तरहेँ लोक नव दारू
पुरान चमड़ाक थैली मे नहि रखैत अछि।
कारण, एना जँ करत तँ चमड़ाक थैली
फाटि जयतैक; दारू बहि जयतैक, आ
थैलिओ नष्ट भऽ जयतैक। नहि! नव
दारू नये थैली मे राखल जाइत अछि।
एहि तरहेँ दारू आ थैली दूनू सुरक्षित
रहैत अछि।”

मरल बच्ची आ दुखिताहि स्त्री

(मरकुस 5.21-43; लूका 8.40-56)

18 यीशु हुनका सभ कैँ ई बात सभ
कहिए रहल छलाह कि सभाघरक एक
अधिकारी अयलथिन आ हुनका सामने
ठेहुन रोपि कऽ कहलथिन, “हमर बेटी
एखने तुरत मरि गेलि अछि, मुदा तैयो
अपने चलि कऽ अपन हाथ ओकरा पर
राखि देल जाओ—तँ ओ जीबि जायत।”
19 यीशु उठि कऽ अपना शिष्य सभक संग
हुनका पाछाँ विदा भऽ गेलाह।
20 तखने एक स्त्री जकरा बारह वर्ष सँ
खून खसऽ वला बिमारी छलैक, से पाछाँ
सँ आयल आ यीशुक कपड़ाक कोर छुबि
लेलक। 21 ओ अपना मोन मे सोचि रहल
छलि जे, “हम जँ हुनकर कपड़ो कैँ छुबि
लेब तँ स्वस्थ भऽ जायब।”
22 यीशु पाछाँ घूमि कऽ ओकरा देखलनि
आ कहलथिन, “बेटी, साहस राखह, तोहर
विश्वास तोरा स्वस्थ कऽ देलकह।” ओ
स्त्री ओही घड़ी स्वस्थ भऽ गेलि।
23 यीशु सभाघरक अधिकारीक
ओहिठाम पहुँचलाह तँ ओतऽ शोक मे
बाँसुरी बजौनिहार सभ आ आरो लोक
सभ कैँ हल्ला-गुल्ला करैत देखलथिन।
24 ओ कहलथिन, “हटै जाइ जाउ, बच्ची
मरल नहि अछि; सुतल अछि।” एहि
पर लोक सभ हुनका पर हँसऽ लागल।
25 लोकक भीड़ जखन बाहर कयल गेल
तँ यीशु घरक भीतर गेलाह। ओ बच्चीक
हाथ पकड़ि कऽ उठौलथिन और बच्ची
उठि बैसलि। 26 ई समाचार ओहि प्रान्तक
कोना-कोना मे पसरि गेल।

9:13 होशे 6.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दू आन्हर व्यक्ति कैँ आँखिक इजोत

27 यीशु ओतऽ सँ आगाँ बढ़लाह तँ
दू आन्हर व्यक्ति एहि तरहेँ सोर पारैत
हुनका पाछाँ-पाछाँ चलऽ लगलनि
जे, “यौ दाऊदक पुत्र, हमरा सभ पर
दया करू!” **28** यीशु जखन घर मे
गेलाह तँ ओ आन्हर व्यक्ति सभ
हुनका लग अयलनि। यीशु ओकरा
सभ सँ पुछलथिन, “की तोरा सभ
कैँ विश्वास छह जे हम ई काज कऽ
सकैत छी?” ओ सभ कहलकनि, “हँ,
प्रभु।” **29** तखन यीशु ओकर सभक
आँखि कैँ छुबैत कहलथिन, “जेहन
तोहर सभक विश्वास छह तहिना तोरा
सभक लेल होअह।” **30** एतबा कहैत
देरी ओकर सभक आँखि ठीक भऽ
गेलैक। यीशु ओकरा सभ कैँ चेतावनी
देलथिन जे, “सुनह, ई बात ककरो नहि
कहिअहक।” **31** मुदा ओ सभ घर सँ
निकलि कऽ सम्पूर्ण जिला मे हुनकर
कीर्ति सुना देलकनि।

बौक बाजऽ लागल

32 ओ दूनू व्यक्ति कैँ घर सँ निकलिते
किछु लोक दुष्टात्मा सँ ग्रसित एक
बौक आदमी कैँ यीशु लग अनलकनि।
33 दुष्टात्मा कैँ ओकरा मे सँ निकालि
देल गेलाक बाद ओ बौक आदमी
बाजऽ लागल। ई देखि भीड़क लोक
सभ आश्चर्यित भऽ कहऽ लागल
जे, “इस्राएल मे एहन बात कहियो
नहि भेल छल।” **34** मुदा फरिसी सभ
कहऽ लगलाह जे, “ई दुष्टात्मा सभक
मुखियाक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ कैँ
निकालैत अछि।”

लोक सभ पर यीशुक दया

35 यीशु नगर-नगर, गाम-गाम घुमऽ
लगलाह। ओ यहूदी सभक सभाघर
सभ मे उपदेश दैत छलाह, परमेश्वरक
राज्यक शुभ समाचार सुनबैत छलाह आ
लोक सभ कैँ सभ तरहक कष्ट-बिमारी
सँ मुक्त करैत छलाह। **36** लोकक भीड़
कैँ देखि कऽ हुनका दया होइत छलनि,
कारण ओ सभ पीड़ित आ असहाय
छल—ओहि भेँड़ी सभ जकाँ जकर केओ
चरबाह नहि होइक। **37** तखन ओ अपना
शिष्य सभ कैँ कहलथिन, “पाकल फसिल
तँ बहुत अछि, मुदा काटऽ वला मजदूर
कम अछि। **38** तेँ खेतक मालिक सँ प्रार्थना
करिऔन जे ओ अपना खेत मे आरो
मजदूर पठबथि।”

शिष्य सभ सेवा-काजक लेल पठाओल गेलाह

(मरकुस 3.13-19; 6.7-13;
लूका 6.12-16; 9.1-6)

10 तखन यीशु अपन बारहो शिष्य
कैँ बजा कऽ दुष्टात्मा* सभ
कैँ निकालबाक और सभ तरहक रोग-
बिमारी कैँ ठीक करबाक अधिकार
देलथिन।

2 एहि बारह मसीह-दूतक नाम एहि तरहेँ
अछि—पहिल सिमोन, जिनकर पत्रुस नाम
सेहो छनि, और हुनकर भाय अन्द्रेयास;
जबदीक बेटा याकूब आ हुनकर भाय
यूहन्ना; **3** फिलिपुस और बरतुल्मै;

10:1 मूल मे, “अशुद्ध आत्मा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

थोमा आ कर असूल कयनिहार मत्ती;
अल्फेयासक बेटा याकूब आ तद्दै; 4"देश-
भक्त"* सिमोन आ यहूदा इस्करियोती
जे बाद मे यीशुक संग विश्वासघात
कयलकनि।

5 एहि बारह गोटे कैँ यीशु ई आज्ञा दऽ
कऽ पठौलथिन जे, "गैर-यहूदी सभक
बीच नहि जाउ आ सामरी सभक कोनो
नगर मे प्रवेश नहि करू, 6बल्कि इस्राएल
वंशक हेरायल भेँड़ा सभ लग जाउ।

7 "जाइत-जाइत ई प्रचार करैत जाउ
जे, 'स्वर्गक राज्य लग आबि गेल अछि।'
8रोगी सभ कैँ स्वस्थ करू, मुइल सभ कैँ
जिआउ, कुष्ठ-रोगी सभ कैँ शुद्ध करू,
लोक सभ मे सँ दुष्टात्मा सभ कैँ निकालू।
अहाँ सभ कैँ जे किछु भेटल अछि से
अहाँ सभ बिना मूल्य पौलहुँ, तँ अहूँ सभ
बिना मूल्य दिअ। 9अपना बटुआ मे सोन,
चानी वा तामक पाइ-कौड़ी किछु नहि
राखू। 10बाटक लेल ने झोरी-झण्टा, ने
दोसर अंगा, ने चप्पल आ ने लाठी, किछु
नहि संग लिअ; कारण, मजदूर कैँ भोजन
पयबाक अधिकार छैक। 11जाहि कोनो
नगर वा गाम मे जायब, तँ एहन लोकक
पता लगाउ जे शुभ समाचार सुनबाक
लेल तैयार होअय, आ ताबत धरि ओही
व्यक्तिक ओतऽ रहू जाबत धरि ओहि
गाम सँ विदा नहि भऽ जायब। 12घर
मे पहुँचि कऽ सभ सँ पहिने शान्तिक
आशीर्वाद दिअ। 13ओ घर जँ योग्य
होअय तँ अपन शान्ति ओकरा पर रहऽ
दिऔक, और जँ योग्य नहि होअय तँ
अपन शान्ति घुमा लिअ। 14जँ केओ अहाँ
सभक स्वागत नहि करय आ अहाँ सभ जे
कहऽ चाहैत छी, से नहि सुनय, तँ ओहि
घर वा ओहि नगर सँ बहरयबा काल मे
अपन पयरक गर्दा झाड़ि लेब। 15हम
अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी, न्यायक दिन
ओहि नगरक दशा सँ सदोम आ गमोरा
नगरक दशा सहबा जोगरक रहतैक।

आबऽ वला कष्ट

(मरकुस 13.9-13; लूका 21.12-17)

16 "देखू, हम अहाँ सभ कैँ भेँड़ी जकाँ
जंगली जानबर सभक बीच मे पठा रहल
छी, तँ अहाँ सभ साँप जकाँ होसियार आ
परबा जकाँ निष्कपट बनू।

17 "लोक सभ सँ सावधान रहू। कारण,
ओ सभ अहाँ सभ कैँ पकड़ि कऽ पंचायत
मे पंच सभक समक्ष लऽ जायत आ अपना
सभाघर सभ मे अहाँ सभ कैँ कोड़ा सँ
पिटबाओत। 18हमरा कारणेँ राज्यपाल
आ राजा सभक समक्ष अहाँ सभ कैँ ठाढ़
कयल जायत और अहाँ सभ हुनका सभक
सामने आ गैर-यहूदी सभक सामने हमरा
बारे मे गवाही देब। 19मुदा जखन ओ
सभ अहाँ सभ कैँ पकड़बाओत तँ अहाँ
सभ चिन्ता नहि करू जे हम सभ कोना
बाजब वा की बाजब। जे किछु अहाँ सभ
कैँ बजबाक होयत, से ओही क्षण अहाँ
सभ कैँ मोन मे दऽ देल जायत; 20कारण,
बाजऽ वला अहाँ सभ नहि, बल्कि अहाँ
सभक पिता-परमेश्वरक आत्मा होयताह।
ओ अहाँ सभक द्वारा बजताह।

21 "भाय भाय कैँ, बाबू अपना बेटा कैँ
मृत्युदण्डक लेल पकड़बाओत, आ बेटा-

10:4 मूल मे "कनानाइयस", जे इब्रानी भाषा मे यूनानी भाषाक "जेलोतेस"क बराबरि अछि, जकर शाब्दिक अर्थ अछि "उत्साही", और जे यहूदी राष्ट्रवादी एक दलक नाम छल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बेटी अपन माय-बाबूक विरोध मे ठाढ़ भऽ
कऽ मरबाओत।
22 "अहाँ सभ सँ सभ केओ घृणा करत,
एहि लेल जे अहाँ सभ हमर लोक छी।
मुदा जे व्यक्ति अन्त तक अपना विश्वास
मे स्थिर रहत से उद्धार पाओत।
23 "जखन लोक सभ अहाँ सभ कैँ
कोनो नगर मे सताबऽ लागत तखन अहाँ
सभ भागि कऽ दोसर नगर चल जाउ। हम
अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी, अहाँ सभ
इस्राएल देशक सभ नगर मे अपन काज
समाप्तो नहि कयने रहब, ताबत मनुष्य-
पुत्र फेर आबि जयताह।
24 "चेला अपना गुरु सँ पैघ नहि होइत
अछि आ ने दास अपना मालिक सँ।
25 चेला कैँ अपन गुरुक बराबरि होयब आ
दास कैँ अपन मालिकक बराबरि होयब,
एतबे बहुत अछि। जँ ओ सभ घरक
मालिक कैँ 'दुष्टात्मा सभक मुखिया'*
कहैत अछि तँ मालिकक परिवारक लोक
कैँ की की नहि कहतैक!

ककरा सँ डेराउ?

(लूका 12.2-7)

26 "एहि लेल ओकरा सभ सँ डेराउ
नहि। एहन किछु नहि अछि जे झाँपल
होअय आ उघारल नहि जायत, वा जे
नुकाओल होअय आ प्रगट नहि कयल
जायत। **27** जे किछु हम अहाँ सभ कैँ
अन्हार मे कहैत छी से अहाँ सभ इजोत
मे कहू; जे किछु एकान्ती कऽ कऽ सुनने
छी तकरा छत पर सँ घोषणा करू।
28 ओकरा सभ सँ नहि डेराउ जे शरीर कैँ
मारि दैत अछि, मुदा आत्मा कैँ नहि मारि
सकैत अछि, बल्कि तिनका सँ डेराउ जे
आत्मा आ शरीर, दूनू कैँ नरक मे नष्ट कऽ
सकैत छथि। **29** बगेड़ी कतेक मे भेटैत
अछि?—एक पाइ मे दूटा! तैयो एकोटा
बगेड़ी सेहो अहाँ सभक पिताक इच्छाक
बिना जमीन पर नहि खसैत अछि। **30** अहाँ
सभक माथक एक-एकटा केशो गनल
अछि। **31** तेँ अहाँ सभ डेराउ नहि। अहाँ
सभ बहुतो बगेड़ी सँ मूल्यवान छी!

लोकक समक्ष यीशु कैँ अपन प्रभु मानब

(लूका 12.8-9, 51-53; 14.26-27)

32 "जे केओ लोकक समक्ष हमरा
अपन प्रभु मानि लेत, तकरा हमहूँ अपन
स्वर्गीय पिताक समक्ष अपन लोक मानि
लेबैक। **33** मुदा जे केओ लोकक समक्ष
हमरा अस्वीकार करत, तकरा हमहूँ
अपन स्वर्गीय पिताक समक्ष अस्वीकार
करबैक।
34 "ई नहि बुझू जे हम पृथ्वी पर मेल-
मिलाप करयबाक लेल आयल छी। नहि!
मेल करयबाक लेल नहि, बल्कि तरुआरि
चलबयबाक लेल हम आयल छी। **35** हम
तँ एहि लेल आयल छी जे 'बेटा कैँ ओकर
बाबूक, बेटी कैँ ओकर मायक, आ पुतोहु
कैँ ओकर सासुक विरोधी बना दिऐक।
36 लोकक दुश्मन ओकर अपने घरक
लोक होयतैक।'*
37 "जे केओ हमरा सँ बेसी अपन माय-
बाबू सँ प्रेम करैत अछि, से हमर शिष्य
बनबाक योग्य नहि अछि। जे केओ हमरा
सँ बेसी अपन धिआ-पुता सँ प्रेम करैत
अछि, से हमर शिष्य बनबाक योग्य नहि

10:25 मूल मे, 'बालजबूल', जे शैतानक एक नाम अछि **10:36** मीका 7.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि। 38आ जे केओ हमरा कारणेँ दुःख
उठयबाक आ प्राणो देबाक लेल तैयार भऽ*
हमरा पाछाँ नहि चलैत अछि, से हमर शिष्य
बनबाक योग्य नहि अछि। 39जे केओ अपन
जीवन सुरक्षित रखैत अछि, से ओकरा
गमाओत, आ जे अपन जीवन हमरा लेल
गमबैत अछि, से ओकरा सुरक्षित राखत।

40 "जे केओ अहाँ सभ केँ स्वीकार
करैत अछि, से हमरा स्वीकार करैत
अछि, आ जे हमरा स्वीकार करैत अछि,
से तिनका स्वीकार करैत छनि जे हमरा
पठौने छथि। 41जे केओ परमेश्वरक
प्रवक्ता केँ एहि लेल स्वागत करत जे
ओ व्यक्ति परमेश्वरक प्रवक्ता छथि, से
प्रवक्ताक प्रतिफल पाओत; आ जे केओ
धार्मिक व्यक्ति केँ एहि लेल स्वागत करत
जे ओ धार्मिक व्यक्ति छथि, से धार्मिकक
प्रतिफल पाओत। 42जे केओ हमरा छोटो
सँ छोट शिष्य सभ मे सँ ककरो एहि लेल
एक लोटा ठण्ढा पानिओ पिआओत जे
ओ हमर शिष्य अछि, हम अहाँ सभ केँ
सत्ये कहैत छी जे, ओ अपना एहि सेवाक
प्रतिफल अवश्य पाओत।"

यूहन्नाक प्रश्न आ यीशुक उत्तर

(लूका 7.18-35)

11 यीशु अपन बारहो शिष्य केँ एहि
तरहेँ आज्ञा सभ दऽ कऽ ओतऽ
सँ चल गेलाह आ लग-पासक नगर सभ
मे शिक्षा देबऽ लगलाह आ शुभ समाचार
सुनाबऽ लगलाह।

2 जखन बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना
जहल मे मसीहक काजक चर्चा सुनलनि
तँ ओ अपन शिष्य सभ केँ यीशु लग ई
पुछबाक लेल पठौलथिन जे, 3"ओ जे
आबऽ वला छलाह, से की अहीं छी वा
हम सभ दोसराक बाट ताकू?"

4 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन,
"जे किछु अहाँ सभ सुनैत छी आ देखैत
छी, से सभ बात यूहन्ना केँ जा कऽ सुना
दिऔन— 5आन्हर सभ देखि रहल अछि,
नाङड़ सभ चलि-फिरि रहल अछि, कुष्ठ-
रोगी सभ स्वस्थ कयल जा रहल अछि,
बहीर सभ सुनि रहल अछि, मुइल सभ
जिआओल जा रहल अछि आ असहाय
सभ केँ शुभ समाचार सुनाओल जा रहल
छैक। 6धन्य अछि ओ जे हमरा कारणेँ
अपना विश्वास केँ नहि छोड़ैत अछि।"

7 यूहन्नाक शिष्य सभ जखन घूमि कऽ
जा रहल छलाह तँ यीशु यूहन्नाक बारे मे
भीड़क संग बात करैत पुछलथिन, "अहाँ
सभ निर्जन क्षेत्र मे की देखबाक लेल
गेल छलहुँ? हवा मे हिलैत खड़ही केँ?
8तखन की देखऽ लेल निकलल छलहुँ?
बढ़ियाँ-बढ़ियाँ वस्त्र पहिरने कोनो मनुष्य
केँ? बढ़ियाँ वस्त्र पहिरऽ वला सभ तँ
राजभवन मे भेटैत अछि। 9तखन फेर,
अहाँ सभ की देखबाक लेल गेल छलहुँ?
की परमेश्वरक प्रवक्ता केँ? हँ, हम
अहाँ सभ केँ कहैत छी जे प्रवक्तो सँ पैघ
व्यक्ति केँ देखलहुँ।

10 "ई वैह दूत छथि जिनका सम्बन्ध मे
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,

प्रभु कहैत छथि,
'देखू, अहाँ सँ पहिने हम अपन दूत
पठायब,
जे अहाँक आगाँ-आगाँ अहाँक बाट
तैयार करत।'*

10:38 अक्षरशः "जे केओ अपन क्रूस उठा कऽ..." **11:10** मला 3.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

11 “हम अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी जे
मनुष्य सभ मे बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना
सँ पैघ केओ कहियो जन्म नहि लेने अछि,
तैयो स्वर्गक राज्य मे जे सभ सँ छोट अछि
से हुनका सँ पैघ अछि। **12** यूहन्नाक समय
सँ लऽ कऽ आइ धरि स्वर्गक राज्य जोर-
तोड़ सँ आगाँ बढ़ि रहल अछि; लोक
सभ रेड़म-रेड़ा कऽ कऽ स्वर्गक राज्य
पर अधिकार कऽ रहल अछि। **13** किएक
तँ परमेश्वरक सभ प्रवक्ता लोकनिक
लेख आ धर्म-नियम सेहो यूहन्नाक समय
धरि स्वर्गक राज्यक भविष्यवाणी कयने
अछि। **14** आ जँ अहाँ सभ ई बात स्वीकार
करबाक लेल तैयार छी, तँ सुनू, यूहन्ना
ओ एलियाह छथि, जे फेर आबऽ वला
छलाह। **15** जकरा कान छैक, से सुनओ।

16 “हम एहि पीढ़ीक लोकक तुलना कोन
बात सँ करू? ई सभ तँ चौक-चौराहा पर
खेलनिहार बच्चा सभ जकाँ अछि, जे एक-
दोसर कैँ सोर पारि कऽ कहैत अछि जे,

17 ‘हम सभ तँ तोरा सभक लेल बाँसुरी
बजौलिऔ, मुदा तोँ सभ नचलें
नहि।
हम सभ विलाप कयलिऔ, मुदा तोँ
सभ छाती पिटलें नहि।’

18 “यूहन्ना लोक सभ जकाँ खाइत-
पिबैत नहि अयलाह तँ अहाँ सभ कहैत
छी जे, ओकरा मे दुष्टात्मा छैक।
19 मनुष्य-पुत्र खाइत-पिबैत आयल तँ
अहाँ सभ कहैत छी जे, ‘यैह देखू, पेटू आ
पिअक्कड़, कर असूल करऽ वला और
पापी सभक संगी!’ मुदा परमेश्वरक
बुद्धि ठीक अछि, से बात ओहि बुद्धिक
काजे सभ सँ प्रमाणित होइत अछि।”

अविश्वासी नगर सभ कैँ धिक्कार

(लूका 10.13-15)

20 तकरबाद यीशु ओहि नगर सभ कैँ,
जाहि मे ओ सभ सँ बेसी चमत्कार वला
काज सभ कयने छलाह, तकरा सभ कैँ
धिक्कारऽ लगलथिन, कारण, ओहि
नगरक निवासी सभ अपना पापक लेल
पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन नहि
कयने छल। **21** “है खुराजीन नगर, तोरा
धिक्कार छौक! है बेतसैदा नगर, तोरा
धिक्कार छौक! किएक तँ जे चमत्कार
सभ तोरा सभक बीच कयल गेल, से जँ
सूर आ सीदोन नगर मे कयल गेल रहैत
तँ ओ सभ बहुत पहिनहि चट्टी ओढ़ि
छाउर पर बैसि कऽ हृदय-परिवर्तन कऽ
लेने रहैत। **22** हम तोरा सभ कैँ कहैत
छिऔक जे, न्यायक दिन मे तोरा
सभक अपेक्षा सूर आ सीदोन नगरक
दशा सहबा जोगरक रहतैक। **23** आ तोँ,
है कफरनहूम नगर! की तोँ स्वर्ग तक
उठाओल जयबेँ? नहि, तोँ तँ पाताल* मे
खसाओल जयबेँ। कारण, जे चमत्कार
सभ तोरा सभक बीच कयल गेल, से जँ
सदोम नगर मे कयल गेल रहैत तँ ओ
आइ धरि कायम रहैत। **24** तैयो हम तोरा
कहैत छिऔक जे न्यायक दिन मे तोहर
दशाक अपेक्षा सदोमक दशा सहबा
जोगरक रहतैक।”

थाकल सभक लेल विश्राम

25 यीशु ओही समय मे कहलनि, “हे
पिता, स्वर्ग आ पृथ्वीक मालिक, हम
अहाँ कैँ एहि लेल धन्यवाद दैत छी जे

11:23 मूल मे, “हेडीस”, अर्थात्, मरल सभक वास-स्थान

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहाँ ई बात सभ बुद्धिमान और विद्वान
सभ सँ नुका कऽ रखलहुँ, मुदा बच्चा
सभ पर प्रगट कयलहुँ। 26हँ पिता, कारण,
अहाँ कैँ एही बात सँ प्रसन्नता भेल।

27 "हमरा पिता द्वारा सभ किछु हमरा
हाथ मे सौंपल गेल अछि। पिता कैँ छोड़ि
पुत्र कैँ आओर केओ नहि चिन्हैत अछि,
आ तहिना पुत्र कैँ छोड़ि पिता कैँ आओर
केओ नहि चिन्हैत छनि; हँ, मात्र पुत्र और
जकरा सभ पर पुत्र हुनका प्रगट करऽ
चाहय, से चिन्हैत छनि।

28 "हे थाकल आ बोझ सँ पिचायल
लोक सभ, हमरा लग आउ। हम अहाँ सभ
कैँ विश्राम देब। 29हमर जुआ अपना उपर
उठा लिअ आ हमरा सँ सिखू, किएक तँ
हम स्वभाव सँ नम्र आ दयालु छी। अहाँ
सभ अपना आत्माक लेल विश्राम पायब।
30कारण, हमर जुआ आसान अछि आ
हमर भार हल्लुक।"

यीशु—विश्राम दिनक मालिक

(मरकुस 2.23-28; 3.1-6; लूका 6.1-11)

12 करीब ओही समय मे यीशु
विश्राम-दिन कऽ अपन शिष्य
सभक संग खेत दऽ कऽ जा रहल छलाह।
हुनका शिष्य सभ कैँ भूख लगलनि तँ ओ
सभ अन्नक बालि तोड़ि-तोड़ि कऽ खाय
लगलाह। 2ई देखि फरिसी सभ यीशु कैँ
कहलथिन, "देखू, अहाँक शिष्य सभ ओ
काज कऽ रहल अछि जे विश्राम-दिन मे
करब धर्म-नियमक अनुसार मना अछि।"

3 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन,
"की अहाँ सभ नहि पढ़ने छी जे दाऊद आ
हुनकर संगी सभ जखन भुखायल छलाह
तँ ओ की कयलनि? 4ओ परमेश्वरक
भवन मे प्रवेश कयलनि आ अपना संगी
सभक संग परमेश्वर कैँ चढ़ाओल रोटी
खयलनि, जकरा खायब हुनका सभक
लेल मना छल, कारण खयबाक अधिकार
मात्र पुरोहिते कैँ छलनि। 5अथवा की
अहाँ सभ धर्म-नियम मे नहि पढ़ने छी
जे पुरोहित मन्दिर मे विश्राम-दिन कऽ
मन्दिरक काज सभ कऽ कऽ विश्राम-
दिनक आज्ञा कैँ तोड़ैत छथि आ तैयो
निर्दोष रहैत छथि? 6हम अहाँ सभ कैँ
कहैत छी जे एतऽ केओ एहन अछि*
जे मन्दिरो सँ पैघ अछि। 7की अहाँ सभ
धर्मशास्त्र मे लिखल परमेश्वरक बात नहि
बुझैत छी जतऽ कहैत छथि जे, 'हम अहाँ
सभक द्वारा अर्पित चढ़ौना वा बलि-प्रदान
नहि चाहैत छी, बल्कि अहाँ सभ दयालु
बनू, से चाहैत छी।'*? ई जँ बुझितहुँ
तँ निर्दोष कैँ दोषी नहि कहने रहितहुँ।
8किएक तँ मनुष्य-पुत्र विश्रामो-दिनक
मालिक छथि।"

9 ओतऽ सँ आगाँ बढ़ि यीशु हुनका
सभक सभाघर मे गेलाह। 10ओहिठाम
एक व्यक्ति छल, जकर एकटा हाथ
सुखायल छलैक। फरिसी सभ यीशु पर
दोष लगयबाक उद्देश्य राखि हुनका
सँ प्रश्न कयलनि जे, "की विश्राम-दिन
मे रोगी कैँ स्वस्थ करब धर्म-नियमक
अनुसार उचित अछि?" 11यीशु हुनका
सभ कैँ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ मे एहन
के छी, जकरा लग एकटा भेँड़ा होइक
आ ओ विश्राम-दिन कऽ जँ खधिया मे
खसि पड़ैक तँ ओकरा पकड़ि कऽ बाहर
नहि निकालब? 12आ भेँड़ा सँ मनुष्य

12:6 वा, "एतऽ किछु एहन अछि" **12:7** होशे 6.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कतेक मूल्यवान अछि! तेँ विश्राम-दिन
मे भलाइक काज करब उचित अछि।”
13तकरबाद यीशु ओहि व्यक्ति केँ
कहलथिन, “अपन हाथ बढ़ाबह।” ओ
हाथ बढ़ौलक आ ओकर हाथ दोसर हाथ
जकाँ एकदम ठीक भऽ गेलैक। 14एहि पर
फरिसी सभ बाहर चल गेलाह आ यीशु
केँ कोना मारल जाय, तकर षड्यन्त्र रचऽ
लगलाह।

यीशु—परमेश्वर द्वारा चुनल सेवक

15 मुदा यीशु से बात बुझि ओतऽ सँ
चल गेलाह। बहुतो लोक हुनका पाछाँ
भऽ गेलनि आ यीशु सभ रोगी केँ स्वस्थ
कऽ देलथिन। 16ओ ओकरा सभ केँ
कड़गर आदेश देलथिन जे, “हमरा बारे
मे प्रचार नहि करिहह।” 17ई एहि लेल
भेल जे परमेश्वरक ई वचन पूर्ण होअय जे
ओ अपन प्रवक्ता यशायाहक माध्यम सँ
कहने छलाह—

18 “हमर सेवक केँ देखू, जिनका हम
चुनने छी,
हमरा लेल अति प्रिय, जिनका सँ
हमर मोन प्रसन्न अछि।
हम हुनका अपन आत्मा देबनि,
आ ओ सभ जातिक लोकक लेल
न्यायसंगत फैसला सुनौताह।
19 ने ओ कोनो तरहक विवाद करताह
आ ने चिचिअयताह,
आ ने हुनकर जोर सँ बजबाक
आवाज रस्ता पर ककरो सुनाइ
देतैक।
20 ओ थुरायल खड़ही केँ नहि तोड़ताह,
आ ने झपलाइत दीप केँ मिझौताह,
जाबत तक न्याय केँ विजयी नहि
कऽ देताह।
21 पृथ्वीक सभ जातिक लोक हुनके पर
आशा राखत।”*

परमेश्वरक शक्ति सँ वा शैतानक?

(मरकुस 3.20-30; लूका 11.14-23)

22 तखन लोक सभ दुष्टात्मा सँ ग्रसित
एक आदमी केँ, जे आन्हर आ बौक छल,
तकरा यीशु लग अनलकनि। यीशु ओकरा
स्वस्थ कऽ देलथिन और ओ तखने बाजऽ
आ देखऽ लागल। 23एहि पर ओतऽ जमा
भेल लोकक भीड़ आश्चर्यित भऽ कहऽ
लागल जे, “कतौ ई दाऊदक पुत्र* तँ नहि
छथि?!”

24 मुदा फरिसी सभ जखन लोकक ई
बात सुनलनि तँ ओ सभ कहऽ लगलाह,
“ओ तँ मात्र दुष्टात्मा सभक मुखिया
बालजबूलक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ केँ
निकालैत अछि।”

25 यीशु हुनकर सभक मोनक विचार
जानि कहलथिन, “जाहि राज्य मे फूट
पड़ि जाय से नष्ट भऽ जायत, आ जाहि
नगर वा घर मे फूट भऽ जाय से नहि
टिकत। 26जँ शैताने शैतान केँ निकालऽ
लागत तँ मतलब भेल जे ओकरा मे फूट
भऽ गेलैक, तखन ओकर राज्य कोना
टिकल रहतैक? 27ठीक अछि, जँ हम
बालजबूलक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ केँ
निकालैत छी तँ अहाँ सभक लोक ककरा
शक्ति सँ निकालैत अछि? वैह सभ अहाँ
सभक फैसला करत। 28मुदा जँ हम

12:21 यशा 42.1-4 **12:23** “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक आत्माक शक्ति सँ दुष्टात्मा
सभ कैँ निकालैत छी तँ परमेश्वरक राज्य
अहाँ सभक बीच आबि गेल अछि, से
जानि लिअ।
29 "वा कोनो डकैत, बलगर आदमीक
घर मे पैसि कऽ जाबत तक ओ ओकरा
बान्हि कऽ काबू मे नहि कऽ लेत, की
ताबत तक ओकर सम्पत्ति लुटि कऽ लऽ
जा सकत? बान्हि कऽ काबू मे कयलाक
बादे ओकरा लुटि सकैत अछि।
30 "जे केओ हमरा संग नहि अछि, से
हमरा विरोध मे अछि। आ जे केओ हमरा
संग जमा नहि करैत अछि, से छिड़िअबैत
अछि। **31** तेँ हम अहाँ सभ कैँ कहि दैत
छी जे मनुष्यक सभ तरहक पाप आ
निन्दाक बात क्षमा कयल जयतैक मुदा
पवित्र आत्माक विरोध मे कयल निन्दाक
बात क्षमा नहि कयल जयतैक। **32** मनुष्य-
पुत्रक विरोध मे जँ केओ किछु बाजत,
तँ ओकरा क्षमा कयल जयतैक। मुदा जँ
केओ पवित्र आत्माक विरोध मे बाजत,
तँ ओकरा ने एहि युग मे आ ने आबऽ वला
युग मे क्षमा भेटतैक।
33 "कोनो गाछ कैँ नीक बुझैत छी तँ
ओकर फल कैँ सेहो नीक बुझू, अथवा
ओकरा खराब बुझैत छी तँ ओकर फल
कैँ सेहो खराब बुझू, किएक तँ गाछ
अपन फले सँ चिन्हल जाइत अछि।
34 "हे साँपक सन्तान सभ, अहाँ सभ
दुष्ट भऽ नीक बात बाजि कोना सकैत
छी? कारण, जे किछु ककरो हृदय मे
भरल अछि, सैह मुँह सँ बहराइत छैक।
35 नीक मनुष्यक मोन मे नीके बातक
भण्डार रहैत छैक आ ओ अपन भण्डार
मे सँ नीक वस्तु सभ बाहर करैत अछि।
अधलाह मनुष्यक मोन मे अधलाहे बातक
भण्डार रहैत छैक आ ओ अपन भण्डार मे
सँ अधलाह वस्तु सभ बाहर करैत अछि।
36 हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी, मनुष्य जे
कोनो व्यर्थक बात बाजत, न्यायक दिन
मे ओकरा तकर हिसाब देबऽ पड़तैक,
37 किएक तँ अहाँ अपन कहल बातक
द्वारा निर्दोष और अपन कहल बातक द्वारा
दोषी ठहराओल जायब।"

चमत्कारक माँग

(मरकुस 8.11-12; लूका 11.29-32)

38 एहि पर किछु धर्मशिक्षक आ
फरिसी सभ यीशु कैँ कहलथिन, "यौ
गुरुजी, हम सभ अहाँ सँ कोनो चमत्कार
वला चिन्ह देखऽ चाहैत छी।" **39** यीशु
उत्तर देलथिन, "एहि पीढ़ीक लोक सभ
कतेक दुष्ट आ विश्वासघाती अछि जे
चमत्कारपूर्ण चिन्ह मँगैत अछि! मुदा जे
घटना परमेश्वरक प्रवक्ता योनाक संग
भेल छलनि, से चिन्ह छोड़ि एकरा सभ
कैँ आओर कोनो चिन्ह नहि देखाओल
जयतैक। **40** जाहि तरहेँ योना तीन दिन आ
तीन राति विशाल माछक पेट मे रहलाह,
तहिना मनुष्य-पुत्र तीन दिन आ तीन राति
पृथ्वीक पेट मे रहत। **41** निनवे नगरक
लोक सभ न्यायक दिन मे एहि पीढ़ीक
लोकक संग ठाढ़ भऽ एकरा सभ कैँ दोषी
ठहराओत, किएक तँ निनवे नगरक लोक
सभ योनाक प्रचारक बात सुनि अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-
परिवर्तन कयलक, आ देखू, एतऽ एखन
केओ एहन अछि* जे योनो सँ महान्

12:41 वा, "एतऽ एखन किछु अछि"। तहिना पद 42 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि। [42]न्यायक दिन मे दक्षिण देशक
रानी एहि पीढ़ीक लोकक संग ठाढ़ भऽ
एकरा सभ कैँ दोषी ठहरौतीह, किएक तँ
ओ सुलेमान राजाक बुद्धिक बात सुनबाक
लेल पृथ्वीक दोसर कात सँ अयलीह, आ
देखू, एतऽ एखन केओ अछि जे सुलेमानो
सँ महान् अछि।

खाली हृदय शैतानक वास

(लूका 11.24-26)

43 "दुष्टात्मा* जखन कोनो मनुष्य मे
सँ बहरा जाइत अछि तँ ओ निर्जन-स्थान
मे आराम करबाक स्थानक खोज मे
घुमैत रहैत अछि, मुदा ओकरा भेटैत नहि
छैक। [44]तखन ओ कहैत अछि जे, 'हम
अपन पहिलुके घर मे, जतऽ सँ बहरा कऽ
आयल छलहुँ, ततहि फेर जायब।' तँ ओ
जखन ओहिठाम पहुँचैत अछि तँ देखैत
अछि जे ओहि घर मे केओ नहि अछि,
घर झाड़ल-बहारल अछि, आ सभ वस्तु
ढंग सँ राखल अछि। [45]तखन ओ जा कऽ
अपनो सँ दुष्टाह सातटा आरो दुष्टात्मा कैँ
अपना संग लऽ अनैत अछि आ ओहि घर
मे अपन डेरा खसा लैत अछि। एहि तरहेँ
ओहि मनुष्यक ई दशा पहिलुको दशा सँ
खराब भऽ जाइत छैक। एहि भ्रष्ट पीढ़ीक
लोकक संग सेहो तहिना होयतैक।"

असली सम्बन्ध

(मरकुस 3.31-35; लूका 8.19-21)

46 यीशु लोकक भीड़ सँ बात करिते
छलाह कि हुनकर माय आ भाय सभ
ओतऽ पहुँचलाह आ हुनका सँ गप्प
करबाक लेल बाहर ठाढ़ रहलाह।
[47]केओ यीशु कैँ कहलकनि जे, "देखू,
अहाँक माय आ भाय सभ बाहर ठाढ़
छथि आ अहाँ सँ बात करऽ चाहैत
छथि।" [48]यीशु ओकरा उत्तर देलथिन,
"के छथि हमर माय? के सभ छथि हमर
भाय?" [49]तखन अपना शिष्य सभक दिस
हाथ सँ इसारा करैत कहलनि, "देखू, यैह
सभ हमर माय आ हमर भाय सभ छथि।
[50]जे केओ हमर पिता, जे स्वर्ग मे छथि,
तिनकर इच्छाक अनुसार चलैत छथि,
वैह हमर भाय, हमर बहिन, हमर माय
छथि।"

बीया बाउग करऽ वला किसानक दृष्टान्त

(मरकुस 4.1-9; लूका 8.4-8)

13 ओही दिन यीशु घर सँ बहरा
कऽ झीलक कछेर पर जा कऽ
बैसलाह। [2]हुनका लग लोकक एतेक
विशाल भीड़ आबि कऽ जमा भऽ गेल
जे ओ नाव पर चढ़ि कऽ बैसलाह आ
लोकक भीड़ झीलक कछेर पर ठाढ़
रहल। [3]यीशु विभिन्न तरहक दृष्टान्त
सभक द्वारा लोक सभ कैँ बहुतो बात सभ
कहलथिन।

ओ कहलथिन, "एक किसान बीया
बाउग करबाक लेल गेल। [4]बीया बाउग
करैत काल किछु बीया रस्ताक कात मे
खसल आ चिड़ै सभ आबि ओकरा खा
लेलकैक। [5]किछु बीया पथराह जमीन
पर खसल जतऽ बेसी माटि नहि होयबाक
कारणेँ ओ जल्दी जनमि गेल। [6]मुदा रौद
लगिते ओ झरकि गेल आ जड़ि नहि
पकड़ि सकबाक कारणेँ सुखा गेल। [7]फेर

12:43 मूल मे, "अशुद्ध आत्मा"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दोसर बीया काँट-कुशक बीच मे खसल
मुदा काँट-कुश बढ़ि कऽ ओकरा दबा
देलकैक। [8]किछु बीया नीक जमीन पर
पड़ल आ फड़ल-फुलायल, कोनो सय
गुना फसिल देलक, कोनो साठि गुना आ
कोनो तीस गुना। [9]जकरा कान होइक, से
सुनओ।”

दृष्टान्त देबाक कारण

(मरकुस 4.10-12; लूका 8.9-10)

10 यीशुक शिष्य सभ हुनका लग आबि
कऽ पुछलथिन, “अहाँ लोक सभ सँ
दृष्टान्त सभ मे किएक बात करैत छी?”
[11]यीशु उत्तर देलथिन, “स्वर्गक राज्य जे
अछि तकर रहस्यक ज्ञान तँ अहाँ सभ
कैँ देल गेल अछि, मुदा एकरा सभ कैँ
नहि देल गेल छैक। [12]तेँ जकरा छैक
तकरा आओर देल जयतैक आ ओकरा
लग बहुते भऽ जयतैक। मुदा जकरा नहि
छैक तकरा सँ जेहो छैक सेहो लऽ लेल
जयतैक। [13]हम एकरा सभ सँ दृष्टान्त
सभ मे एहि लेल बात करैत छी जे,

‘ई सभ तकितो देखैत नहि अछि;
आ सुनितो ने सुनैत अछि आ ने
बुझैत अछि।’

[14]एकरा सभ मे यशायाहक ई भविष्यवाणी
पूरा होइत अछि जे,

‘तोँ सभ सुनैत तँ रहबह मुदा बुझबह
नहि,
तोँ सभ देखैत तँ रहबह मुदा देखाइ
देतह नहि।’

[15] ‘कारण, एहि लोक सभक मोन मे
ठेला पड़ि गेल छैक,
ई सभ कान सँ उच्च सुनैत अछि,
ई सभ अपन आँखि मुनि लेने अछि,
जाहि सँ कतौ एना नहि होअय जे
आँखि सँ देखय,
कान सँ सुनय,
मोन सँ बुझय,
आ घूमि कऽ हमरा लग आबय,
आ हम ओकरा सभ कैँ स्वस्थ कऽ
दिऐक।’ *

16 “मुदा धन्य छी अहाँ सभ जे आँखि
सँ देखैत छी आ कान सँ सुनैत छी।
[17]हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे,
अपना समय मे परमेश्वरक एहन बहुतो
प्रवक्ता आ धार्मिक लोक सभ रहथि
जे सभ चाहलनि जे, जाहि बात सभ कैँ
अहाँ सभ देखि रहल छी, तकरा देखी,
मुदा नहि देखलनि; और जाहि बात सभ
कैँ अहाँ सभ सुनि रहल छी, से सुनी, मुदा
नहि सुनलनि।

दृष्टान्तक अर्थ

(मरकुस 4.13-20; लूका 8.11-15)

18 “आब अहाँ सभ बाउग कयनिहार
वला दृष्टान्तक अर्थ सुनू। [19]जखन
केओ परमेश्वरक राज्यक शुभ समाचार
सुनैत अछि मुदा बुझैत नहि अछि, तखन
शैतान आबि कऽ जे किछु ओकरा हृदय मे
बाउग कयल गेल रहैत अछि से ओकरा
सँ छिनि कऽ लऽ लैत अछि। ई वैह बीया
भेल जे रस्ताक कात मे बाउग कयल गेल
छल। [20]पथराह जमीन पर बाउग कयल
बीया ओ व्यक्ति भेल जे परमेश्वरक शुभ
समाचार सुनि कऽ तुरत आनन्दपूर्बक
ओकरा ग्रहण कऽ लैत अछि, [21]मुदा ओ
वचन ओकरा मे जड़ि नहि पकड़ैत छैक

13:15 यशा 6.9, 10

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आ ओ कनेके काल स्थिर रहैत अछि।
जखन शुभ समाचारक कारणेँ ओकरा
कष्ट सहऽ पड़ैत छैक वा ओकरा संग
अत्याचार होमऽ लगैत छैक तँ ओ तुरत
विश्वास केँ छोड़ि दैत अछि। 22काँट-
कुशक बीच खसल बीया ओ मनुष्य
भेल जे शुभ समाचार केँ सुनैत अछि मुदा
सांसारिक चिन्ता आ धन-सम्पत्तिक मोह-
माया ओहि शुभ समाचार केँ दबा दैत
छैक और ओ वचन ओकरा जीवन मे
कोनो फल नहि दैत अछि। 23नीक जमीन
मे बाउग कयल बीया ओ सभ अछि जे
सभ शुभ समाचार सुनैत अछि और बुझैत
अछि। ओ फड़ि-फुला कऽ फसिल दैत
अछि, केओ सय गुना, केओ साठि गुना
आ केओ तीस गुना।"

जंगली बीयाक दृष्टान्त

24 यीशु लोक सभक समक्ष दोसर
दृष्टान्त रखलनि जे, "स्वर्गक राज्यक
तुलना ओहि मनुष्य सँ कयल जा सकैत
अछि जे अपना खेत मे नीक बीया बाउग
कयलनि। 25मुदा जखन सभ केओ सुति
रहल छल तखन हुनकर दुश्मन अयलनि
आ ओहि बाउग कयल गहुमक खेत
मे जंगली बीया बाउग कऽ चल गेल।
26जखन बाउग कयल गहुमक बीया
जनमल आ ओहि मे बालि निकलल तखन
जंगलिआ घास सेहो देखाइ देलक। 27ई
देखि नोकर सभ मालिक केँ कहलकनि,
'मालिक, की अपने अपना खेत मे बढ़ियाँ
बीया बाउग नहि कयने छलहुँ? तँ एहि
मे जंगलिआ घास कतऽ सँ आबि गेल?'
28मालिक कहलथिन, 'ई कोनो दुश्मनक
काज अछि!' नोकर सभ कहलकनि,
'तँ की, ओकरा उखाड़ि दिऐक?' 29ओ
कहलथिन, 'नहि। कतौ एना नहि भऽ
जाओ जे जंगलिआ घास उखाड़ैत काल
तोँ सभ गहुमोक गाछ सभ केँ उखाड़ि
दहक। 30गहुम कटयबाक समय तक
दूनू केँ संग-संग बढ़ऽ दहक। कटनी
करयबाक समय मे हम कटनिहार सभ केँ
कहबैक जे, पहिने जंगलिआ घासक गाछ
सभ केँ जमा कऽ कऽ जरयबाक लेल
बोझ बान्हि लैह, तखन गहुम केँ हमरा
बखारी मे जमा करह।' "

सरिसोक दानाक दृष्टान्त

(मरकुस 4.30-32; लूका 13.18-19)

31 यीशु लोक सभ केँ एक आओर
दृष्टान्त दैत कहलथिन, "स्वर्गक राज्य
सरिसोक दाना जकाँ अछि, जकरा केओ
लेलक आ अपना खेत मे बाउग कऽ
देलक। 32दाना सभ मे सरिसोक दाना
सभ सँ छोट होइत अछि मुदा जनमि कऽ
बढ़लाक बाद सभ साग-पात सँ पैघ भऽ
तेहन गाछ भऽ जाइत अछि जे आकाशक
चिड़ै सभ आबि कऽ ओकरा ठाढ़ि-पात मे
अपन खोंता बना लैत अछि।"

रोटी फुलाबऽ वला खमीरक दृष्टान्त

(लूका 13.20-21)

33 यीशु एकटा आओर दृष्टान्त ओकरा
सभ केँ देलथिन—"स्वर्गक राज्य रोटी
फुलाबऽ वला खमीर जकाँ अछि, जकरा
एक स्त्री तीन पसेरी आँटा मे मिला कऽ
सनलक; बाद मे खमीरक शक्ति सँ पूरा
आँटा फुलि गेलैक।"

34 यीशु अपना लग जमा भेल लोकक
भीड़ केँ ई सभ बात दृष्टान्त दऽ-दऽ कऽ
कहलथिन। बिनु दृष्टान्त देने ओ ओकरा
सभ केँ किछु नहि कहलथिन। 35ओ एहि

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लेल एना बात कयलनि जे परमेश्वरक
प्रवक्ता द्वारा कहल वचन पूरा होअय—
“हम दृष्टान्त सभ दऽ-दऽ कऽ
बाजब,
सृष्टिक आरम्भ सँ जे बात सभ
झाँपल छल से हम कहब।”*

जंगली बीयाक दृष्टान्तक अर्थ

36 तकरबाद यीशु लोकक भीड़ कैँ
छोड़ि कऽ घर मे चल अयलाह। शिष्य
सभ हुनका लग आबि कऽ कहलथिन,
“खेत मे बाउग कयल जंगलिआ बीयाक
दृष्टान्त वला बात कैँ हमरा सभ कैँ
बुझा दिअ।” **37** ओ हुनका सभ कैँ उत्तर
देलथिन, “नीक बीया बाउग कयनिहार
छथि मनुष्य-पुत्र। **38** खेत अछि संसार,
आ नीक बीया अछि परमेश्वरक राज्यक
सन्तान सभ। जंगलिआ बीया अछि दुष्ट
शैतानक सन्तान सभ। **39** जंगलिआ बीया
बाउग करऽ वला दुश्मन अछि शैतान।
कटनीक समय अछि संसारक अन्त आ
कटनी कयनिहार सभ छथि स्वर्गदूत सभ।
40 “जाहि तरहेँ जंगलिआ घास कैँ
जमा कऽ कऽ आगि मे जराओल जाइत
अछि तहिना संसारक अन्त मे सेहो कयल
जायत। **41** मनुष्य-पुत्र अपना स्वर्गदूत सभ
कैँ पठौताह आ ओ सभ हुनका राज्य मे
सँ सभ प्रकारक पाप मे फँसाबऽ वला
बात सभ कैँ उखाड़ि कऽ आ कुकर्मी
सभ कैँ जमा कऽ कऽ **42** आगिक भट्ठी मे
फेकि देताह, जतऽ लोक कानत आ दाँत
कटकटाओत। **43** तखन धर्मी सभ अपना
पिताक राज्य मे सूर्य जकाँ चमकताह।
जकरा कान होइक, से सुनओ।

गाड़ल धन आ बहुमूल्य मोतीक दृष्टान्त

44 “स्वर्गक राज्य खेत मे गाड़ल धन
जकाँ अछि, जकरा कोनो मनुष्य पौलक
आ फेर माटि सँ झाँपि देलक। ओ एतेक
खुश भेल जे ओ अपन सभ धन-सम्पत्ति
बेचि कऽ ओहि खेत कैँ किनि लेलक।
45 “फेर, स्वर्गक राज्य ओहि व्यापारी
सन अछि जे नीक मोतीक खोज मे छल।
46 जखन ओकरा एक बहुत बहुमूल्य मोती
भेटलैक तँ जा कऽ अपन सभ किछु बेचि
देलक आ ओहि मोती कैँ किनि लेलक।

महाजालक दृष्टान्त

47 “फेर दोसर दृष्टिएँ स्वर्गक राज्य
ओहि महाजाल सन अछि जे समुद्र मे
खसाओल गेल आ सभ प्रकारक माछ
ओहि मे घेरायल। **48** जखन जाल भरि गेल
तँ लोक सभ ओकरा कछेर पर अनलक
आ बैसि कऽ नीक माछ सभ कैँ डाली
मे जमा कयलक मुदा खराब माछ सभ
कैँ फेकि देलक। **49** एहि संसारक अन्त
मे सेहो एहिना होयतैक। स्वर्गदूत सभ
आबि कऽ दुष्ट सभ कैँ धर्मी सभ सँ
अलग करताह **50** आ आगिक भट्ठी मे
फेकि देताह, जतऽ लोक कानत आ दाँत
कटकटाओत।”
51 तखन यीशु शिष्य सभ सँ
पुछलथिन, “की अहाँ सभ ई बात सभ
बुझलहुँ?” ओ सभ उत्तर देलथिन, “हँ।”
52 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, “तेँ
प्रत्येक व्यक्ति जे धर्मशास्त्र कैँ बुझैत
अछि आ जे स्वर्गक राज्यक शिष्य बनल

13:35 भजन 78.2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि, से ओहि गृहस्थ जकाँ अछि जे
अपन भण्डार घर मे सँ नव आ पुरान
दूनू तरहक किमती वस्तु सभ निकालि
सकैत अछि।”

अपना गाम मे यीशुक निरादर

(मरकुस 6.1-6; लूका 4.16-30)

53 यीशु ई दृष्टान्त सभ देलाक बाद
ओतऽ सँ चल गेलाह। **54** ओ अपना गाम
मे आबि कऽ सभाघर मे लोक सभ कैँ
उपदेश देबऽ लगलाह। लोक सभ हुनकर
उपदेशक बात सभ सुनि आश्चर्यित भऽ
गेल आ बाजल जे, “एकरा एहि तरहक
बुद्धि आ चमत्कार करबाक सामर्थ्य कतऽ
सँ भेटलैक? **55** की ई लकड़ी मिस्तिरीक
बेटा नहि अछि? की एकर मायक नाम
मरियम नहि छैक? आ एकर भाय सभ
याकूब, यूसुफ, सिमोन, आ यहूदा नहि
अछि? **56** की एकर बहिन सभ अपना
सभक बीच नहि रहैत अछि? तखन
एकरा ई बात सभ भेटलैक कतऽ सँ?”
57 एहि तरहेँ लोक यीशु सँ डाह करऽ
लागल। तखन यीशु ओकरा सभ कैँ
कहलथिन, “मात्र अपने गाम आ अपने
घर मे परमेश्वरक प्रवक्ताक अनादर
होइत छैक।” **58** और ओकरा सभक
अविश्वासक कारणेँ यीशु ओतऽ बहुत
कम चमत्कार वला काज सभ कयलनि।

यीशुक सम्बन्ध मे हेरोदक अन्दाज

14 ओहि समय मे ओहि प्रदेशक
शासक हेरोद यीशुक काज
सभक चर्चा सुनलनि। **2** ओ अपन दरबारी
सभ कैँ कहलनि, “ई तँ बपतिस्मा देनिहार
यूहन्ना अछि! ओ मुइल सभ मे सँ जीबि
उठल अछि, आ तेँ चमत्कार करबाक
एहन सामर्थ्य ओकरा मे क्रियाशील
अछि।”

यूहन्नाक मृत्यु वला घटना

(मरकुस 6.14-29; लूका 9.7-9)

3 यूहन्ना हेरोद द्वारा कोना मरबाओल
गेल छलाह से घटना एहि प्रकारेँ
अछि—हेरोद अपन भाय फिलिपुसक स्त्री
हेरोदियासक कारणेँ यूहन्ना कैँ पकड़बा
कऽ बन्हबौने छलथिन आ जहल मे राखि
देने छलथिन, **4** किएक तँ यूहन्ना हेरोद कैँ
बेर-बेर कहने छलथिन जे, “अहाँ भायक
स्त्री कैँ राखि कऽ धर्म-नियमक आज्ञाक
उल्लंघन कऽ रहल छी।” **5** हेरोद यूहन्ना
कैँ मारि देबऽ चाहैत छलाह, मुदा ओ
लोक सभ सँ डेराइत छलाह, किएक तँ
लोक सभ यूहन्ना कैँ परमेश्वरक प्रवक्ता
मानैत छलनि।

6 मुदा जखन हेरोदक जन्म-दिन
अयलनि तँ हेरोदियासक बेटी अतिथि
सभक सामने नाँचि कऽ हेरोद कैँ ततेक
ने प्रसन्न कऽ देलकनि **7** जे ओ सपत
खाइत ओकरा वचन देलथिन जे, “तोँ
जे किछु हमरा सँ मँगबह, से हम तोरा
देबह।” **8** बच्चीक माय ओकरा सिखा-
पढ़ा कऽ कहबौलकैक जे, “हमरा
बपतिस्मा देनिहार यूहन्नाक मूड़ी एखने
थारी मे अनबा दिअ।” **9** ई सुनि राजा
उदास भऽ गेलाह, मुदा तैयो अपन सपत
आ उपस्थित आमन्त्रित सभक कारणेँ
ओ आज्ञा देलनि जे ओकर माँग पूरा
कयल जाय। **10** ओ सिपाही कैँ पठा कऽ
जहल मे यूहन्नाक मूड़ी कटबा देलथिन।
11 यूहन्नाक मूड़ी एकटा थारी मे आनल
गेल आ बच्ची कैँ दऽ देल गेलैक। ओ लऽ
कऽ चलि गेल और अपना माय कैँ दऽ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

देलकैक। 12यूहन्नाक शिष्य सभ अयलाह
आ अपन गुरुक लास लऽ जा कऽ कबर
मे राखि देलथिन। तकरबाद जा कऽ ई
समाचार यीशु कैँ सुनौलथिन।

पाँचटा रोटी आ पाँच हजार आदमीक भोजन

(मरकुस 6.30-44; लूका 9.10-17; यूहन्ना 6.1-14)

13 यीशु ई समाचार सुनि एकटा नाव
पर बैसि कऽ चुप-चाप कोनो एकान्त
स्थानक लेल विदा भऽ गेलाह। लोक सभ
जखन ई बात बुझलक तँ नगर-नगर सँ
बहुतो लोक पैदले हुनका पाछाँ विदा भऽ
गेल। 14यीशु जखन नाव सँ उतरलाह आ
लोकक बड़का भीड़ कैँ जमा देखलनि तँ
हुनका ओहि लोक सभ पर दया आबि
गेलनि और ओकरा सभ मे जे रोगी-बिमार
सभ छलैक तकरा सभ कैँ ओ स्वस्थ कऽ
देलथिन।

15 जखन साँझ पड़ऽ लागल तँ यीशुक
शिष्य सभ हुनका लग आबि कहलथिन,
“ई जगह बस्ती सँ दूर अछि आ साँझ
पड़ऽ वला अछि, तेँ एकरा सभ कैँ विदा
कऽ दिऔक जाहि सँ ई सभ लग-पासक
गाम सभ मे जा कऽ अपना लेल किछु
खयबाक वस्तु किनि सकत।” 16मुदा यीशु
शिष्य सभ कैँ उत्तर देलथिन, “एकरा सभ
कैँ एतऽ सँ पठयबाक कोनो आवश्यकता
नहि अछि। अहीं सभ एकरा सभ कैँ भोजन
करबिऔक।” 17शिष्य सभ कहलथिन,
“हमरा सभ लग, बस, पाँचेटा रोटी आ
दुइएटा माछ अछि।” 18यीशु कहलथिन,
“ओ सभ हमरा लग आनू।” 19तकरबाद
ओ लोक सभ कैँ घास पर बैसि जयबाक
आज्ञा देलथिन। ओहि पाँचटा रोटी आ दूटा
माछ कैँ ओ हाथ मे लेलनि और स्वर्ग दिस
तकैत परमेश्वर कैँ धन्यवाद देलनि। तखन
ओ रोटी कैँ तोड़ि-तोड़ि कऽ शिष्य सभ कैँ
देलथिन आ शिष्य सभ लोक सभ मे परसि
देलनि। 20सभ केओ भरि इच्छा भोजन
कयलक और शिष्य सभ जखन उबरल
टुकड़ा सभ बिछलनि तँ ओ बारह पथिया
भेल। 21भोजन करऽ वला मे स्त्रीगण
आ बच्चा सभ कैँ छोड़ि पुरुषक संख्या
लगभग पाँच हजार छल।

झीलक पानि पर यीशु चललाह

(मरकुस 6.45-52; यूहन्ना 6.15-21)

22 तकरबाद यीशु अपना शिष्य सभ कैँ
तुरत नाव पर चढ़ि कऽ अपना सँ पहिने
झीलक ओहि पार चल जयबाक लेल
आज्ञा देलथिन आ अपने ओतहि रहि कऽ
भीड़क लोक सभ कैँ विदा करऽ लगलाह।
23लोक सभ कैँ विदा कयलाक बाद ओ
एकान्त मे प्रार्थना करऽ लेल पहाड़ पर
चल गेलाह। साँझ पड़ि गेल छल आ ओ
ओतऽ एसगरे छलाह। 24शिष्य सभ जाहि
नाव पर गेल छलाह से कछेर सँ दूर पहुँचि
लहरि मे डगमग कऽ रहल छल, किएक तँ
हवा विपरीत दिस सँ बहि रहल छलैक।
25यीशु रातिक चारिम पहर मे झीलक
पानि पर चलैत शिष्य सभक दिस गेलाह।
26मुदा शिष्य सभ हुनका पानि पर चलैत
देखि घबड़ा गेलाह आ कहलनि जे,
“भूत अछि!” और डरक मारे चिचियाय
लगलाह। 27एहि पर यीशु हुनका सभ
कैँ तुरत कहलथिन, “साहस राखू! हम
छी, नहि डेराउ।” 28तखन पत्रुस हुनका
कहलथिन, “यौ प्रभु, जँ अहीं छी तँ हमरा
पानि पर चलैत अपना लग अयबाक आज्ञा
दिअ।” 29यीशु कहलथिन, “आउ।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तखन पत्रुस नाव सँ उतरि कऽ पानि पर
चलैत यीशुक दिस बढ़लाह। 30मुदा जखन
देखलनि जे हवा कतेक जोर सँ बहि रहल
अछि तँ डेरा गेलाह आ डुबऽ लगलाह।
ओ चिचियाइत बजलाह जे, “यौ प्रभु,
हमरा बचाउ!” 31यीशु तुरत हाथ बढ़ा कऽ
हुनका पकड़ि लेलथिन आ कहलथिन,
“अहाँक विश्वास एतेक कम किएक
भऽ गेल! अहाँ सन्देह किएक कयलहुँ?”
32तकरबाद जखन ओ सभ नाव पर चढ़ि
गेलाह तँ हवाक बहनाइ शान्त भऽ गेल।
33जे सभ नाव पर छलाह, से सभ हुनका
पयर पर खसैत कहलथिन, “निश्चय अहाँ
परमेश्वरक पुत्र छी।”

34 झील कैँ पार कऽ कऽ ओ सभ
गन्नेसरत क्षेत्र मे पहुँचलाह। 35ओहि-
ठामक लोक सभ जखन हुनका चिन्हि
लेलकनि तँ अपना लग-पासक इलाका
मे यीशुक पहुँचबाक समाचार पसारि
देलक। लोक सभ अपन सभ रोगी-
बिमार कैँ हुनका लग आनऽ लगलनि
36और हुनका सँ नेहोरा करऽ लगलनि
जे, “एकरा सभ कैँ अहाँ अपन कपड़ाक
खूटो छुबऽ दिऔक।” जे-जे रोगी-बिमार
सभ यीशुक कपड़ा छुबि लेलक से सभ
स्वस्थ भऽ गेल।

पूर्वजक चलन और शुद्धता-अशुद्धताक विषय

(मरकुस 7.1-23)

15 तकरबाद यरूशलेम सँ किछु
फरिसी आओर धर्मशिक्षक
सभ यीशु लग अयलाह आ कहलथिन,
2“अहाँक शिष्य सभ पुरखाक चलन सभ
कैँ किएक तोड़ैत अछि? ओ सभ भोजन
करऽ सँ पहिने विधिवत हाथ नहि धोइत
अछि।” 3यीशु उत्तर देलथिन, “और अहाँ
सभ अपन चलन सभक पालन करबाक
लेल परमेश्वरक आज्ञा कैँ किएक तोड़ैत
छी? 4देखू, परमेश्वर कहने छथि जे,
‘अपन माय-बाबूक आदर करह,’* आ
‘जे केओ अपन माय-बाबूक निन्दा करय
तकरा मृत्युदण्ड देल जाय।’* 5मुदा अहाँ
सभ कहैत छी जे, जँ केओ अपन बाबू
वा माय सँ कहत, ‘हम अहाँ सभ कैँ जे
किछु सहायता कऽ सकैत छलहुँ से हम
परमेश्वर कैँ अर्पण कऽ देने छी,’ 6तँ
ओकरा अपन माय-बाबूक सहायता कऽ
कऽ आदर करबाक कोनो आवश्यकता
नहि छैक। एहि तरहेँ अहाँ सभ अपन चलन
कैँ चलयबाक लेल परमेश्वरक आज्ञा कैँ
निरर्थक ठहरबैत छी। 7हे पाखण्डी सभ!
यशायाह अहाँ सभक सम्बन्ध मे एकदम
ठीक भविष्यवाणी कयलनि जे,

8 ‘ई सभ मुँह सँ हमर आदर करैत अछि,
मुदा एकर सभक हृदय हमरा सँ दूर
छैक।
9 ई सभ बेकार हमर उपासना करैत
अछि।
ई सभ जे शिक्षा दैत अछि, से मात्र
मनुष्यक बनाओल नियम सभ
अछि।’*”

10 यीशु भीड़क लोक कैँ अपना
लग बजा कऽ कहलथिन, “अहाँ सभ
सुनू आ बुझू। 11जे कोनो वस्तु मुँह मे
जाइत अछि, से मनुष्य कैँ अशुद्ध नहि
करैत अछि, बल्कि जे मुँह सँ बहराइत
अछि से ओकरा अशुद्ध करैत अछि।”

15:4 प्रस्थान 20.12; व्यव 5.16 **15:4** प्रस्थान 21.17; लेवी 20.9 **15:9** यशा 29.13

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

12एहि पर हुनकर शिष्य सभ हुनका
लग आबि कहलथिन, “अहाँ जे
कहलहुँ से फरिसी सभ कैँ बड्ड खराब
लगलनि, से अहाँ कैँ बुझल अछि?”
13यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन,
“प्रत्येक गाछ जे हमर स्वर्गीय पिता
नहि लगौने छथि, से जड़ि सँ उखाड़ल
जायत। 14छोड़ू ओकर सभक बात!
ओ सभ तँ अपने आन्हर अछि आ
आन्हर सभ कैँ बाट देखबैत अछि।*
आन्हरे जँ आन्हर कैँ बाट देखाओत तँ
दूनू अवश्य खधिया मे खसत।”

15 एहि पर पत्रुस कहलथिन, “एहि
दृष्टान्तक अर्थ हमरा सभ कैँ बुझा दिअ।”
16 यीशु कहलथिन, “की अहूँ सभ एखन
तक नहि बुझलहुँ? 17की अहाँ सभ नहि
बुझैत छी जे, जे किछु मुँह मे जाइत अछि
से पेट मे जा कऽ देह सँ बाहर भऽ जाइत
अछि? 18मुदा जे बात मुँह सँ बहराइत
अछि से हृदय सँ निकलि कऽ अबैत अछि
आ से मनुष्य कैँ अशुद्ध बनबैत अछि।
19कारण, हृदय सँ निकलैत अछि विभिन्न
तरहक गलत विचार, हत्या, परस्त्रीगमन,
अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध, चोरी, झूठ
गवाही, निन्दाक बात, 20आ यैह बात सभ
मनुष्य कैँ अशुद्ध करैत अछि, नहि कि बिनु
हाथ धोने भोजन करब, से।”

कनानी जातिक स्त्रीक विश्वास

(मरकुस 7.24-30)

21 ओतऽ सँ आगाँ बढ़ि यीशु सूर
आ सीदोन नगरक इलाका मे गेलाह।
22ओहिठामक एक कनानी स्त्री हुनका
लग आबि चिचियाय लगलनि जे, “हे
प्रभु, दाऊदक पुत्र*, हमरा पर दया करू!
हमरा बेटी कैँ दुष्टात्मा लागल छै। ओ
ओकरा बड्ड कष्ट दैत छैक।” 23मुदा
यीशु ओकरा कोनो उत्तर नहि देलथिन।
तखन हुनकर शिष्य सभ हुनका लग
आबि कऽ विनती कयलथिन जे, “एकरा
विदा कऽ दिऔक, ई तँ चिचियाइत-
चिचियाइत अपना सभक पाछाँ लागल
अछि।” 24यीशु कहलथिन, “हम तँ मात्र
इस्राएल वंशक हेरायल भेँड़ा सभक लेल
पठाओल गेल छी।” 25मुदा ओ स्त्री
यीशु लग आबि हुनका पयर पर खसि
पड़लनि आ कहलकनि, “प्रभु, हमरा पर
दया करू!” 26ओ उत्तर देलथिन, “बच्चा
सभक लेल जे रोटी अछि तकरा कुकुरक
आगाँ फेकि देब से ठीक बात नहि।”
27एहि पर स्त्री बाजल, “ठीक कहैत
छी प्रभु, मुदा कुकुरो सभ तँ मालिकक
टेबुल सँ खसल चुर-चार खाइते अछि।”
28तखन यीशु ओकरा कहलथिन, “हे
दाइ, तोहर विश्वास बड्ड पैघ छह!
जहिना तोँ चाहैत छह, तहिना तोरा लेल
होअह।” ओकर बच्ची तखने स्वस्थ भऽ
गेलैक।

यीशु—निराश सभक आशा

29 यीशु ओतऽ सँ विदा भऽ कऽ
गलील झीलक काते-कात चललाह।
तखन एक पहाड़ पर चढ़ि कऽ बैसि
रहलाह। 30झुण्डक-झुण्ड लोक हुनका

15:14 किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “ओ सभ तँ एहन बाट-देखौनिहार अछि जे स्वयं आन्हर अछि।” **15:22** “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द कैँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लग अयलनि। ओ सभ अपना संग
लुल्ह, आन्हर, नाङड़, बौक और बहुतो
दोसर तरहक बिमार लोक सभ कैँ लऽ
कऽ आयल आ यीशुक चरण मे राखि
देलकनि। यीशु ओहि सभ बिमार कैँ
स्वस्थ कऽ देलथिन। 31 जमा भेल लोक
सभ जखन देखलक जे बौक सभ बाजि
रहल अछि, लुल्ह सभ स्वस्थ भऽ गेल
अछि, नाङड़ सभ चलि रहल अछि आ
आन्हर सभ देखि रहल अछि तखन ओ
सभ आश्चर्यित भऽ इस्राएलक परमेश्वर
कैँ स्तुति करऽ लगलनि।

चारि हजार लोकक लेल भोजनक व्यवस्था

(मरकुस 8.1-10)

32 यीशु अपन शिष्य सभ कैँ बजा
कऽ कहलथिन, “हमरा एहि लोक सभ
पर दया अबैत अछि। ई सभ तीन दिन
सँ हमरा संग अछि आ एकरा सभ लग
भोजन करबाक लेल किछु नहि छैक।
हम एकरा सभ कैँ भूखले घर नहि पठाबऽ
चाहैत छी। कतौ एना नहि भऽ जाइक जे
ई सभ रस्ते मे भूखक मारे मुर्छित भऽ
जाय।”

33 शिष्य सभ कहलथिन, “एहि निर्जन
स्थान मे अपना सभ कैँ एतेक भोजनक
वस्तु कतऽ सँ भेटत जे अपना सभ
एतेकटा भीड़ कैँ भोजन करा सकबैक?”
34 यीशु हुनका सभ सँ पुछलथिन,
“अहाँ सभ लग कयटा रोटी अछि?”
ओ सभ कहलथिन, “सातटा, आ किछु
छोटकी माछ।” 35 यीशु लोक सभ कैँ
जमीन पर बैसि जयबाक लेल आदेश
देलथिन। 36 तकरबाद यीशु ओ सातो
रोटी आ माछ सभ लऽ कऽ परमेश्वर कैँ
धन्यवाद देलनि, तखन तोड़ि-तोड़ि कऽ
शिष्य सभ कैँ परसबाक लेल देलथिन।
शिष्य सभ ओकरा लोक सभ मे बाँटि
देलथिन। 37 सभ केओ भरि पेट भोजन
कयलक। भोजनक बाद शिष्य सभ
उबरल टुकड़ा सभ सात टोकरी मे भरि
कऽ जमा कयलनि। 38 भोजन करऽ वला
लोक मे स्त्रीगण आ बच्चा सभ कैँ छोड़ि
पुरुषक संख्या चारि हजार छल। 39 भोजन
करौलाक बाद लोकक भीड़ कैँ विदा कऽ
कऽ यीशु नाव पर चढ़ि कऽ मगदन क्षेत्र
चल गेलाह।

चमत्कार वला चिन्हक माँग

(मरकुस 8.11-13; लूका 12.54-56)

16 फरिसी आ सदुकी सभ
यीशु लग आबि कऽ आग्रह
कयलथिन जे, “हमरा सभ कैँ स्वर्ग सँ
कोनो चमत्कार वला चिन्ह देखाउ।”
ई बात ओ सभ हुनका जाँच करबाक
लेल कहलथिन। 2 ताहि पर यीशु हुनका
सभ कैँ उत्तर देलथिन, “साँझ पड़ला
पर आकाश कैँ लाल देखि अहाँ सभ
कहैत छी, ‘काल्हिक मौसम नीक रहत,’
3 और भोरखन कऽ आकाश कैँ लाल
आ झँपौन सन देखि कहैत छी जे, ‘आइ
अन्हड़-बिहारि आओत।’ अहाँ सभ
आकाश मे मौसमक लक्षण कैँ चिन्हऽ
जनैत छी, मुदा आइ-काल्हिक समय मे
अहाँ सभक सामने की भऽ रहल अछि,
से कोन बातक लक्षण अछि, तकरा नहि
चिन्हैत छी। 4 एहि पीढ़ीक लोक सभ
कतेक दुष्ट आ विश्वासघाती अछि जे
चमत्कार वला चिन्ह मँगैत अछि! मुदा
जे घटना परमेश्वरक प्रवक्ता योनाक संग
भेल छलनि, से चिन्ह छोड़ि एकरा सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैँ आओर कोनो चिन्ह नहि देखाओल
जयतैक।” एतेक बात कहि यीशु हुनका
सभ कैँ छोड़ि कऽ आगाँ बढ़ि गेलाह।

शिष्य सभ कैँ होसियार रहबाक आदेश

(मरकुस 8.14-21)

5 यीशुक शिष्य सभ जखन झील कैँ
पार कयलनि, तँ ओ सभ रोटी अननाइ
बिसरि गेल छलाह। [6]यीशु हुनका सभ
कैँ कहलथिन, “सावधान, फरिसी आ
सदुकी सभक रोटी फुलाबऽ वला खमीर
सँ होसियार रहू।” [7]शिष्य सभ एक-दोसर
सँ बात करऽ लगलाह जे, “अपना सभ
रोटी आनब बिसरि गेलहुँ, तेँ एना कहि
रहल छथि।” [8]यीशु हुनकर सभक बात
बुझि कहलथिन, “अहाँ सभक विश्वास
एतेक कमजोर किएक अछि? अहाँ सभ
आपस मे एहि पर बात किएक कऽ रहल
छी जे अपना सभ लग रोटी नहि अछि?
[9]की अहाँ सभ एखनो नहि बुझैत छी?
की ओ पाँच हजार लोक आ पाँच रोटी
वला बात, और ओहि दिन अहाँ सभ
उबरल टुकड़ा कतेक पथिया जमा कऽ
कऽ उठौने छलहुँ, से अहाँ सभ कैँ स्मरण
नहि अछि? [10]वा चारि हजार लोकक
लेल ओ सातटा रोटी, आ कतेक टोकरी
जमा कयलहुँ, से? [11]अहाँ सभ हमर
एहि बात कैँ बुझि किएक नहि रहल
छी जे, ‘फरिसी आ सदुकी सभक रोटी
फुलाबऽ वला खमीर सँ होसियार रहू,’
से बात हम रोटीक सम्बन्ध मे नहि कहने
छलहुँ?” [12]तखन शिष्य सभ कैँ बुझऽ मे
अयलनि जे यीशु रोटी फुलयबाक लेल
प्रयोग होमऽ वला खमीरक सम्बन्ध मे
नहि, बल्कि फरिसी आ सदुकी सभक
शिक्षा सँ होसियार रहबाक लेल कहने
छलाह।

यीशुक प्रश्न—“हम के छी?”

(मरकुस 8.27-30; लूका 9.18-21)

13 कैसरिया-फिलिप्पी क्षेत्र मे आबि
कऽ यीशु अपना शिष्य सभ कैँ पुछलथिन,
“मनुष्य-पुत्र के अछि, एहि सम्बन्ध मे
लोक सभ की कहैत अछि?” [14]ओ
सभ उत्तर देलथिन, “किछु लोक कहैत
अछि जे अहाँ बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना
छी, किछु लोक जे एलियाह छी, दोसर
लोक सभ जे यर्मियाह वा प्राचीन कालक
परमेश्वरक प्रवक्ता सभ मे सँ आओर
केओ छी, से कहैत अछि।” [15]यीशु
शिष्य सभ सँ पुछलथिन, “आ अहाँ सभ?
अहाँ सभ की कहैत छी जे हम के छी?”
[16]सिमोन पत्रुस उत्तर देलथिन, “अहाँ
उद्धारकर्ता-मसीह छी, जीवित परमेश्वरक
पुत्र छी।”

17 यीशु हुनका कहलथिन, “हे
सिमोन, योनाक पुत्र, अहाँ धन्य छी!
कारण, एहि बातक ज्ञान अहाँ कैँ कोनो
मनुष्य सँ नहि, बल्कि हमर पिता जे
स्वर्ग मे छथि, तिनका सँ भेटल। [18]हम
अहाँ कैँ कहैत छी जे, अहाँ ‘पत्रुस’ *
छी। हम एहि चट्टान पर अपन मण्डलीक
स्थापना करब आ मृत्युक सामर्थ्य *
एहि पर विजयी नहि होयत। [19]हम
अहाँ कैँ स्वर्गक राज्यक कुंजी देब। जे
किछु अहाँ पृथ्वी पर बान्हब से स्वर्ग

16:18 “पत्रुस”, जे पुरुषक नाम अछि, तकर अर्थ अछि “पाथर” वा “चट्टान”।
16:18 अक्षरशः “...आ ‘हेडीसक’ फाटक”, अर्थात्, “मरल सभक वास-स्थानक फाटक”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे बान्हल गेल रहत आ जे किछु अहाँ
पृथ्वी पर खोलब से स्वर्ग मे खोलल गेल
रहत।” [20]तकरबाद यीशु अपना शिष्य
सभ कैँ दृढ़तापूर्बक आदेश देलथिन जे,
“ई बात ककरो नहि कहिऔक जे हम
उद्धारकर्ता-मसीह छी।”

अपन मृत्यु आ जिआओल जयबाक सम्बन्ध मे यीशुक भविष्यवाणी

(मरकुस 8.31-33; लूका 9.22)

21 ओही दिन सँ यीशु अपना
शिष्य सभ कैँ स्पष्ट जानकारी देबऽ
लगलथिन जे, “ई आवश्यक अछि
जे हम यरूशलेम जाइ, ओतऽ बूढ़-
प्रतिष्ठित, मुख्यपुरोहित आ धर्मशिक्षक
सभ सँ हमरा बहुत कष्ट देल जाय, हम
जान सँ मारल जाइ, आ तेसर दिन हम
फेर जिआओल जाइ।” [22]ई बात सुनि
पत्रुस हुनका अलग बजा कऽ डँटैत
कहलथिन, “यौ प्रभु, परमेश्वर एना नहि
करथि! अहाँक संग एहन बात कहियो
नहि होयत!” [23]ताहि पर यीशु पत्रुस
कैँ कहलथिन, “हे शैतान, तोँ हमरा
सोझाँ सँ दूर होअह! हमरा लेल तोँ ठेस
लगबाक कारण छह। तोँ परमेश्वरक
विचार नहि, बल्कि मनुष्यक विचार
मोन मे रखैत छह।”

की बचायब, की गमायब?

(मरकुस 8.34–9.1; लूका 9.23-27)

24 तकरबाद यीशु अपना शिष्य सभ
कैँ कहलथिन, “जँ केओ हमर शिष्य
बनऽ चाहैत अछि, तँ ओ अपना कैँ
त्यागि हमरा कारणेँ दुःख उठयबाक
आ प्राणो देबाक लेल तैयार रहओ
आ * हमरा पाछाँ चलओ। [25]कारण,
जे केओ अपन जीवन बचाबऽ चाहैत
अछि, से ओकरा गमाओत, मुदा जे
केओ हमरा लेल अपन जीवन गमबैत
अछि, से ओकरा पाओत। [26]जँ कोनो
मनुष्य सम्पूर्ण संसार कैँ पाबि लय और
अपन आत्मा गमा लय, तँ ओकरा की
लाभ भेलैक? अथवा मनुष्य अपन
आत्माक बदला मे की दऽ सकत?
[27]किएक तँ मनुष्य-पुत्र अपन स्वर्गदूत
सभक संग अपना पिताक महिमा
मे आओत, तखन ओ प्रत्येक मनुष्य
कैँ ओकर काजक अनुसार प्रतिफल
देतैक। [28]हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत
छी जे, एतऽ किछु एहनो लोक सभ
ठाढ़ अछि जे जाबत तक मनुष्य-पुत्र
कैँ अपना राज्य मे अबैत नहि देखि लेत
ताबत तक नहि मरत।”

यीशुक रूपक परिवर्तन

(मरकुस 9.2-13; लूका 9.28-36)

17 छओ दिनक बाद यीशु अपना
संग पत्रुस, याकूब आ हुनकर
भाय यूहन्ना कैँ लऽ कऽ एक ऊँच पहाड़
पर एकान्त मे गेलाह। [2]हुनका सभक
सामने मे यीशुक रूप बदलि गेलनि।
हुनकर मुँह सूर्य जकाँ चमकऽ लगलनि
आ हुनकर वस्त्र इजोत सन उज्जर भऽ
गेलनि। [3]एकाएक शिष्य सभ कैँ मूसा
आ एलियाह यीशु सँ बात-चीत करैत
देखाइ देलथिन। [4]एहि पर पत्रुस यीशु
कैँ कहलथिन, “यौ प्रभु, हमरा सभक
लेल ई कतेक नीक बात अछि जे

16:24 अक्षरशः “अपना कैँ त्यागि अपन क्रूस उठाबओ आ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हम सभ एतऽ छी! जँ अपनेक आज्ञा
होअय तँ हम एहिठाम तीनटा मण्डप
बनायब—एकटा अपनेक लेल, एकटा
मूसाक लेल आ एकटा एलियाहक
लेल।” 5पत्रुस ई सभ बाजिए रहल
छलाह, तखने एकटा चमकैत मेघ आबि
हुनका सभ कैँ झाँपि देलकनि आ मेघ
मे सँ ई आवाज आयल जे, “ई हमर प्रिय
पुत्र छथि। हिनका सँ हम अति प्रसन्न
छी, हिनका बात पर ध्यान दिअ!”
6ई सुनि शिष्य सभ अति भयभीत भऽ
कऽ मुँहे भरेँ खसलाह। 7तखन लग
आबि यीशु हुनका सभ कैँ छुबि कऽ
कहलथिन, “उठू, नहि डेराउ।” 8ओ
सभ जखन अपन नजरि ऊपर उठौलनि
तँ ओतऽ यीशु कैँ छोड़ि आओर किनको
नहि देखलनि।

9 पहाड़ पर सँ नीचाँ उतरैत समय मे
यीशु शिष्य सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे,
“जाबत तक मनुष्य-पुत्र मृत्यु सँ फेर जीबि
कऽ नहि उठत ताबत तक जे बात अहाँ
सभ देखलहुँ से ककरो नहि कहिऔक।”
10एहि पर हुनकर शिष्य सभ हुनका सँ
पुछलथिन, “धर्मशिक्षक सभ किएक
कहैत छथि जे पहिने एलियाह कैँ
अयनाइ आवश्यक अछि?” 11यीशु
उत्तर देलथिन, “ई बात एकदम ठीक
अछि। एलियाहक अयनाइ आवश्यक
अछि, और ओ सभ बातक सुधार
करताह। 12मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत
छी जे एलियाह तँ आबि गेल छथि।
लोक सभ हुनका चिन्हि नहि सकलनि
और ओकरा सभ कैँ जे मोन भेलैक, से
हुनका संग कयलकनि। एहि तरहेँ मनुष्य-
पुत्र कैँ सेहो ओकरा सभक हाथेँ कष्ट
भोगऽ पड़तनि।” 13तखन शिष्य सभ कैँ
बुझऽ मे अयलनि जे यीशु हमरा सभ कैँ
बपतिस्मा देनिहार यूहन्नाक सम्बन्ध मे
कहि रहल छथि।

दुष्टात्मा लागल एक बालक

(मरकुस 9.14-29; लूका 9.37-43)

14 ओ सभ जखन लोकक भीड़ जतऽ
जमा छल ततऽ पहुँचलाह तँ एक गोटे
यीशु लग आबि ठेहुनिया दऽ कऽ कहऽ
लगलनि, 15“यौ प्रभु, हमरा बेटा पर दया
कयल जाओ, एकरा मिर्गी अबैत छैक आ
बहुत कष्ट होइत छैक। ई कखनो आगि
मे खसि पड़ैत अछि तँ कखनो पानि मे।
16हम एकरा अपनेक शिष्य सभ लग
अनने छलहुँ, लेकिन ओ सभ एकरा ठीक
नहि कऽ सकलथिन।”

17 यीशु उत्तर देलथिन, “हे अविश्वासी
आ भ्रष्ट पीढ़ीक लोक सभ, हम कहिया
तक तोरा सभक संग रहिअह? हम
कहिया तक तोरा सभ कैँ सहैत रहिअह?
आनह लड़का कैँ हमरा लग।” 18जे
दुष्टात्मा ओकरा मे पैसि गेल छल, तकरा
यीशु फटकारलथिन। दुष्टात्मा ओकरा मे
सँ निकलि गेलैक, आ ओ तखने ठीक भऽ
गेल।

19 बाद मे शिष्य सभ एकान्त मे यीशु
लग आबि कऽ पुछलथिन, “हम सभ
ओहि दुष्टात्मा कैँ किएक नहि निकालि
सकलहुँ?” 20ओ उत्तर देलथिन, “अहाँ
सभ मे विश्वासक कमी अछि, तेँ। हम
अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, जँ
अहाँ सभ मे सरिसोक दानो बराबरि
विश्वास रहत आ एहि पहाड़ कैँ कहब
जे, ‘एहिठाम सँ हटि कऽ ओतऽ जो’ तँ
हटि जायत। एहन कोनो बात नहि अछि
जे अहाँ सभक लेल असम्भव होयत।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

[21] [मुदा एहि तरहक दुष्टात्मा प्रार्थना
आ उपास कैँ छोड़ि आओर कोनो दोसर
उपाय सँ नहि निकालल जा सकैत
अछि।] *”

अपन मृत्यु आ जिआओल जयबाक सम्बन्ध मे यीशुक दोसर भविष्यवाणी

(मरकुस 9.30-32; लूका 9.43-45)

22 एक दिन यीशु आ शिष्य सभ जखन
गलील मे एक संग छलाह, तखन यीशु
हुनका सभ कैँ कहलथिन, “मनुष्य-पुत्र
पकड़बा कऽ लोकक हाथ मे सौंपल
जायत। [23] ओ सभ ओकरा मारि देतैक,
मुदा तेसर दिन ओ जिआओल जायत।”
ई बात सुनि शिष्य सभ बहुत उदास भऽ
गेलाह।

मन्दिरक कर

24 तकरबाद यीशु आ हुनकर शिष्य
सभ जखन कफरनहूम नगर मे पहुँचलाह,
तखन मन्दिरक कर असूल कयनिहार
सभ पत्रुस लग आबि कऽ पुछलकनि,
“की अहाँ सभक गुरुजी मन्दिरक कर
नहि चुकबैत छथि?” [25] पत्रुस कहलथिन,
“हँ, चुकबैत छथि।” तकरबाद पत्रुस
जखन घर मे अयलाह तँ यीशुए हुनका
सँ पुछलथिन, “यौ सिमोन, अहाँक की
विचार अछि? संसारक राजा सभ सीमा-
शुल्क वा व्यक्ति-कर ककरा सभ सँ लैत
अछि? अपन पुत्र सभ सँ वा आन लोक
सभ सँ?” [26] पत्रुस कहलथिन, “आन
लोक सँ।” तखन यीशु कहलथिन, “एकर
मतलब, पुत्र कर-मुक्त अछि। [27] मुदा
एक बात, अपना सभ ओकरा सभ कैँ
सिकायत करबाक अवसर नहि दी, तैँ
अहाँ झील पर जा कऽ बंसी थापू। जे
माछ पहिने फँसत तकरा निकालू। ओकरा
मुँह मे अहाँ कैँ एकटा चानीक सिक्का
भेटत। अहाँ ओ सिक्का लऽ कऽ अपना
दूनू गोटेक कर ओकरा सभ कैँ दऽ कऽ
चुका दिऔक।”

स्वर्गक राज्य मे के छोट, के पैघ?

(मरकुस 9.33-37, 42-48; लूका 9.46-48; 17.1-2)

18 ओही समय मे शिष्य सभ
आबि कऽ यीशु सँ पुछलथिन,
“स्वर्गक राज्य मे सभ सँ पैघ के अछि?”
[2] यीशु एक छोट बच्चा कैँ अपना लग
बजा कऽ हुनका सभक बीच ठाढ़ करैत
कहलथिन, [3] “हम अहाँ सभ कैँ सत्य
कहैत छी जे, जाबत तक अहाँ सभ बदलि
कऽ बच्चा सभ जकाँ नहि बनि जायब
ताबत तक स्वर्गक राज्य मे कहियो नहि
प्रवेश करब। [4] तैँ, जे केओ नम्र बनि अपना
कैँ एहि बच्चा जकाँ छोट बुझैत अछि, से
स्वर्गक राज्य मे सभ सँ पैघ अछि। [5] जे
केओ हमरा नाम सँ एहन छोट बच्चा कैँ
स्वीकार करैत अछि से हमरा स्वीकार
करैत अछि। [6] मुदा ई बच्चा सभ जे हमरा
पर विश्वास करैत अछि, ताहि मे सँ जँ
एकोटा कैँ केओ पाप मे फँसाओत, तँ
ओहि फँसौनिहारक गरदनि मे जाँतक
पाट बान्हि कऽ अथाह समुद्र मे डुबा देल
जाइक, से ओकरा लेल नीक होइत।

7 “पाप मे फँसाबऽ वला बात सभक
कारणेँ संसार पर कतेक कष्ट औतैक!
पाप मे फँसाबऽ वला बात सभ तँ रहबे

17:21 किछु हस्तलेख सभ मे पद 21 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करत, मुदा धिक्कार ताहि मनुष्य कैँ
जकरा द्वारा ओ बात सभ अबैत अछि!
8 "जँ अहाँक हाथ वा पयर अहाँ कैँ पाप
मे फँसबैत अछि तँ ओकरा काटि कऽ
फेकि दिअ। दूनू हाथ-पयरक संग अनन्त
समय तक जरैत रहऽ वला आगिक कुण्ड
मे फेकि देल जायब, अहाँक लेल ताहि
सँ नीक ई जे लुल्ह-नाङड़ भऽ कऽ जीवन
मे प्रवेश करू। **9**आ जँ अहाँक आँखि
अहाँ कैँ पाप मे फँसबैत अछि तँ ओकरा
निकालि कऽ फेकि दिअ। दूनू आँखिक
संग नरकक आगि मे फेकि देल जायब,
अहाँक लेल ताहि सँ नीक ई जे कनाह भऽ
कऽ जीवन मे प्रवेश करू।

हेरायल भेँड़ाक दृष्टान्त

(लूका 15.3-7)

10 "अहाँ सभ एहि पर ध्यान राखू जे
एहि बच्चा सभ मे सँ एकोटा कैँ तुच्छ
नहि बुझब। हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी
जे, स्वर्ग मे एकर सभक रक्षा कयनिहार
दूत सभ सदिखन हमर स्वर्गीय पिताक
मुँह दिस तकैत रहैत छथि। **11** [मनुष्य-पुत्र
हेरायल सभ कैँ बचयबाक लेल आयल
छथि।] *

12 "अहाँ सभ की सोचैत छी? जँ
ककरो लग एक सय भेँड़ा छैक आ
ओहि मे सँ एकटा भेँड़ा भटकि जाइक,
तँ की ओ अपन निनान्नबे भेँड़ा कैँ पहाड़
पर छोड़ि कऽ ओहि भटकल भेँड़ा कैँ
खोजबाक लेल नहि जायत? **13**हम अहाँ
सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, जँ ओ ओकरा
भेटि जयतैक, तँ ओहि निनान्नबे भेँड़ाक
कारणेँ, जे नहि भटकल छलैक, ताहि सँ
बेसी आनन्द ओकरा एही भेँड़ाक कारणेँ
होयतैक। **14**एही तरहेँ स्वर्ग मे रहऽ वला
अहाँ सभक पिताक इच्छा ई छनि जे एहि
बच्चा सभ मे सँ एकोटा नष्ट नहि होनि।

दोषी भायक संग उचित व्यवहार

15 "अहाँक भाय जँ अहाँक संग*
अपराध करय तँ असगरे ओकरा लग जाउ
आ एकान्त मे ओकर दोष ओकरा बुझा
दिऔक। ओ जँ अहाँक बात सुनलक, तँ
एकटा भाय अहाँ कैँ फेर भेटि गेल से बुझू।
16मुदा जँ ओ अहाँक बात नहि सुनैत
अछि तँ अपना संग एक-दू आदमी कैँ लऽ
कऽ जाउ आ ओकरा बुझबिऔक, जाहि
सँ, जहिना धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,
'हर बात दू वा तीन साक्षीक गवाही पर
आधारित रहय'।* **17**मुदा ओ जँ ओकरो
सभक बात सुनबाक लेल तैयार नहि भेल,
तँ तकर जानकारी विश्वासी मण्डली कैँ
दिऔक। आ जँ ओ विश्वासी मण्डलीक
बात सेहो नहि सुनत, तँ ओकरा संग एहन
व्यवहार करू जेना ओ अविश्वासी वा
कर असूल कयनिहार ठकहारा होअय।
18हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, अहाँ
सभ जे किछु पृथ्वी पर बान्हब, से स्वर्ग
मे बान्हल गेल रहत, आ जे किछु अहाँ
सभ पृथ्वी पर खोलब से स्वर्ग मे खोलल
गेल रहत।

19 "हम अहाँ सभ कैँ एकटा इहो बात
कहैत छी जे, एहि पृथ्वी पर जँ अहाँ सभ
मे सँ केओ दू गोटे कोनो बातक लेल एक
विचारक भऽ कऽ विनती करब, तँ हमर

18:11 किछु हस्तलेख सभ मे पद 11 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि। **18:15** किछु हस्तलेख सभ मे "अहाँक संग" नहि पाओल जाइत अछि। **18:16** व्यव 19.15

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पिता जे स्वर्ग मे छथि, तिनका द्वारा ओ
बात अहाँ सभक लेल पूरा कयल जायत।
20किएक तँ जतऽ दू वा तीन व्यक्ति हमरा
नाम सँ एक ठाम जमा होइत अछि, ततऽ
हम ओकरा सभक बीच उपस्थित छी।”

क्षमाक कोनो सीमा नहि

21 तकरबाद पत्रुस यीशु लग आबि
कऽ पुछलथिन, “यौ प्रभु, हमर भाय जँ
हमरा संग अपराध करय तँ कतेक बेर
हम ओकरा क्षमा करैत रहिऐक? की सात
बेर तक?” 22यीशु कहलथिन, “हम तँ
कहैत छी, सात बेर नहि, बल्कि सात सँ
सत्तरिक जे गुणनफल होयत ततेक बेर।

23 “कारण, स्वर्गक राज्यक तुलना
एहन राजा सँ कयल जा सकैत अछि जे
अपन राज्यक कर्मचारी सभ सँ हिसाब-
किताब लेबऽ चाहलनि। 24जखन ओ
हिसाब-किताब लेबऽ लगलाह तँ हुनका
लग एक कर्मचारी कैँ लाओल गेल,
जकरा पर दस हजार सोनक रुपैया ऋण
छलनि। 25ओहि कर्मचारी लग ऋण
सधयबाक लेल किछु नहि छलैक तेँ
ओकर मालिक आज्ञा दऽ देलथिन जे,
एकरा, एकर स्त्री आ बाल-बच्चा कैँ
और एकर सभ सामान बेचि कऽ एकरा
सँ ऋण असूल कयल जाय। 26ई सुनि ओ
कर्मचारी अपना मालिकक पयर पर खसि
कऽ विनती करऽ लागल जे, ‘यौ सरकार,
धैर्य राखल जाओ, हम अपनेक सम्पूर्ण
ऋण सधा देब।’ 27मालिक ओकरा पर
दया कऽ कऽ ओकरा छोड़ि देलथिन आ
ओकर सम्पूर्ण ऋण माफ कऽ देलथिन।
28मुदा ओ कर्मचारी जखन ओतऽ सँ
बाहर भेल तँ ओकरा संग काज करऽ
वला एक दोसर कर्मचारी भेटलैक जे
ओकरा सँ एक सय तामक रुपैया ऋण
लेने छलैक। ओ ओकरा पकड़ि कऽ
गरदनि चभैत कहलकैक, ‘जे किछु तोरा
पर हमर ऋण अछि, से तुरत ला!’ 29ओ
कर्मचारी ओकरा पयर पर खसि कऽ
विनती करऽ लागल, ‘धैर्य राखू, हम
अहाँक ऋण सधा देब।’ 30मुदा ओ नहि
मानलक आ जा कऽ ओकरा जहल मे
रखबा देलकैक जे जाबत तक ऋण नहि
सधाओत ताबत तक जहल मे रहओ।
31ई देखि दोसर कर्मचारी सभ कैँ बहुत
दुःख भेलैक आ ओ सभ जा कऽ सम्पूर्ण
घटना मालिक कैँ कहि सुनौलकनि।
32तकरबाद मालिक ओहि कर्मचारी कैँ
बजबा कऽ कहलथिन, ‘हे दुष्ट नोकर,
तोँ हमरा सँ विनती कयलेँ तँ हम तोहर
सम्पूर्ण ऋण माफ कऽ देलिऔक। 33तँ
की ई उचित नहि छल जे जहिना हम तोरा
संग दया कयलिऔ, तहिना तोहूँ अपन
संगी-कर्मचारीक संग दया करिते?’
34मालिक कैँ ओहि कर्मचारी पर बहुत
क्रोध भऽ गेलनि आ ओ ओकरा दण्ड
देबाक लेल जहल मे पठबा देलथिन जे
जाबत तक ओ पूरा ऋण सधा नहि दय
ताबत तक जहल मे रहओ। 35तेँ जँ अहूँ
सभ अपना भाय कैँ हृदय सँ क्षमा नहि
करबैक तँ हमर स्वर्गीय पिता अहूँ सभक
संग ओहने व्यवहार करताह।”

विवाहक पवित्रता और तलाकक प्रश्न

(मरकुस 10.1-12)

19 ई सभ बात जखन कहल भऽ
गेलनि तँ यीशु गलील प्रदेश सँ
विदा भऽ कऽ यरदन नदीक दोसर कात
यहूदिया प्रदेश मे गेलाह। 2लोकक बड़का
भीड़ हुनका पाछाँ आबि गेलनि। यीशु

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओहिठाम ओकरा सभक रोग-बिमारी सभ
कैँ ठीक कऽ देलनि।

3 ओहिठाम किछु फरिसी सभ यीशु
लग अयलाह आ हुनका जँचबाक लेल
पुछलथिन, “की धर्म-नियमक अनुसार
पुरुष कैँ केहनो कारण सँ अपना स्त्री कैँ
तलाक देनाइ उचित अछि?” [4]यीशु उत्तर
देलथिन, “की अहाँ सभ नहि पढ़ने छी जे,
सृष्टि कयनिहार शुरुए सँ मनुष्य कैँ ‘पुरुष
आ स्त्री बनौलनि’,* [5]और कहलनि,

‘एहि कारणेँ पुरुष अपन माय-बाबू कैँ
छोड़ि अपन स्त्रीक संग रहत,
आ दूनू एक शरीर भऽ जायत।’*?

[6]एहि तरहेँ ओ सभ आब दू नहि अछि,
एके भऽ गेल। तेँ जकरा परमेश्वर जोड़ि
देलथिन, तकरा मनुष्य अलग नहि
करओ।”

7 फरिसी सभ पुछलथिन, “तखन
तलाकनामा दऽ कऽ तलाक देबाक आज्ञा
मूसा किएक देलनि?” [8]यीशु कहलथिन,
“अहाँ सभक मोनक कठोरताक कारणेँ
मूसा अहाँ सभ कैँ स्त्री कैँ तलाक देबाक
अनुमति देलनि, मुदा शुरू सँ एहन नहि
छल। [9]हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी, जे
केओ एहि कारण कैँ छोड़ि जे ओकर स्त्री
दोसराक संग गलत शारीरिक सम्बन्ध
रखने अछि, कोनो आन कारण सँ अपना
स्त्री कैँ तलाक दऽ कऽ दोसर सँ विवाह
करैत अछि, से परस्त्रीगमन करैत अछि।”

10 यीशुक शिष्य सभ हुनका कहलथिन,
“जँ स्त्री-पुरुषक सम्बन्ध एहन अछि, तँ
विवाह नहिए कयनाइ नीक बात।”

11 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन,
“सभ केओ एहि बात कैँ स्वीकार नहि
कऽ सकैत अछि, मात्र ओ सभ जकरा एहि
बातक लेल वरदान भेटल छैक। [12]किएक
तँ किछु लोक मे जन्मे सँ विवाह करबाक
योग्यता नहि अछि, किछु लोक कैँ दोसर
मनुष्य अयोग्य बनबैत अछि, और किछु
लोक एहनो अछि जे स्वर्गक राज्यक लेल
विवाह कयनाइ त्यागि देने अछि। जे केओ
एहि बात कैँ स्वीकार कऽ सकैत अछि से
एकरा स्वीकार करओ।”

धिआ-पुता सभ कैँ यीशुक आशीर्वाद

(मरकुस 10.13-16; लूका 18.15-17)

13 तकरबाद किछु गोटे बच्चा सभ कैँ
यीशु लग अनलकनि जाहि सँ ओ ओकरा
सभ पर हाथ राखि कऽ ओकरा सभक
लेल प्रार्थना कऽ देथिन, मुदा हुनकर
शिष्य सभ ओकरा सभ कैँ डाँटि देलथिन।
[14]यीशु कहलथिन, “बच्चा सभ कैँ हमरा
लग आबऽ दिऔक, ओकरा सभ कैँ
नहि रोकिऔक, किएक तँ स्वर्गक राज्य
एहने सभक अछि।” [15]यीशु ओहि बच्चा
सभक माथ पर हाथ राखि कऽ आशीर्वाद
देलथिन आ ओतऽ सँ विदा भऽ गेलाह।

महत्वपूर्ण की—धन-सम्पत्ति वा अनन्त जीवन?

(मरकुस 10.17-31; लूका 18.18-30)

16 यीशु लग एक युवक अयलनि आ
कहलकनि, “यौ गुरुजी, हम कोन उत्तम
काज करू, जाहि सँ हमरा अनन्त जीवन
भेटत?” [17]यीशु कहलथिन, “अहाँ
हमरा सँ उत्तमक विषय मे किएक पुछैत
छी? उत्तम तँ मात्र एकेटा छथि। जँ अहाँ
अनन्त जीवन मे प्रवेश करऽ चाहैत छी तँ

19:4 उत्पत्ति 1.27 **19:5** उत्पत्ति 2.24

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक आज्ञा सभक पालन करू।”
18ओ पुछलकनि, “कोन आज्ञा सभ?”
एहि पर यीशु कहलथिन, “‘हत्या नहि
करह, परस्त्रीगमन नहि करह, चोरी नहि
करह, झूठ गवाही नहि दैह, 19अपन माय-
बाबूक आदर करह’* आ ‘अपना पड़ोसी
सँ अपने जकाँ प्रेम करह।’*” 20ओ युवक
उत्तर देलकनि, “एहि सभ आज्ञाक पालन
तँ हम कऽ रहल छी, तखन फेर हमरा मे
कोन बातक कमी रहि गेल?” 21यीशु
ओकरा कहलथिन, “अहाँ जँ पूर्ण सिद्ध
बनऽ चाहैत छी, तँ अपन धन-सम्पत्ति बेचि
कऽ ओकरा गरीब सभ मे बाँटि दिअ; अहाँ
कैँ स्वर्ग मे धन भेटत। तकरबाद आउ आ
हमरा पाछाँ चलू।” 22ई बात सुनि युवक
उदास भऽ ओतऽ सँ चल गेल, कारण,
ओकरा बहुत धन-सम्पत्ति छलैक।

23 एहि पर यीशु अपना शिष्य सभ कैँ
कहलथिन, “हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत
छी, धनिक सभक लेल स्वर्गक राज्य
मे प्रवेश कयनाइ कठिन अछि। 24हम
अहाँ सभ कैँ फेर कहैत छी जे, धनिक कैँ
परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश कयनाइ सँ ऊँट
कैँ सुइक भूर दऽ कऽ निकलनाइ आसान
अछि।” 25ई सुनि हुनकर शिष्य सभ
अवाक भऽ कऽ कहलथिन, “तखन उद्धार
ककर भऽ सकैत छैक?!” 26यीशु हुनका
सभक दिस एकटक देखैत कहलथिन,
“मनुष्यक लेल तँ ई असम्भव अछि,
मुदा परमेश्वरक लेल सभ किछु सम्भव
अछि।”

27 एहि पर पत्रुस कहलथिन, “देखू, हम
सभ तँ सभ किछु त्यागि कऽ अहाँक पाछाँ
आयल छी। हमरा सभ कैँ की भेटत?”
28यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, “हम
अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी, नव सृष्टि
मे, जहिया मनुष्य-पुत्र अपन महिमामय
सिंहासन पर विराजमान होयत, तहिया
अहूँ सभ, जे सभ हमरा पाछाँ आयल छी,
बारहटा सिंहासन पर बैसब आ इस्राएलक
बारहो कुलक न्याय करब। 29जे केओ
हमरा कारणेँ अपन घर, भाय, बहिन,
माय-बाबू, बाल-बच्चा वा जमीन-जालक
त्याग कयने अछि, से तकर सय गुना
पाओत और अनन्त जीवनक अधिकारी
होयत। 30मुदा बहुतो लोक जे एखन आगाँ
अछि से पाछाँ भऽ जायत, आ जे एखन
पाछाँ अछि से आगाँ भऽ जायत।

कृपा करबाक मालिकक अधिकार

20 “स्वर्गक राज्य एहन एक
गृहस्थ जकाँ अछि जे अपन
अंगूरक बगान मे काज करयबाक लेल
भोरे-भोर मजदूर तकबाक लेल गेलाह।
2ओ मजदूर सभक संग एक दिनक
चानीक एक रुपैया मजदूरी देबाक
व्यवस्था कऽ ओकरा सभ कैँ अपन
अंगूरक बगान मे काज करबाक लेल
पठौलनि। 3ओ फेर नौ बजे बाहर गेलाह
तँ आरो मजदूर सभ कैँ बजार मे निरर्थक
ठाढ़ देखलनि। 4ओ ओकरा सभ कैँ
कहलथिन, ‘तोहूँ सभ हमर अंगूरक बगान
मे जा कऽ काज करह। जे उचित होयतह
से हम तोरो सभ कैँ देबह।’ 5मजदूर सभ
जा कऽ काज करऽ लागल। मालिक फेर
बारह बजे आ तीन बजे बाहर जा-जा कऽ
ओहिना कयलनि। 6साँझ पाँच बजे फेर
ओ बहरयलाह। ओ किछु आओर मजदूर

19:19 प्रस्थान 20.12-16; व्यव 5.16-20 **19:19** लेवी 19.18

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ कैँ ओहिना ठाढ़ देखि पुछलथिन,
‘तोँ सभ एतऽ दिन भरि किएक निरर्थक
ठाढ़ रहलह?’ 7ओ सभ कहलकनि,
‘हमरा सभ कैँ केओ नहि काजक लेल
अढ़ौलक।’ मालिक ओकरा सभ कैँ
कहलथिन, ‘तोहूँ सभ हमर बगान मे जा
कऽ काज करह।’

8 “साँझ भऽ गेला पर अंगूर-बगानक
मालिक अपन मुख्य नोकर कैँ बजा कऽ
कहलथिन, ‘मजदूर सभ कैँ बजाबह आ
सभ सँ अन्तिम पहर मे जे सभ आयल
तकरा सभ सँ शुरू कऽ कऽ सभ सँ पहिल
पहर मे आबऽ वला धरि, सभ कैँ मजदूरी
दऽ दहक।’ 9जखन ओ सभ, जे साँझ
लगभग पाँच बजे सँ काज शुरू कयने
छल, से सभ आयल तँ ओकरा सभ कैँ
चानीक एक-एक रुपैया देल गेलैक। 10जे
मजदूर सभ भोरे सँ काज कयने छल जखन
ई बात देखलक, तँ ओ सभ बुझलक जे
हमरा सभ कैँ बेसी मजदूरी भेटत। मुदा
ओकरो सभ कैँ चानीक एक-एक रुपैया
मजदूरी भेटलैक। 11ओ सभ अपन मजदूरी
पाबि मालिक पर कुड़बुड़ाय लागल।
12ओ सभ बाजल, ‘सभ सँ पाछाँ आबऽ
वला ई मजदूर सभ, जे सभ एके घण्टा
काज कयलक, तकरो अहाँ हमरा सभक
बराबरि बुझलहुँ। हम सभ तँ घाम-पसिना
सहि दिन भरि खटलहुँ!’

13 “मालिक ओहि मे सँ एक गोटे कैँ
उत्तर देलथिन, ‘हौ मित्र, हम तोरा संग
कोनो तरहक अन्याय तँ नहि कऽ रहल
छिअह। की तोँ हमरा संग चानीक एक
रुपैया मजदूरी लेबाक व्यवस्था नहि
कयने छलह? 14अपन पाइ लैह आ जाह।
ई तँ हमर इच्छाक बात अछि जे जतबा
तोरा देलिअह ततेक पछो सँ आबऽ वला
मजदूर सभ कैँ सेहो दिऐक। 15की हमर
ई अधिकार नहि अछि जे, जे हमर वस्तु
अछि तकरा हम जेना चाही, तेना प्रयोग
कऽ सकी? हम जँ अपना खुशी सँ ककरो
बेसिओ दैत छी तँ की से तोरा अखड़ैत
छह?’ ”

16 तखन यीशु आगाँ कहलनि, “एहि
तरहेँ जे अन्तिम अछि से पहिल होयत,
आ जे पहिल अछि से अन्तिम।”

अपन मृत्यु आ जिआओल जयबाक सम्बन्ध मे यीशुक तेसर भविष्यवाणी

(मरकुस 10.32-34; लूका 18.31-34)

17 यीशु यरूशलेम नगर दिस आगाँ
बढ़ि रहल छलाह। ओ अपन बारहो शिष्य
कैँ एक कात लऽ जा कऽ कहलथिन,
18“सुनू, अपना सभ यरूशलेम जा रहल
छी। ओतऽ मनुष्य-पुत्र मुख्यपुरोहित आ
धर्मशिक्षक सभक हाथ मे पकड़ाओल
जायत। ओ सभ ओकरा मृत्युदण्डक
जोगरक ठहरा देतैक 19आ ओकरा गैर-
यहूदी सभक हाथ मे सौंपि देतैक जाहि
सँ ओ सभ ओकर हँसी उड़बैक, कोड़ा
सँ पिटैक आ क्रूस पर टाँगि कऽ मारि
दैक। मुदा तेसर दिन ओ फेर जिआओल
जायत।”

एक मायक इच्छा

(मरकुस 10.35-45)

20 तकरबाद जबदीक स्त्री, याकूब
आ यूहन्नाक माय, अपन पुत्र सभक
संग यीशु लग अयलनि आ हुनका
आगाँ ठेहुनिया दऽ कऽ किछु माँगऽ
चाहलकनि। 21यीशु पुछलथिन, “अहाँ
की चाहैत छी?” ओ कहलकनि, “अहाँ
एहि बातक आज्ञा दिअ जे अहाँक राज्य

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे हमर ई दूनू बेटा, एक अहाँक दहिना
कात आ दोसर अहाँक बामा कात
बैसत।”
22 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन,
“अहाँ सभ की माँगि रहल छी, से अहाँ
सभ नहि बुझैत छी। की दुःखक बाटी सँ
जे हमरा पिबाक अछि से अहाँ सभ पिबि
सकैत छी?” ओ सभ कहलकनि, “हँ,
पिबि सकैत छी।” **23** यीशु कहलथिन,
“हमर बाटी तँ अहाँ सभ पीब, मुदा
किनको अपना दहिना कात वा बामा
कात बैसायब, तकर अधिकार हमर नहि
अछि। ई स्थान सभ तिनका सभक लेल
छनि, जिनका सभक लेल हमर पिता
तैयार कयने छथि।”
24 जखन बाँकी दस शिष्य एहि बातक
बारे मे सुनलनि तँ ओ सभ ओहि दूनू
भाइ पर खिसिआय लगलाह। **25** एहि पर
यीशु शिष्य सभ कैँ अपना लग बजा कऽ
कहलथिन, “अहाँ सभ जनैत छी जे एहि
संसारक शासक सभ जनता पर हुकुम
चलबैत रहैत छथि और जनता मे जे पैघ
लोक सभ छथि से जनता पर अधिकार
जमबैत छथि। **26** मुदा अहाँ सभ मे एना
नहि होअय। बल्कि, अहाँ सभ मे जे पैघ
होमऽ चाहय, से अहाँ सभक सेवक बनय,
27 आ जे केओ अहाँ सभ मे प्रमुख व्यक्ति
बनऽ चाहय, से टहलू बनय। **28** तहिना
मनुष्य-पुत्र सेहो एहि लेल नहि आयल
अछि जे ओ अपन सेवा कराबय, बल्कि
एहि लेल जे ओ सेवा करय और बहुतो
लोकक छुटकाराक मूल्य मे अपन प्राण
देअय।”

दू आन्हर कैँ आँखिक इजोत

(मरकुस 10.46-52; लूका 18.35-43)

29 यीशु आ हुनकर शिष्य सभ जखन
यरीहो नगर सँ बहरयलाह तँ लोकक
बड़का भीड़ हुनका पाछाँ आबि रहल
छलनि। **30** रस्ताक कात मे बैसल दू
आन्हर व्यक्ति जखन सुनलक जे एहि
बाटे यीशु जा रहल छथि, तँ ओ सभ
सोर पारि कऽ कहऽ लागल जे, “हे प्रभु,
दाऊदक पुत्र*, हमरा सभ पर दया करू!”
31 भीड़क लोक सभ ओकरा दूनू कैँ डाँटि
देलकैक जे, “चुप होइ जाइ जो,” मुदा ओ
सभ आओर जोर सँ हल्ला कऽ कऽ कहऽ
लागल, “यौ प्रभु, दाऊदक पुत्र, हमरा सभ
पर दया करू!” **32** यीशु ठाढ़ भऽ गेलाह
आ ओकरा सभ कैँ बजा कऽ पुछलथिन,
“तोँ सभ की चाहैत छह, हम तोरा सभक
लेल की करिअह?” **33** ओ सभ बाजल,
“हे प्रभु, हम सभ देखऽ चाहैत छी।”
34 यीशु कैँ ओकरा सभ पर दया आबि
गेलनि, आ ओकरा सभक आँखि कैँ छुबि
देलथिन। तखने सँ ओकरा सभ कैँ देखाइ
देबऽ लगलैक और ओ सभ हुनका पाछाँ
चलऽ लगलनि।

यरूशलेम मे यीशुक प्रवेश

(मरकुस 11.1-11; लूका 19.28-40; यूहन्ना 12.12-19)

21 यीशु आ हुनकर शिष्य सभ
जखन यरूशलेम नगरक लग मे
जैतून पहाड़ पर बेतफगे गाम मे पहुँचलाह
तखन यीशु दूटा शिष्य कैँ ई कहि कऽ

20:30 “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द कैँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पठौलथिन जे, 2“सामने मे जे गाम अछि,
ताहि मे जाउ। ओतऽ पहुँचिते एक गदही
अपन बच्चाक संग बान्हल भेटत। ओकरा
सभ कैँ खोलि कऽ हमरा लग नेने आउ। 3जँ
केओ अहाँ सभ कैँ किछु कहय तँ कहबैक
जे, ‘प्रभु कैँ एकर आवश्यकता छनि।’ ई
सुनैत देरी ओ अहाँ सभ कैँ आनऽ देत।”
4 ई एहि लेल भेल जे परमेश्वरक
प्रवक्ताक कहल ई वचन पूरा होअय जे,
5 “सियोन नगर* कैँ कहक,
‘देखह, तोहर राजा तोरा लग आबि
रहल छथुन,
ओ विनम्र छथि,
ओ गदहा पर, गदहीक बच्चा पर
बैसल आबि रहल छथुन।’ ”*
6 शिष्य सभ जा कऽ यीशुक कहल
अनुसार कयलनि। 7ओ सभ गदही आ
ओकर बच्चा कैँ लऽ आनि ओकरा
पीठ पर अपन कपड़ा सभ राखि देलनि।
यीशु ओहि पर बैसि गेलाह। 8भीड़ मे सँ
बहुतो लोक सभ सेहो अपन-अपन वस्त्र
आ ओढ़नी सभ बाट पर ओछौलक।
दोसर लोक सभ गाछ-वृक्षक ठाढ़ि-पात
काटि-काटि कऽ ओछौलक। 9यीशुक
आगाँ-पाछाँ चलऽ वला लोकक भीड़ एहि
तरहेँ जयजयकार करऽ लागल जे,
“दाऊदक पुत्र* कैँ जय!*
धन्य छथि ओ जे प्रभुक नाम सँ
अबैत छथि!*
सर्वोच्च स्वर्ग मे प्रभुक
जयजयकार!”

10 जखन यीशु यरूशलेम मे प्रवेश
कयलनि तँ सम्पूर्ण नगर मे हलचल
सन होमऽ लागल। सभ पुछैत छल,
“ई के छथि?” 11आगाँ-पाछाँ चलऽ
वला भीड़क लोक सभ ओकरा सभ कैँ
कहलकैक, “ई गलील प्रदेशक नासरत-
निवासी परमेश्वरक प्रवक्ता यीशु छथि।”

मन्दिर प्रार्थनाक घर वा चोर-डाकूक अड्डा?

(मरकुस 11.15-19; लूका 19.45-48; यूहन्ना 2.13-22)

12 यीशु मन्दिरक आङन मे अयलाह
आ बेचऽ वला और किनऽ वला सभ कैँ
ओतऽ सँ बाहर भगाबऽ लगलाह। ओ
पाइ भजौनिहार सभक टेबुल आ परबा-
पेउरकी बेचनिहार सभक पीढ़ी-बैसकी
सभ कैँ उनटा-पुनटा देलथिन। 13ओ
ओकरा सभ कैँ कहलथिन, “धर्मशास्त्र
मे लिखल अछि जे, ‘हमर घर प्रार्थनाक
घर कहाओत’* मुदा तोँ सभ एकरा ‘चोर-
डाकूक अड्डा’* बना देने छह।”
14 मन्दिर मे यीशु लग आन्हर आ
नाङड़ व्यक्ति सभ अयलनि आ यीशु
ओकरा सभ कैँ स्वस्थ कऽ देलथिन।
15यीशुक चमत्कार वला काज सभ
देखि आ मन्दिर मे बच्चा सभक द्वारा
जे “दाऊदक पुत्र”क जयजयकार भऽ
रहल छल, तकरा सुनि मुख्यपुरोहित
आ धर्मशिक्षक सभ बहुत खिसिआ
गेलाह। 16ओ सभ यीशु कैँ कहलथिन,

21:5 अर्थात्, यरूशलेम। अक्षरशः “सियोनक पुत्री” **21:5** जक 9.9 **21:9** “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द कैँ देखू। **21:9** “जय/जयजयकार”—मूल मे “होसन्ना!” (इब्रानी भाषा मे स्तुति वा विजय कैँ व्यक्त करऽ वला शब्द) । तहिना, पद 15 मे सेहो। **21:9** भजन 118.26 **21:13** यशा 56.7 **21:13** यर्मि 7.11

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

"की अहाँ नहि सुनैत छी जे ई सभ की
कहि रहल अछि?" यीशु हुनका सभ कैँ
कहलथिन, "हँ, और की अहाँ सभ नहि
पढ़ने छी जे,

'हे प्रभु, अहाँ धिआ-पुता आ कोरा
मेहक बच्चा सभक मुँह सँ
अपन स्तुति करबौलहुँ'*?"

17 एतेक कहि यीशु हुनका सभ कैँ
ओतहि छोड़ि नगर सँ बहरा गेलाह आ
बेतनिया गाम मे जा कऽ राति भरि ओतऽ
रहलाह।

अंजीरक गाछ सँ शिक्षा

(मरकुस 11.12-14, 20-24)

18 भोर मे फेर नगर दिस अबैत समय
मे यीशु कैँ भूख लगलनि। 19 रस्ताक
कात मे एक अंजीरक गाछ देखि ओ
गाछ लग गेलाह। मुदा ओहि पर पात
छोड़ि आओर किछु नहि भेटलनि। यीशु
ओहि गाछ कैँ कहलथिन, "जो, आब
कहियो तोरा पर फल नहि लटकतौ!"
गाछ ओही क्षण सुखा गेल। 20 ई देखि
शिष्य सभ आश्चर्यित भऽ कहलथिन,
"ई अंजीरक गाछ तुरत कोना सुखा
गेल?" 21 एहि पर यीशु उत्तर देलथिन,
"हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे,
जँ अहाँ सभ बिनु सन्देह कऽ विश्वास
करब, तँ अहाँ सभ मात्र एतबे नहि करब
जे एहि अंजीरक गाछक संग भेल, बल्कि
जँ अहाँ सभ एहि पहाड़ कैँ आज्ञा देबैक
जे, 'एतऽ सँ हट आ समुद्र मे जो,' तँ सेहो
भऽ जायत। 22 अहाँ सभ जे किछु प्रार्थना
मे विश्वासक संग माँगब, से अहाँ सभ
कैँ प्राप्त होयत।"

यीशुक अधिकार पर प्रश्न

(मरकुस 11.27-33; लूका 20.1-8)

23 यीशु जखन मन्दिर मे जा कऽ उपदेश
दऽ रहल छलाह तखन मुख्यपुरोहित
आ समाजक बूढ़-प्रतिष्ठित सभ यीशु
लग आबि कऽ कहलथिन, "अहाँ कोन
अधिकार सँ ई सभ बात कऽ रहल छी?
अहाँ कैँ ई अधिकार के देलनि?" 24 यीशु
हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "हमहूँ अहाँ
सभ सँ एकटा बात पुछैत छी। जँ अहाँ
सभ हमरा तकर जबाब देब तँ हमहूँ अहाँ
सभ कैँ कहब जे कोन अधिकार सँ हम
ई सभ बात कऽ रहल छी। 25 यूहन्ना कैँ
बपतिस्मा देबाक अधिकार कतऽ सँ
भेटल छलनि? परमेश्वर सँ वा मनुष्य
सँ?" ई सुनि ओ सभ अपना मे तर्क-
वितर्क करऽ लगलाह जे, "जँ अपना सभ
कहबैक जे 'परमेश्वर सँ', तँ ओ पुछत जे,
तखन अहाँ सभ हुनकर बातक विश्वास
किएक नहि कयलहुँ? 26 मुदा जँ कहबैक
जे, 'मनुष्य सँ' तँ अपना सभ कैँ जनता सँ
डर अछि, कारण सभ लोक यूहन्ना कैँ
परमेश्वरक प्रवक्ता मानैत अछि।" 27 तेँ
ओ सभ यीशु कैँ उत्तर देलथिन जे, "हम
सभ नहि जनैत छी।" एहि पर यीशु हुनका
सभ कैँ कहलथिन, "तखन हमहूँ अहाँ
सभ कैँ नहि कहब जे कोन अधिकार सँ
हम ई काज कऽ रहल छी।

दूटा बेटाक दृष्टान्त

28 "अच्छा, अहाँ सभक की विचार
अछि? एक गोटे कैँ दूटा बेटा छलनि।
ओ जेठका कैँ कहलथिन, 'बौआ, आइ

21:16 भजन 8.2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अंगूरक बाड़ी मे काज करऽ जाह।'
29बेटा कहलकनि, 'हम नहि जायब,'
मुदा बाद मे ओकरा पछतावा भेलैक आ
ओ काज करबाक लेल गेल। 30तखन
बाबू दोसरो बेटा लग जा कऽ यैह बात
कहलथिन। ओ उत्तर देलकनि, 'ठीक
अछि, बाबूजी, हम जाइत छी।' मुदा ओ
नहि गेल। 31आब कहू, एकरा सभ मे सँ
के अपन बाबूक इच्छानुरूप कयलक?"
ओ सभ कहलथिन, "पहिल वला।" यीशु
हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हम अहाँ सभ
कैँ सत्य कहैत छी, कर असूल कयनिहार
आ वेश्या सभ परमेश्वरक राज्य मे अहाँ
सभ सँ आगाँ प्रवेश कऽ रहल अछि।
32यूहन्ना धार्मिकताक बाट देखबैत अहाँ
सभ लग अयलाह और अहाँ सभ हुनकर
बातक विश्वास नहि कयलहुँ, मुदा कर
असूल कयनिहार आ वेश्या सभ विश्वास
कयलक। अहाँ सभ ई बात देखलाक
बादो अपना पापक लेल पश्चात्ताप और
हृदय-परिवर्तन कऽ कऽ हुनकर बातक
विश्वास नहि कयलहुँ।

मालिक आ बटाइदार सभक दृष्टान्त

(मरकुस 12.1-12; लूका 20.9-19)

33 "एक आओर दृष्टान्त सुनू। एक
गृहस्थ लोक छलाह। ओ एक अंगूरक
बगान लगौलनि आ चारू कात सँ
ओकरा घेरि देलनि। अंगूरक रस जमा
करबाक लेल ओ एक रसकुण्ड बनौलनि
आ रखबारीक लेल मचान बनौलनि।
तकरबाद किसान सभ कैँ बटाइ पर दऽ
कऽ परदेश चल गेलाह। 34फलक समय
अयला पर ओ अपन हिस्सा लेबाक
लेल नोकर सभ कैँ बटाइदार सभ लग
पठौलथिन। 35मुदा बटाइदार सभ
हुनकर नोकर सभ कैँ पकड़ि, एकटा कैँ
पिटलक, एकटाक हत्या कऽ देलक और
एकटा कैँ पथरबाहि कयलक। 36तखन
मालिक पहिल बेर सँ बेसी, आरो नोकर
सभ कैँ पठौलथिन। मुदा बटाइदार
सभ ओकरो सभक संग वैह व्यवहार
कयलक। 37अन्त मे मालिक अपना
बेटा कैँ ओकरा सभ लग पठौलथिन, ई
सोचि जे, ओ सभ हमरा बेटाक आदर
करत।

38 "मुदा बटाइदार सभ जखन
मालिकक बेटा कैँ देखलक तँ ओ सभ
अपना मे कहऽ लागल जे, 'ई अपन
बापक उत्तराधिकारी अछि। चलू एकरा
मारि कऽ समाप्त कऽ दी, और ई
सम्पत्ति जे एकरा भेटऽ वला छैक ताहि
पर अधिकार कऽ ली।' 39एना सोचि
ओ सभ हुनका पकड़ि लेलकनि आ
बगान सँ बाहर लऽ जा कऽ जान सँ मारि
देलकनि।

40 "आब कहू, बगानक मालिक
जहिया औताह तँ ओ एहि बटाइदार सभ
कैँ की करथिन?"

41 ओ सभ उत्तर देलथिन, "ओ ओहि
दुष्ट बटाइदार सभक सर्वनाश करताह
आ अंगूरक बगान ओहन बटाइदार सभ
कैँ दऽ देथिन जे फलक समय अयला पर
हुनकर हिस्सा देतनि।"

42 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, "की
अहाँ सभ धर्मशास्त्र मे ई कहियो नहि
पढ़ने छी?—

'जाहि पाथर कैँ राजमिस्तिरी सभ
बेकार बुझि कऽ फेकि देलक,
वैह पाथर मकानक प्रमुख पाथर भऽ
गेल।
ई काज प्रभु-परमेश्वर कयलनि,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

और ई हमरा सभक नजरि मे अद्‌भुत
बात अछि!'*
43एहि लेल हम अहाँ सभ केँ कहैत छी,
परमेश्वरक राज्यक अधिकार अहाँ सभ
सँ छिनि लेल जायत आ ताहि समूहक
लोक सभक जिम्मा मे देल जयतैक जे
एकर उचित फल लाओत। 44[जे केओ
एहि पाथर पर खसत से चकना-चूर भऽ
जायत, और जकरा पर ई पाथर खसतैक
से थकुचा-थकुचा भऽ जायत।]"*
45 मुख्यपुरोहित आ फरिसी सभ हुनकर
दृष्टान्त सभ सुनि कऽ बुझि गेलाह जे, ई
हमरे सभक सम्बन्ध मे ई सभ बात कहि
रहल अछि। 46ओ सभ यीशु केँ बन्दी
कोना बनाओल जाय तकर उपाय सोचऽ
लगलाह। मुदा हुनका सभ केँ डर होइत
छलनि, कारण जनता यीशु केँ परमेश्वरक
प्रवक्ता मानैत छलनि।

विवाह भोजक दृष्टान्त

(लूका 14.15-24)

22 यीशु फेर दृष्टान्त दऽ कऽ
हुनका सभ केँ कहलथिन,
2"स्वर्गक राज्यक तुलना एक एहन
राजा सँ कयल जा सकैत अछि जे अपन
पुत्रक विवाहक उत्सव पर भोजक
आयोजन कयलनि। 3ओ अपन नोकर
सभ केँ पठौलनि जे उत्सव मे निमन्त्रित
लोक सभ केँ बिझो करा लाबय।
मुदा निमन्त्रित लोक सभ नहि आबऽ
चाहलक। 4राजा फेर दोसरो नोकर सभ
केँ ई कहि कऽ पठौलनि जे, 'आमन्त्रित
लोक सभ केँ ई कहि दिऔन जे, देखू,
भोजक लेल सभ वस्तु तैयार भऽ गेल
अछि, हमर पालल-मोटायल पशु सभक
वध कऽ सभ किछु बना लेल गेल अछि,
तेँ भोज खयबाक लेल चलै जाइ जाउ।'
5मुदा नोतल लोक सभ राजाक आग्रह
पर कोनो ध्यान नहि देलक। ओकरा सभ
मे सँ केओ अपन खेतक काजक लेल
तँ केओ अपन व्यापारक काजक लेल
चल गेल। 6बाँकी लोक राजाक नोकर
सभ केँ पकड़ि कऽ ओकरा सभक संग
दुर्व्यवहार कयलक आ जान सँ मारि
देलक।
7 "एहि पर राजा क्रोधित भऽ अपन
सैनिक सभ केँ पठा कऽ ओहि हत्यारा सभ
केँ मरबा देलथिन आ ओकरा सभक नगर
केँ जरबा देलथिन। 8तकरबाद ओ अपन
नोकर सभ केँ कहलथिन, 'विवाहक भोज
तँ तैयार अछि, मुदा निमन्त्रित लोक सभ
एहि भोज मे खाय ताहि जोगरक नहि
छल। 9तेँ तोँ सभ चौबट्टिआ सभ पर जाह
आ जे केओ भेटह, तकरा सभ केँ भोज
मे बजा आनह।' 10नोकर सभ चौबट्टिआ
आ सड़क सभ पर गेल आ नीक-अधलाह
जे केओ भेटलैक, सभ केँ बजा अनलक।
एतेक लोक आयल जे विवाह-भोजक घर
ओकरा सभ सँ भरि गेलैक।
11 "राजा उपस्थित लोक सभ केँ
देखबाक लेल भीतर अयलाह तँ हुनकर
नजरि एक एहन व्यक्ति पर पड़लनि जे
विवाह-उत्सवक लेल अनुकूल वस्त्र नहि
पहिरने छल। 12राजा ओकरा पुछलथिन,
'यौ मित्र, अहाँ बिनु विवाह-उत्सवक
वस्त्र पहिरने भीतर कोना आबि गेलहुँ?'

21:42 भजन 118.22, 23 **21:44** किछु हस्तलेख सभ मे पद 44 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओ व्यक्ति राजा कैँ कोनो उत्तर नहि दऽ
सकलनि। 13एहि पर राजा अपन सेवक
सभ कैँ कहलथिन, ‘एकरा हाथ-पयर
बान्हि कऽ बाहर अन्हार मे फेकि दैह
जतऽ लोक कनैत आ दाँत कटकटबैत
रहैत अछि।’ ” 14तकरबाद यीशु
कहलथिन, “बजाओल लोक तँ बहुत
अछि, मुदा ओहि मे चुनल लोक किछुए
अछि।”

कपटपूर्ण प्रश्न और स्पष्ट उत्तर

(मरकुस 12.13-17; लूका 20.20-26)

15 तखन फरिसी सभ जा कऽ विचार-
विमर्श करऽ लगलाह जे कोन तरहेँ यीशु
कैँ अपन कहल बातक जाल मे फँसाओल
जाय। 16ओ सभ यीशु लग हेरोद-दलक
सदस्य सभ और अपन किछु चेला सभ कैँ
पठौलथिन। ओ सभ आबि कऽ यीशु कैँ
कहलकनि, “गुरुजी, हम सभ जनैत छी
जे अपने सत्यवादी छी, सत्यक अनुसार
परमेश्वरक बाटक शिक्षा दैत छी आ
केओ की सोचैत अछि, तकर अपने कैँ
कोनो चिन्ता नहि। कारण, अपने मुँह-देखी
बात नहि करैत छी। 17आब हमरा सभ कैँ
एकटा बात कहल जाओ—एहि बातक
सम्बन्ध मे अपनेक की विचार अछि?
रोमी सम्राट-कैसर कैँ कर देब धर्म-
नियमक अनुसार उचित अछि वा नहि?”

18 यीशु ओकरा सभक दुष्ट उद्देश्य
बुझि कहलथिन, “हे पाखण्डी सभ, अहाँ
सभ हमरा किएक फँसाबऽ चाहैत छी?
19अहाँ सभ कोन सिक्का लऽ कऽ कर
चुकबैत छी?—देखाउ!” ओ सभ यीशु कैँ
एक दिनारक सिक्का देलकनि। 20यीशु
सिक्का लऽ प्रश्न कयलथिन, “ई किनकर
चित्र छनि? आ एहि पर किनकर नाम
लिखल छनि?” 21ओ सभ उत्तर देलकनि,
“सम्राट-कैसरक।” तखन यीशु ओकरा
सभ कैँ कहलथिन, “जे सम्राटक छनि
से सम्राट कैँ दिऔन, आ जे परमेश्वरक
छनि से परमेश्वर कैँ दिऔन।” 22यीशुक
जबाब सुनि ओ सभ गुम्म भऽ गेल आ
हुनका लग सँ चल गेल।

जीबि उठबाक प्रश्न

(मरकुस 12.18-27; लूका 20.27-40)

23 ओही दिन सदुकी पंथक लोक, जे
सभ एहि बात कैँ नहि मानैत अछि जे
मृत्यु मे सँ मनुष्य फेर जिआओल जायत,
से सभ एकटा प्रश्न लऽ कऽ यीशु लग
आयल। 24ओ सभ कहलकनि, “गुरुजी,
धर्मशास्त्र मे मूसा कहने छथि जे, जँ कोनो
पुरुष निःसन्तान मरि जाय तँ ओकरा भाय
कैँ ओकर विधवा स्त्री सँ विवाह कऽ
अपना भायक लेल सन्तान कैँ उत्पन्न
करबाक चाही। 25हमरा सभक ओहिठाम
सात भाय छल। जेठ भाय विवाह
कयलक आ मरि गेल। ओकरा कोनो
सन्तान नहि होयबाक कारणेँ ओकर भाय
ओकर स्त्री सँ विवाह कयलक। 26एही
तरहेँ दोसर आ तेसरो भायक संग, आ
होइत-होइत सातो भायक संग यैह बात
भेल। 27अन्त मे जा कऽ ओ स्त्री सेहो
मरि गेलि। 28आब कहल जाओ, ओहि
समय मे जहिया मुइल सभ कैँ जिआओल
जयतैक, तँ ओ स्त्री एहि सातो भाय मे
सँ ककर स्त्री होयतैक? किएक तँ ओ
सभक स्त्री बनल छलि।”

29 यीशु उत्तर देलथिन, “अहाँ सभ ने
धर्मशास्त्र आ ने परमेश्वरक सामर्थ्य
कैँ जनैत छी, तेँ अहाँ सभ कैँ एहि तरहेँ
धोखा भऽ रहल अछि। 30जीबि उठाओल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गेला पर लोक सभ ने विवाह करत
आ ने विवाह मे देल जायत, बल्कि
ओ सभ स्वर्गदूत सभ जकाँ होयत।
31 तखन मुइल सभ कैँ जिआओल
जयबाक जे बात अछि, ताहि सम्बन्ध
मे की अहाँ सभ ई वचन नहि पढ़ने छी
जे परमेश्वर ⌊एहि पूर्वज सभक मृत्युक
बादो⌋ अहाँ सभ कैँ कहने छलाह जे,
32 'हम अब्राहमक परमेश्वर, इसहाकक
परमेश्वर आ याकूबक परमेश्वर छी।'*?
ओ मरल सभक नहि, बल्कि जीवित
सभक परमेश्वर छथि।" 33 ई उत्तर सुनि
भीड़क लोक सभ हुनकर उपदेश सँ
चकित रहि गेल।

सभ सँ पैघ आज्ञा

(मरकुस 12.28-34; लूका 10.25-28)

34 फरिसी सभ जखन सुनलनि जे यीशु
सदुकी पंथक लोक सभ कैँ निरुत्तर कऽ
देलथिन तँ ओ सभ जमा भऽ कऽ एक संग
यीशु लग अयलाह। 35 हुनका सभ मे सँ
एक गोटे जे धर्म-नियमक पंडित छलाह से
हुनका जँचबाक लेल पुछलथिन, 36 "यौ
गुरुजी, धर्म-नियमक सभ सँ पैघ आज्ञा
कोन अछि?" 37 यीशु उत्तर देलथिन,
" 'तोँ अपन प्रभु-परमेश्वर कैँ अपन
सम्पूर्ण मोन सँ, अपन सम्पूर्ण आत्मा सँ
आ अपन सम्पूर्ण बुद्धि सँ प्रेम करह।'*
38 यैह पहिल आ सभ सँ पैघ आज्ञा अछि।
39 आ दोसर सेहो ओही जकाँ अछि
जे, 'तोँ अपना पड़ोसी कैँ अपने जकाँ
प्रेम करह।'* 40 सम्पूर्ण धर्म-नियम आ
परमेश्वरक प्रवक्ता सभक लेख एही दू
आज्ञा पर केन्द्रित अछि।"

उद्धारकर्ता-मसीह—दाऊदक वंशज आ दाऊदक प्रभु दूनू

(मरकुस 12.35-37; लूका 20.41-44)

41 ओतऽ जमा भेल फरिसी सभ सँ यीशु
पुछलथिन, 42 " 'उद्धारकर्ता-मसीह'क
विषय मे अहाँ सभक की विचार अछि?
ओ किनकर वंशज छथि?" ओ सभ उत्तर
देलथिन, "दाऊदक।" 43 एहि पर यीशु
पुछि देलथिन, "तखन पवित्र आत्माक
प्रेरणा सँ दाऊद किएक हुनका 'प्रभु'
कहने छथिन? कारण, दाऊद धर्मशास्त्र मे
एहि तरहेँ लिखने छथि,

44 'प्रभु-परमेश्वर हमरा प्रभु कैँ
कहलथिन,
अहाँ हमर दहिना कात बैसू
और हम अहाँक शत्रु सभ कैँ अहाँक
पयरक तर मे कऽ देब।'*

45 जखन दाऊद उद्धारकर्ता-मसीह कैँ
'प्रभु' कहैत छथिन तँ ओ फेर हुनकर
वंशज कोना भेलाह?"

46 एहि बातक उत्तर मे केओ यीशु कैँ
एको शब्द नहि कहि सकल आ ने ओहि
दिन सँ ककरो हुनका सँ आरो कोनो प्रश्न
पुछबाक साहस भेलैक।

फरिसी आ धर्मशिक्षक सभ कैँ धिक्कार

(मरकुस 12.38-40; लूका 11.39-52; 20.45-47)

23 तकरबाद यीशु जमा भेल
लोकक भीड़ कैँ आ अपना
शिष्य सभ कैँ कहलथिन, 2 "मूसाक धर्म-
नियमक बात सिखयबाक अधिकार

22:32 प्रस्थान 3.6 **22:37** व्यव 6.5 **22:39** लेवी 19.18 **22:44** भजन 110.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धर्मशिक्षक आ फरिसी सभक हाथ मे
छनि। 3तेँ ओ सभ जे किछु कहैत छथि,
तकरा मानू आ करू, मुदा जे ओ सभ
करैत छथि से नहि करू, कारण ओ सभ
लोक सभ केँ जे सिखबैत छथि से अपने
नहि करैत छथि। 4ओ सभ भारी बोझ
बान्हि कऽ लोकक कान्ह पर लादि दैत
छथि मुदा तकरा उठयबाक लेल ओ
सभ स्वयं अपन आङुरो नहि भिड़बऽ
चाहैत छथि। 5ओ लोकनि सभ काज मात्र
लोकक ध्यान आकर्षित करबाक लेल
करैत छथि। अपन तावीज* सभ नमहर
आकारक बनबबैत छथि आ पहिरऽ वला
वस्त्र सभ मे लम्बा-लम्बा झालैर सभ
लगबबैत छथि। 6भोज-काज मे सम्मानित
स्थान आ सभाघर सभ मे प्रमुख आसन
पसन्द करैत छथि। 7हाट-बजार मे लोक
सभ हुनका सभ केँ प्रणाम-पात करैत रहनि
आ 'गुरुजी' कहि कऽ सम्बोधन करैत
रहनि, से बात सभ हुनका सभ केँ बहुत
नीक लगैत छनि।

8 "मुदा अहाँ सभ 'गुरु' नहि कहाउ,
कारण अहाँ सभक गुरु एकेटा छथि आ
अहाँ सभ आपस मे भाइ-भाइ छी। 9पृथ्वी
पर किनको अपन धर्म-पिता नहि मानू,
कारण अहाँ सभक एकेटा पिता छथि
जे स्वर्ग मे रहैत छथि। 10आ अहाँ सभ
'आचार्य' नहि कहाउ, कारण अहाँ सभक
आचार्य सेहो एके गोटे छथि, अर्थात्
उद्धारकर्ता-मसीह। 11अहाँ सभ मे जे
सभ सँ पैघ होइ से सभक सेवक बनू।
12कारण, जे केओ अपना केँ पैघ बुझत
से छोट बनाओल जायत, मुदा जे केओ
अपना केँ छोट बुझत से पैघ बनाओल
जायत।

13 "यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ स्वर्गक राज्यक
द्वारि लोक सभक लेल बन्द कऽ दैत छी।
ने अपने ओहि मे प्रवेश करैत छी आ ने
तकरा सभ केँ प्रवेश करऽ दैत छिऐक जे
सभ प्रवेश करऽ चाहैत अछि।

14 ["यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ विधवा सभक
घर-द्वारि सभ हड़पि लैत छिऐक। लोक
सभ केँ देखयबाक लेल लम्बा-लम्बा
प्रार्थना करैत छी। तेँ अहाँ सभ केँ बेसी
दण्ड भेटत।]*

15 "यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ एक गोटे केँ
अपना धर्म मे अनबाक लेल पृथ्वी आ
आकाश एकटार कऽ दैत छी, मुदा जखन
ओ आबि जाइत अछि तँ ओकरा अपनो
सँ दोबर नरक जयबाक जोगरक बना दैत
छिऐक।

16 "यौ आन्हर पथ-प्रदर्शक सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
लोक सभ केँ सिखबैत छी जे, 'जँ केओ
मन्दिरक नाम लऽ कऽ सपत खायत, तँ
तकर कोनो महत्व नहि अछि, मुदा जँ
मन्दिर मे लगाओल सोनक नाम लऽ कऽ
सपत खायत, तँ ओकरा अपन सपत केँ

23:5 ई तावीज जादू-टोना वला नहि, बल्कि धर्मगुरु लोकनि परमेश्वरक आज्ञा सभ केँ याद रखबाक लेल जे धर्मशास्त्रक पाँति सभ लिखि कऽ कपार वा बाँहि पर बन्हैत छलाह, से अछि। **23:14** किछु हस्तलेख सभ मे पद 14 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पूरा करऽ पड़तैक।’ 17अहाँ सभ आन्हर
छी! मूर्ख छी! कोन बात पैघ अछि,
लगाओल सोन वा ओ मन्दिर, जकरा
सँ ओ सोन पवित्र भेल अछि? 18अहाँ
सभ सिखबैत छी जे, ‘जँ केओ बलि-
वेदीक नाम लऽ कऽ सपत खयलक तँ से
कोनो बात नहि, मुदा वेदी पर चढ़ाओल
चढ़ौनाक नाम लऽ कऽ सपत खयलक
तँ से पकिया बात भेल।’ 19यौ आन्हर
सभ! कोन बात पैघ अछि, चढ़ौना वा
ओ वेदी, जाहि पर अर्पण कयला सँ ओ
चढ़ौना पवित्र भेल अछि? 20तेँ, जे केओ
वेदीक सपत खाइत अछि से ओहि वेदी
आ ओहि पर जे किछु अछि, सभक सपत
खाइत अछि। 21तहिना, जे केओ मन्दिरक
सपत खाइत अछि से मन्दिर आ ओहि मे
जे वास करैत छथि, दूनूक सपत खाइत
अछि, 22और जे केओ स्वर्गक सपत
खाइत अछि, से परमेश्वरक सिंहासन
आ ओहि पर जे विराजमान छथि तिनको
सपत खाइत अछि।

23 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी! अहाँ सभ पुदीना, सोंफ
आ जीरक दसम भाग तँ परमेश्वर केँ
अर्पण करैत छी, मुदा धर्म-नियमक
मुख्य बात सभ, जेना न्याय, करुणा आ
विश्वसनियता सँ कोनो मतलब नहि रखैत
छी। होयबाक तँ ई चाहैत छल जे अहाँ
सभ बिनु ओ बात सभ छोड़ने इहो बात
सभ करितहुँ। 24यौ आन्हर पथ-प्रदर्शक
सभ, अहाँ सभ तँ मच्छर केँ छानि कऽ
फेकि दैत छी, मुदा ऊँट केँ घोंटि लैत छी।

25 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ थारी-बाटी सभ
केँ बाहर सँ तँ मँजैत छी, मुदा ओहि मे
लूट-पाट आ स्वार्थ द्वारा प्राप्त कयल
वस्तु सभ रखैत छी। 26यौ आन्हर
फरिसी, थारी-बाटी केँ पहिने भीतर सँ
साफ करू, तखन ओ बाहर सँ सेहो साफ
रहत।

27 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ चून सँ पोतल
कबरक चबुतरा जकाँ छी, जे बाहर सँ तँ
सुन्दर देखाइ दैत रहैत अछि, मुदा ओकरा
भीतर मे लासक हाड़ आ सभ तरहक
सड़ल वस्तु भरल रहैत छैक। 28तहिना
अहूँ सभ बाहर सँ लोक सभ केँ धार्मिक
बुझाइत छिऐक, मुदा भीतर मे पाखण्ड
आ अधर्म सँ भरल छी।

29 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ परमेश्वरक
प्रवक्ता सभक कबर पर चबुतराक
निर्माण करैत छी, धर्मी लोकक स्मारक
केँ सजबैत छी, 30और कहैत छी जे,
‘हम सभ जँ अपना पुरखा सभक समय
मे रहल रहितहुँ तँ हम सभ परमेश्वरक
प्रवक्ता सभक हत्या मे ओकरा सभ केँ
साथ नहि देने रहितहुँ।’ 31एहि तरहेँ अहाँ
सभ अपने साक्षी दऽ रहल छी जे अहाँ
सभ परमेश्वरक प्रवक्ता सभक हत्या
कयनिहारक सन्तान छी। 32तँ पूरा करू
अपन पुरखाक काज! पापक घैल केँ भरि
दिअ!

33 “है साँप सभ! है बिषधर साँपक
सन्तान सभ! अहाँ सभ नरकक दण्ड सँ
कोना बाँचब? 34एहि कारणेँ, सुनू अहाँ
सभ, हम अहाँ सभ लग अपन प्रवक्ता,
बुद्धिमान लोकनि आ शिक्षक सभ केँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पठा रहल छी। अहाँ सभ ओहि मे सँ
कतेक गोटे कैँ जान सँ मारि देबनि, क्रूस
पर लटका देबनि, कतेक गोटे कैँ अपन
सभाघर सभ मे कोड़ा सँ मारबनि आ
एक नगर सँ दोसर नगर तक खिहारैत
रहबनि। 35एहि तरहेँ पृथ्वी पर धर्मी
लोकक जतेक खून बहाओल गेल—धर्मी
हाबिलक खून सँ लऽ कऽ बिरिकयाहक
पुत्र जकरयाहक खून धरि, जिनका अहाँ
सभ मन्दिरक 'पवित्र स्थान' आ बलि-
वेदीक बीच हत्या कऽ देलियनि, तकर
भार अहाँ सभक मूड़ी पर पड़त। 36हम
अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी, ई सभ
बातक लेखा-जोखा एही पीढ़ीक लोक
सभ सँ लेल जायत।

यरूशलेमक लेल विलाप

(लूका 13.34-35)

37 "हे यरूशलेम! हे यरूशलेम!
तोँ परमेश्वरक प्रवक्ता सभक हत्या
करैत छह आ जिनका परमेश्वर तोरा
लग पठबैत छथुन, तिनका सभ कैँ तोँ
पथरबाहि कऽ कऽ मारि दैत छहुन। हम
कतेको बेर चाहलिअह जे जहिना मुर्गी
अपना बच्चा सभ कैँ अपन पाँखिक
तर मे नुकबैत अछि, तहिना हमहूँ तोहर
सन्तान सभ कैँ जमा कऽ लिअह। मुदा
तोँ ई नहि चाहलह! 38देखह, आब
तोहर घर उजड़ल पड़ल छह। 39हम
तोरा कहैत छिअह, तोँ हमरा फेर ताबत
तक नहि देखबह जाबत तक ओ समय
नहि आओत जहिया तोँ ई कहबह जे,
'धन्य छथि ओ जे प्रभुक नाम सँ अबैत
छथि!'*"

मन्दिरक विनाश होयबाक भविष्यवाणी

(मरकुस 13.1-3; लूका 21.5-7)

24 यीशु जखन मन्दिर सँ निकलि
कऽ चल जा रहल छलाह तँ
हुनकर शिष्य सभ हुनका लग आबि कऽ
मन्दिरक मकान सभ देखाबऽ लगलथिन।
2यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, "ई सभ
चीज देखैत छी? हम अहाँ सभ कैँ सत्य
कहैत छी जे एतऽ एकोटा पाथर एक-
दोसर पर नहि रहत। सभ ढाहल जायत।"
3 जैतून पहाड़ पर यीशु जखन बैसल
छलाह तँ शिष्य सभ हुनका लग आबि
कऽ एकान्त मे हुनका सँ पुछलथिन,
"हमरा सभ कैँ कहू जे ई घटना कहिया
होयत? अहाँ आब फेर आबऽ पर छी
आ संसारक अन्त होमऽ पर अछि,
ताहि समय कैँ हम सभ कोन बात सँ
चिन्हब?"

विपत्ति सभक शुरुआत

(मरकुस 13.4-13; लूका 21.8-19)

4 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन,
"होसियार रहू जे अहाँ सभ कैँ केओ
बहकाबऽ नहि पाबय। 5बहुतो लोक
हमर नाम लऽ कऽ आओत आ कहत जे,
'हमहीं उद्धारकर्ता-मसीह छी,' आ बहुतो
लोक कैँ बहका देत। 6अहाँ सभ लड़ाइक
समाचार आ लड़ाइक हल्ला सभ सुनब।
मुदा देखू, ताहि सँ घबड़ायब नहि। ई सभ
होयब आवश्यक अछि, मुदा संसारक
अन्त तहियो नहि होयत। 7एक देश दोसर
देश सँ लड़ाइ करत, और एक राज्य दोसर
राज्य सँ। बहुतो ठाम मे अकाल पड़त आ

23:39 भजन 118.26

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

भूकम्प होयत। [8]ई सभ बात तँ कष्टक
शुरुआते होयत।
9 "ओहि समय मे लोक सभ अहाँ सभ
पर अत्याचार करयबाक लेल अहाँ सभ कैँ
अधिकारी सभक जिम्मा मे लगा देत आ
मरबा देत। अहाँ सभ सँ सभ देशक लोक
सभ एहि लेल घृणा करत जे अहाँ सभ हमर
लोक छी। [10]ओहि समय मे बहुतो लोक
अपन विश्वास छोड़ि देत। ओ सभ एक-
दोसर कैँ पकड़बाओत आ एक-दोसर सँ
घृणा करत। [11]एहन बहुतो लोक सभ प्रगट
भऽ जायत जे झूठ बाजि कऽ अपना कैँ
परमेश्वरक प्रवक्ता कहत आ बहुतो लोक
कैँ बहका देत। [12]अधर्मक वृद्धि भेला
सँ अनेक लोकक आपसी प्रेम मन्द पड़ि
जायत। [13]मुदा जे केओ अन्त धरि स्थिर
रहत से उद्धार पाओत। [14]परमेश्वरक
राज्यक ई शुभ समाचारक प्रचार सम्पूर्ण
संसार मे कयल जायत जाहि सँ एकरा
सम्बन्ध मे सभ जातिक लोक गवाही
सुनय; तखन अन्तक समय आबि जायत।

महासँकट

(मरकुस 13.14-20; लूका 21.20-24)

15 "तँ जखन अहाँ सभ 'विनाश करऽ
वला घृणित वस्तु' कैँ पवित्र स्थान मे ठाढ़
देखब, जकरा विषय मे परमेश्वरक प्रवक्ता
दानिएल कहने छथि—पढ़ऽ वला ई बात
ध्यान दऽ कऽ बुझू!— [16]तखन जे सभ
यहूदिया प्रदेश मे होअय से सभ पहाड़ पर
भागि जाय। [17]जे घरक छत पर होअय से
उतरि कऽ घर मे सँ कोनो वस्तु लेबऽ नहि
लागओ। [18]आ जे खेत मे होअय से घर मे
सँ अपन ओढ़ना लेबाक लेल घूमि कऽ
नहि आबओ। [19]ओहि समय मे जे स्त्रीगण
सभ गर्भवती होयत वा जकरा दूधपीबा
बच्चा होयतैक, तकरा सभ कैँ कतेक कष्ट
होयतैक! [20]प्रार्थना करू जे जाड़क समय
वा विश्राम-दिन कऽ अहाँ सभ कैँ भागऽ-
पड़ाय नहि पड़य। [21]ओहि समय मे एहन
कष्ट होयत जे सृष्टिक आरम्भ सँ आइ तक
कहियो नहि भेल अछि आ ने फेर कहियो
होयत। [22]जँ ओहि समय कैँ घटा नहि देल
जाइत तँ कोनो मनुष्य नहि बचैत, मुदा
परमेश्वर अपन चुनल लोक सभक कारणेँ
ओहि समय कैँ घटा देताह।
23 "ओहि समय मे जँ केओ अहाँ सभ
कैँ कहत जे, 'देखू, मसीह एतऽ छथि!' वा
'ओतऽ छथि!' तँ ओहि बात पर विश्वास
नहि करू। [24]कारण, ओहि समय मे
झुट्ठा मसीह आ झूठ बाजि कऽ अपना
कैँ परमेश्वरक प्रवक्ता कहऽ वला सभ
प्रगट होयत, और एहन अजगूत बात आ
चमत्कार सभ देखाओत जे, जँ सम्भव
रहैत, तँ परमेश्वरक चुनल लोक सभ कैँ
सेहो बहका दैत। [25]देखू, हम अहाँ सभ कैँ
पहिनहि कहि देलहुँ।

मनुष्य-पुत्र जहिया फेर औताह

(मरकुस 13.21-31; लूका 21.25-33)

26 "तँ जँ केओ अहाँ सभ कैँ कहत जे,
'चलू, देखू, ओ निर्जन स्थान मे छथि,' तँ
ओकरा संग बाहर नहि जाउ। अथवा जँ
कहत जे, 'देखू, ओ एतऽ कोठरी मे छथि,'
तँ विश्वास नहि करू। [27]किएक तँ जहिना
बिजलोकाक चमक पूब सँ निकलि कऽ
पश्चिम तक देखाइ दैत अछि, तहिना
जखन मनुष्य-पुत्र फेर औताह तँ एहने
होयत। [28]जतऽ कतौ लास रहैत अछि
ततऽ गिद्ध सभ जुटैत अछि।
29 "ओहि समयक कष्टक ठीक बाद,
'सूर्य अन्हार भऽ जायत,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

चन्द्रमा इजोत नहि देत,
आकाश सँ तारा सभ खसत,
और आकाशक शक्ति सभ हिलि
जायत।'*
30तकरबाद मनुष्य-पुत्रक अयबाक चिन्ह
आकाश मे देखाइ देत। पृथ्वी परक
सभ जातिक लोक सभ कन्ना-रोहटि
करत और मनुष्य-पुत्र कैँ सामर्थ्य आ
अपार महिमाक संग आकाशक मेघ मे
अबैत देखत। 31 धुतहूक पैघ आवाजक
संग ओ अपन स्वर्गदूत सभ कैँ चारू
दिस पठौताह आ ओ सभ आकाश आ
पृथ्वीक अन्तिम सीमा तक जा कऽ
हुनकर चुनल लोक सभ कैँ जमा करताह।
32 "आब अंजीरक गाछ सँ एकटा बात
सिखू। जखन ओकर ठाढ़ि कोमल होमऽ
लगैत छैक आ ओहि मे नव पात निकलऽ
लगैत छैक तँ अहाँ सभ बुझि जाइत छी जे
गर्मीक समय आबि रहल अछि। 33तहिना
जखन अहाँ सभ ई सभ बात होइत देखब
तँ बुझि लिअ जे समय लगचिआ गेल,
हँ, ई बुझू जे ओ घरक मुँह पर आबि गेल
अछि। 34हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी
जे एहि पीढ़ी कैँ समाप्त होमऽ सँ पहिने
ई सभ घटना निश्चित घटत। 35आकाश
और पृथ्वी समाप्त भऽ जायत, मुदा हमर
वचन अनन्त काल तक रहत।

जागल रहू

(मरकुस 13.32-37; लूका 17.26-30, 34-36; 12.41-48)

36 "मुदा एहि घटना सभक दिन वा
समय केओ नहि जनैत अछि, स्वर्गदूतो
सभ नहि आ पुत्रो नहि*—मात्र पिता
जनैत छथि। 37जहिना नूहक समय मे
भेल तहिना ओहि समय मे होयत जहिया
मनुष्य-पुत्र फेर औताह। 38जल-प्रलय
होमऽ सँ पहिने लोक सभ खाय-पिबऽ मे
आ विवाह करऽ-कराबऽ मे लागल छल।
नूह जाहि दिन जहाज मे चढ़ि गेलाह ताहि
दिन तक लोक सभ एहि सभ काज मे मस्त
रहल। 39ओकरा सभ कैँ किछु बुझऽ मे
नहि अयलैक जे कोन बात सभ होमऽ
वला अछि, ताबत जल-प्रलयक बाढ़ि
आबि कऽ ओकरा सभ कैँ बहा कऽ लऽ
गेलैक। मनुष्य-पुत्र जहिया फेर औताह,
तहिया ओहिना होयत। 40ओहि समय मे
दू गोटे खेत मे रहत; ओहि मे सँ एकटा लऽ
लेल जायत आ दोसर ओतहि छोड़ि देल
जायत। 41दूटा स्त्रीगण जाँत पिसैत रहत,
एकटा लऽ लेल जायत आ दोसर छोड़ि
देल जायत।
42 "तेँ अहाँ सभ चौकस रहू, कारण
अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँ सभक
प्रभु कोन दिन आबि जयताह। 43मुदा ई
बात ठीक सँ बुझि लिअ जे, जँ घरक
मालिक कैँ बुझल रहितैक जे चोर रातिक
कोन पहर मे आओत तँ ओ जागल रहैत
आ अपना घर मे सेन्ह नहि काटऽ दैत।
44तेँ अहूँ सभ सदिखन तैयार रहू, कारण
मनुष्य-पुत्र एहने समय मे आबि जयताह
जाहि समयक लेल अहाँ सभ सोचबो नहि
करब जे ओ एखन औताह।
45 "के अछि ओहन विश्वासपात्र आ
बुद्धिमान सेवक जकरा मालिक अपन
घरक आरो सेवक सभक मुखिया बनौथिन

24:29 यशा 13.10; यशा 34.4 **24:36** किछु हस्तलेख सभ मे "आ पुत्रो नहि" नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे ओ ठीक सँ ओकरा सभक देख-
रेख करैक आ समय पर भोजन-भातक
व्यवस्था करैक? 46ओहि सेवकक लेल
कतेक नीक होयत, जकरा मालिक आबि
कऽ ओहिना करैत पौताह। 47हम अहाँ
सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, मालिक अपन
सम्पूर्ण सम्पत्तिक जबाबदेही ओकरा
जिम्मा मे दऽ देथिन। 48मुदा ओ सेवक
जँ दुष्ट अछि आ एना सोचय जे, 'हमर
मालिक आबऽ मे बहुत देरी कऽ रहल
अछि,' 49आ ई सोचि ओ मालिकक
आरो सेवक सभ कैँ मारय-पिटय आ
स्वयं पिअक्कड़ सभक संग खाय-पिबऽ
लागय, 50तँ ओहि सेवकक मालिक एहन
दिन मे घूमि औताह जहिया ओ अपन
मालिकक बाट नहि तकैत रहत आ एहन
समय मे औताह जकरा ओ नहि जानत।
51मालिक आबि कऽ ओकरा खण्ड-खण्ड
कटबा देथिन आ ओकरा ताहि ठाम राखि
देथिन जतऽ पाखण्डी लोक अपन दण्ड
भोगैत अछि। ओतऽ लोक कनैत आ दाँत
कटकटबैत रहैत अछि।

दस कुमारि कन्याक दृष्टान्त

25 "ओहि समय मे स्वर्गक राज्य
ओहि दस कुमारि कन्याक
घटना वला बात जकाँ होयत जे सभ
अपन-अपन दीप लऽ कऽ वरक स्वागत
करबाक लेल निकलल। 2ओहि मे
पाँचटा मूर्ख आ पाँचटा बुद्धिआरि छलि।
3मूर्ख कन्या सभ दीप तँ लेलक मुदा
फाजिल तेल अपना संग नहि रखलक।
4मुदा बुद्धिआरि कन्या सभ अपन दीप
आ अलग बर्तन मे तेल सेहो लऽ गेलि।
5वर कैँ आबऽ मे जखन देरी भेलनि तँ
सभ औँघाय लागलि आ सुति रहलि।
6"आधा राति बितला पर हो-हल्ला
होमऽ लागल जे, 'चलू, चलू, वर आबि
गेलाह! हुनका सँ भेँट करऽ चलू!' 7ई
सुनि सभ कुमारि कन्या उठलि आ अपन-
अपन दीप सभ ठीक करऽ लागलि।
8मूर्ख कन्या सभ बुद्धिआरि कन्या सभ
कैँ कहलकैक, 'देखह, हमर सभक दीप
मिझाय लागल। तोँ सभ अपना मे सँ
कनेक तेल हमरा सभ कैँ दैह।' 9मुदा ओ
बुद्धिआरि कन्या सभ उत्तर देलकैक जे,
'नहि, कहीं ई तेल अपना सभ गोटेक लेल
पूरा नहि ने होअय। तेँ नीक ई जे तोँ सभ
तेल बेचऽ वला सँ किनि कऽ लऽ आनह।'
10"ओ सभ जखन तेल किनबाक लेल
गेलि तखने वर आबि गेलाह। जे सभ
तैयार छलि, से सभ वरक संग विवाह-
भोज मे भीतर गेलि आ केबाड़ बन्द कयल
गेल। 11बाद मे ओ तेल किनऽ वाली मूर्ख
कन्या सभ आयल आ कहऽ लागलि, 'यौ
प्रभु, यौ प्रभु! हमरा सभक लेल केबाड़
खोलि दिअ!' 12मुदा वर उत्तर देलथिन,
'हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी, हम
अहाँ सभ कैँ नहि चिन्हैत छी।' " 13तखन
यीशु कहलनि, "तेँ अहाँ सभ होसियार
रहू, कारण अहाँ सभ ओहि दिन आ ओहि
समय कैँ नहि जनैत छी।

सम्पत्तिक जबाबदेही वला दृष्टान्त

(लूका 19.11-27)

14"स्वर्गक राज्य परदेश जाय लागल
एक गोटेक यात्रा वला बात जकाँ अछि।
परदेश जाय सँ पहिने ओ अपन सेवक सभ
कैँ बजौलनि आ अपन सम्पत्तिक देख-
रेख करबाक भार ओकरा सभक जिम्मा
देलथिन। 15ओ अपन सेवक सभक गुणक
अनुसार एकटा कैँ पाँच हजार, दोसर कैँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दू हजार आ तेसर कैँ एक हजार सोनक
रुपैया जिम्मा दऽ परदेश चल गेलाह।
16जकरा पाँच हजार भेटल छलैक, से
ओकरा तुरत व्यापार मे लगौलक आ
ओहि सँ पाँच हजार आओर कमायल।
17एहि तरहेँ जकरा दू हजार भेटल छलैक
से दू हजार आओर कमायल। 18मुदा
जकरा एक हजार भेटल छलैक से खधिया
खुनि कऽ अपन मालिकक रुपैया ओहि मे
नुका कऽ धयलक।

19 "बहुत समय बितला पर मालिक
परदेश सँ घूमि अयलाह आ अपन सेवक
सभ सँ हिसाब-किताब लेबऽ लगलाह।
20जकरा पाँच हजार भेटल छलैक से दस
हजार रुपैया आनि कऽ अपना मालिक
कैँ कहलकनि, 'मालिक, अपने हमरा
पाँच हजार देने छलहुँ, देखल जाओ,
हम एहि सँ पाँच हजार आरो कमयलहुँ।'
21मालिक ओहि सेवक कैँ कहलथिन,
'चाबस! तोँ नीक आ भरोसमन्द सेवक
छह! थोड़बो वस्तु मे तोँ विश्वसनीय
रहलह। हम आब तोरा बहुत वस्तु पर
अधिकार देबह। अपन मालिकक आनन्द
मे सहभागी बनह!'

22 "जकरा दू हजार भेटल छलैक सेहो
आबि कऽ कहलकनि, 'मालिक, अपने
हमरा दू हजार देने छलहुँ, देखल जाओ,
हम एहि सँ दू हजार आरो कमयलहुँ।'
23मालिक ओहू सेवक कैँ कहलथिन,
'चाबस! तोँ नीक आ भरोसमन्द सेवक
छह! थोड़बो वस्तु मे तोँ विश्वसनीय
रहलह। हम आब तोरा बहुत वस्तु पर
अधिकार देबह। अपन मालिकक आनन्द
मे सहभागी होअह!'

24 "तकरबाद जकरा एक हजार भेटल
छलैक से आयल आ कहलक, 'मालिक,
हम अपने कैँ जनैत छी जे अपने कठोर
आदमी छी। जाहि खेत मे रोपने नहि
छी, ताहि मे कटनी करबैत छी। जतऽ
अपनेक वस्तु छिटायल नहि रहैत अछि,
ततऽ समटबैत छी। 25तेँ हमरा डर भेल
आ अपनेक देल एक हजार रुपैया हम
जमीन मे गाड़ि कऽ रखने छलहुँ। लेल
जाओ अपन ओ रुपैया।' 26मालिक ओहि
सेवक कैँ कहलथिन, 'है दुष्ट आ आलसी
सेवक! जखन तोँ जनैत छलेँ जे हम जाहि
मे रोपने नहि छी ताहि मे कटनी करैत छी
आ जतऽ हमर छिटायल नहि अछि ततऽ
हम समटैत छी, 27तँ तोँ हमर पाइ कोनो
महाजनक जिम्मा लगा दिते, जाहि सँ हम
आबि कऽ अपन पाइ कम सँ कम व्याजक
संग पबितहुँ। 28हौ, एकरा सँ इहो पाइ
लऽ लैह आ जकरा लग दस हजार छैक
तकरा दऽ दहक। 29किएक तँ जकरा लग
छैक तकरा आरो देल जयतैक, जाहि सँ
ओकरा बहुते भऽ जायत। मुदा जकरा लग
नहि छैक, तकरा सँ जेहो छैक सेहो लऽ
लेल जयतैक। 30और एहि निकम्मा सेवक
कैँ बाहर अन्हार मे फेकि दैह जतऽ लोक
कनैत आ दाँत कटकटबैत रहैत अछि।'

न्यायक दिन

31 "मनुष्य-पुत्र अपन सभ स्वर्गदूतक
संग जहिया अपना महिमा मे औताह,
तहिया ओ अपन महिमामय सिंहासन
पर बैसताह। 32पृथ्वी परक सभ जातिक
लोक हुनका समक्ष जमा कयल जायत, आ
जहिना चरबाह भेँड़ा सभ कैँ बकरी सभ सँ
छुटिअबैत अछि, तहिना ओ लोक सभ कैँ
एक-दोसर सँ अलग करताह। 33ओ 'भेँड़ा'
सभ कैँ अपन दहिना कात आ 'बकरी' सभ
कैँ अपन बामा कात ठाढ़ करताह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

34 "तकरबाद राजा अपन दहिना कात
ठाढ़ भेल लोक सभ कैँ कहथिन, 'हे
हमर पिताक कृपापात्र सभ! आउ, ओहि
राज्यक अधिकारी बनू, जकरा सृष्टिक
आरम्भ सँ अहाँ सभक लेल तैयार कयल
गेल अछि। **35**कारण, हम भूखल छलहुँ
आ अहाँ सभ हमरा भोजन करौलहुँ। हम
पियासल छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा पानि
पिऔलहुँ। हम परदेशी छलहुँ आ अहाँ
सभ अपना घर मे हमर सेवा-सत्कार
कयलहुँ। **36**हम नाङट छलहुँ आ अहाँ सभ
हमरा वस्त्र पहिरौलहुँ। हम बिमार छलहुँ
आ अहाँ सभ हमर रेख-देख कयलहुँ। हम
जहल मे छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा सँ भेँट
करबाक लेल अयलहुँ।'

37 "ताहि पर ओ धर्मी लोक सभ
हुनका कहथिन, 'यौ प्रभु, हम सभ अहाँ
कैँ कहिया भूखल देखलहुँ आ भोजन
करौलहुँ, पियासल देखलहुँ आ पानि
पिऔलहुँ? **38**हम सभ अहाँ कैँ कहिया
परदेशी देखलहुँ आ अपना घर मे सेवा-
सत्कार कयलहुँ, नाङट देखलहुँ आ वस्त्र
पहिरौलहुँ? **39**कहिया हम सभ अहाँ कैँ
बिमार वा जहल मे देखलहुँ आ अहाँ सँ
भेँट करबाक लेल गेलहुँ?' **40**एहि पर
राजा हुनका सभ कैँ उत्तर देथिन, 'हम
अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, जे किछु
अहाँ सभ हमर एहि भाय सभ मे सँ ककरो
लेल, छोटो सँ छोटक लेल कयलहुँ, से
हमरा लेल कयलहुँ।'

41 "तकरबाद राजा अपन बामा कात
ठाढ़ लोक सभ कैँ कहथिन, 'हे सरापित
लोक सभ! तोँ सभ हमरा लग सँ दूर हटि
जाह और कहियो नहि मिझाय वला ओहि
आगिक कुण्ड मे पड़ल रहह, जे शैतान आ
ओकर दूत सभक लेल तैयार कयल गेल
अछि। **42**कारण, हम भूखल छलहुँ आ तोँ
सभ हमरा खयबाक लेल किछु नहि देलह,
पियासल छलहुँ आ तोँ सभ पानि नहि
पिऔलह। **43**हम परदेशी छलहुँ आ तोँ सभ
अपना ओतऽ हमर स्वागत नहि कयलह,
नाङट छलहुँ आ वस्त्र नहि पहिरौलह। हम
बिमार छलहुँ, जहल मे छलहुँ, मुदा तोँ सभ
हमरा देखबाक लेल नहि अयलह।'

44 "एहि पर ओहो सभ पुछतनि जे, 'यौ
प्रभु, हम सभ अहाँ कैँ कहिया भूखल,
पियासल, परदेशी, नाङट, बिमार वा
जहल मे बन्द देखलहुँ आ अहाँक सेवा
नहि कयलहुँ?' **45**ताहि पर राजा ओकरा
सभ कैँ उत्तर देथिन, 'हम तोरा सभ कैँ
सत्य कहैत छिअह जे, जे किछु तोँ सभ
हमर एहि भाय सभ मे सँ ककरो लेल,
छोटो सँ छोटक लेल नहि कयलह से
हमरो लेल नहि कयलह।' "

46 तखन यीशु कहलनि, "ई सभ अनन्त
दण्ड भोगबाक लेल चल जायत, मुदा
धर्मी सभ अनन्त जीवन मे प्रवेश करत।"

एक दिस हत्याक षड्यन्त्र—दोसर दिस अपूर्व प्रेम

(मरकुस 14.1-9; लूका 22.1-2; यूहन्ना 11.45-53; 12.1-8)

26 ई सभ बात जखन कहल भऽ
गेलनि तँ यीशु अपना शिष्य
सभ कैँ कहलथिन, **2**"अहाँ सभ जनैत
छी जे दू दिनक बाद फसह-पाबनि
अछि। ओहि समय मे मनुष्य-पुत्र क्रूस पर
लटका कऽ मारबाक लेल पकड़बाओल
जायत।"

3 ओम्हर काइफा नामक महापुरोहित
जे छलाह तिनका आङन मे मुख्यपुरोहित
आ समाजक बूढ़-प्रतिष्ठित सभ जमा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

भऽ कऽ [4]अपना मे विचार-विमर्श करऽ
लगलाह जे कोन तरहेँ छल सँ यीशु केँ
पकड़ि कऽ मारल जाय। [5]ओ सभ कहैत
छलाह जे, “मुदा पाबनिक समय मे नहि।
एना नहि होअय जे जनता उपद्रव करय।”
6 यीशु जखन बेतनिया गाम मे सिमोन
नामक एक आदमी, जिनका पहिने कुष्ठ-
रोग भेल छलनि, तिनका ओहिठाम
छलाह, [7]तँ एक स्त्री बेसकिमती सुगन्धित
तेल एकटा संगमरमरक बर्तन मे लऽ कऽ
अयलीह। यीशु भोजन करैत छलाह तखने
ओ स्त्री ओहि सुगन्धित तेल केँ यीशुक
माथ पर ढारि देलथिन। [8]ई देखि हुनकर
शिष्य सभ खिसिआइत बजलाह, “एहन
नीक वस्तु किएक एना बरबाद कयल
गेल? [9]एहि तेल केँ बढ़ियाँ दाम मे बेचि
कऽ बहुतो गरीबक सहायता कयल जा
सकैत छल।”
10 शिष्य सभक बात बुझि यीशु हुनका
सभ केँ कहलथिन, “एहि स्त्री केँ अहाँ सभ
किएक डाँटि रहल छी? ई तँ हमरा लेल
बहुत बढ़ियाँ काज कयलनि। [11]गरीब सभ
तँ अहाँ सभक संग सभ दिन रहत, मुदा हम
अहाँ सभक संग सभ दिन नहि रहब। [12]ई
सुगन्धित तेल हमरा मूड़ी पर ढारि कऽ
ई स्त्रीगण हम जे कबर मे राखल जायब,
तकर तैयारी कयलनि। [13]हम अहाँ सभ केँ
सत्य कहैत छी जे, संसार भरि मे जतऽ कतौ
हमर शुभ समाचारक प्रचार कयल जायत,
ततऽ एहि स्त्रीगणक स्मरण मे हिनकर एहि
काजक चर्चा सेहो कयल जायत।”

यहूदाक विश्वासघाती योजना

(मरकुस 14.10-11; लूका 22.3-6)

14 तकरबाद यीशुक बारह शिष्य मे
सँ एक जकर नाम यहूदा इस्करियोती
छलैक से मुख्यपुरोहित सभ लग जा
कऽ कहलकनि, [15]“हम जँ यीशु केँ
अहाँ सभक हाथ मे पकड़बा देब तँ
अहाँ सभ हमरा की देब?” एहि पर ओ
सभ तीसटा चानीक सिक्का ओकरा
देलथिन। [16]ओहि समय सँ यहूदा यीशु केँ
पकड़बयबाक अनुकूल अवसरक ताक
मे रहऽ लागल।

शिष्य सभक संग यीशुक अन्तिम भोज

(मरकुस 14.12-21; लूका 22.7-13, 21-23; यूहन्ना 13.21-30)

17 “बिनु खमीरक रोटी वला पाबनि”क
पहिल दिन यीशुक शिष्य सभ हुनका
लग आबि पुछलथिन, “फसह-पाबनिक
भोजक व्यवस्था अहाँक लेल हम सभ
कतऽ ठीक करू?” [18]यीशु कहलथिन,
“शहर मे फलानाक ओतऽ जाउ आ कहू,
‘गुरुजी कहलनि अछि जे हमर समय
आब लगचिआ गेल अछि। हम अपन
शिष्य सभक संग अहाँक ओतऽ फसह-
भोज खायब।’ ” [19]शिष्य सभ यीशुक
कथनानुसार सभ बात कऽ कऽ फसह-
पाबनिक भोजक व्यवस्था ओतहि
कयलनि।
20 साँझ पड़ला पर यीशु अपन बारहो
शिष्यक संग भोजन करबाक लेल
बैसलाह। [21]भोजन करैत समय यीशु
अपना शिष्य सभ केँ कहलथिन, “हम
अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, अहाँ सभ
मे सँ एक गोटे हमरा पकड़बा देब।”
[22]ई सुनि शिष्य सभ बहुत उदास भऽ
गेलाह। ओ सभ बेरा-बारी हुनका सँ
पुछऽ लगलनि जे, “हे प्रभु, ओ हम तँ
नहि छी?” [23]यीशु उत्तर देलथिन, “हमरा
संग जे बट्टा मे हाथ रखने अछि सैह हमरा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पकड़बाओत। [24]मनुष्य-पुत्रक सम्बन्ध
मे जहिना धर्मशास्त्र मे लिखल गेल
अछि तहिना तँ ओ चलिए जायत, मुदा
धिक्कार अछि ओहि मनुष्य कँ जे मनुष्य-
पुत्र कँ पकड़बा रहल अछि। ओकरा लेल
तँ नीक ई रहितैक जे ओ जन्मे नहि लेने
रहैत।" [25]एहि पर हुनका पकड़बाबऽ
वला यहूदा कहलकनि, "गुरुजी, की
अहाँ हमरा बारे मे तँ नहि कहि रहल
छी?" यीशु उत्तर देलथिन, "अहाँ स्वयं
कहि देलहुँ।"

"प्रभु-भोज"क शुरुआत

(मरकुस 14.22-26; लूका 22.14-20;
1 कोरिन्थी 11.23-25)

26 ओ सभ जखन भोजन कऽ रहल
छलाह तँ यीशु रोटी लेलनि आ परमेश्वर
कँ धन्यवाद देलनि। ओ रोटी कँ
तोड़ि कऽ शिष्य सभ कँ देलथिन आ
कहलथिन, "लिअ, खाउ, ई हमर देह
अछि।" [27]तकरबाद ओ बाटी लेलनि आ
परमेश्वर कँ धन्यवाद दऽ कऽ शिष्य सभ
कँ दैत कहलथिन, "अहाँ सभ केओ एहि
मे सँ पिबू। [28]ई परमेश्वर आ मनुष्यक
बीच विशेष सम्बन्ध* स्थापित करऽ
वला हमर खून अछि, जे बहुत लोकक
पापक क्षमादानक लेल बहाओल जा
रहल अछि। [29]हम अहाँ सभ कँ कहैत छी
जे, ई अंगूरक रस हम आजुक बाद ताबत
तक फेर नहि पीब जाबत तक हम अपन
पिताक राज्य मे अहाँ सभक संग नवका
अंगूरक रस नहि पीब।" [30]तकरबाद एक
भजन गाबि कऽ ओ सभ जैतून पहाड़ पर
चल गेलाह।

शिष्य सभक पतनक सम्बन्ध मे भविष्यवाणी

(मरकुस 14.27-31; लूका 22.31-34;
यूहन्ना 13.36-38)

31 तखन यीशु अपना शिष्य सभ कँ
कहलथिन, "आइए राति अहाँ सभ
गोटे हमरा कारणेँ अपना विश्वास मे
डगमगायब, किएक तँ धर्मशास्त्र मे
लिखल अछि जे परमेश्वर कहने छथि,

'हम चरबाह कँ मारि देबैक,
आ झुण्डक भेँड़ा सभ छिड़िया
जायत।'*

[32]मुदा मृत्यु सँ फेर जीवित भऽ गेलाक
बाद हम अहाँ सभ सँ पहिने गलील प्रदेश
जायब।"

33 एहि पर पत्रुस कहलथिन, "चाहे
सभ केओ अहाँक कारणेँ विश्वास
मे डगमगायत, मुदा हम कहियो
नहि डगमगायब!" [34]यीशु पत्रुस कँ
कहलथिन, "हम अहाँ कँ सत्य कहैत
छी जे, आइए राति मे मुर्गा कँ बाजऽ सँ
पहिने अहाँ तीन बेर हमरा अस्वीकार कऽ
कऽ लोक कँ कहबैक जे, हम ओकरा
चिन्हबो नहि करैत छिऐक।" [35]मुदा
पत्रुस कहलथिन, "हमरा जँ अहाँक संग
मरहो पड़त तैयो हम किन्नहुँ नहि अहाँ कँ
अस्वीकार करब।" आरो सभ शिष्य सेहो
यैह बात कहलथिन।

गतसमनी मे यीशुक प्रार्थना

(मरकुस 14.32-42; लूका 22.39-46)

36 ओहिठाम सँ यीशु अपन शिष्य
सभक संग गतसमनी नामक एक जगह

26:28 किछु हस्तलेख सभ मे "विशेष नव सम्बन्ध" लिखल अछि। **26:31** जक 13.7

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पर गेलाह। ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन,
“हम किछु आगाँ जा कऽ जाबत प्रार्थना
करैत छी ताबत अहाँ सभ एतऽ बैसल
रहू।” 37 ओ पत्रुस आ जबदीक दूनू पुत्र
कैँ अपना संग लऽ गेलाह। ओ बहुत
व्यथित आ व्याकुल होमऽ लगलाह,
38 और हुनका सभ कैँ कहलथिन, “हमर
मोन व्यथा सँ एतेक व्याकुल अछि—मानू
जे हम दुःख सँ मरऽ पर छी। अहाँ सभ
एहिठाम रहि कऽ हमरा संग जागल रहू।”
39 एतेक कहि ओ कनेक आगाँ
बढ़लाह आ मुँह भरे खसि कऽ प्रार्थना
करऽ लगलाह, “हे हमर पिता, जँ भऽ
सकैत अछि तँ ई दुःखक बाटी हमरा लग
सँ हटा लिअ, मुदा तैयो जेना हम चाहैत
छी तेना नहि, बल्कि जेना अहाँ चाहैत छी
तेना होअय।”
40 तकरबाद यीशु अपन तीनू शिष्य लग
अयलाह। ओ हुनका सभ कैँ सुतल देखि
पत्रुस कैँ पुछलथिन, “की हमरा संग एको
घण्टा जागल रहितहुँ से अहाँ सभ कैँ पार
नहि लागल? 41 परीक्षा मे नहि पड़ि जाउ
ताहि लेल अहाँ सभ जागल रहू आ प्रार्थना
करैत रहू। आत्मा तँ तत्पर अछि मुदा
शरीर कमजोर।”
42 यीशु फेर जा कऽ प्रार्थना करऽ
लगलाह, “हे पिता, जँ ई बाटी बिनु पिने
हमरा लग सँ नहि हटाओल जा सकैत
अछि, तँ अहाँक जे इच्छा अछि से पूरा
होअय।” 43 ओ जखन प्रार्थना कऽ कऽ
शिष्य सभ लग अयलाह तँ ओ सभ फेर
सुतल छलाह। हुनकर सभक आँखि नीन
सँ भारी भऽ गेल छलनि।
44 यीशु हुनका सभ कैँ सुतले छोड़ि
कऽ फेर गेलाह आ तेसरो बेर ओही तरहेँ
प्रार्थना कयलनि। 45 तकरबाद ओ शिष्य
सभ लग अयलाह आ कहलथिन, “की
अहाँ सभ एखनो तक सुतिए रहल छी आ
आरामे कऽ रहल छी? देखू, ओ समय
आब आबि गेल, मनुष्य-पुत्र पापी सभक
हाथ मे पकड़बाओल जा रहल अछि।
46 उठू-उठू! चलू! देखू, हमरा पकड़बाबऽ
वला आबि गेल अछि!”

यीशु बन्दी बनाओल गेलाह

(मरकुस 14.43-50; लूका 22.47-53;
यूहन्ना 18.3-12)

47 यीशु ई बात कहिए रहल छलाह
कि यहूदा, जे बारह शिष्य मे सँ एक
छल, ओतऽ पहुँचि गेल। ओकरा संग
लोकक बड़का भीड़ छलैक, और
सभक हाथ मे तरुआरि आ लाठी छल।
ओकरा सभ कैँ मुख्यपुरोहित सभ आ
समाजक बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनि पठौने
छलाह। 48 यीशु कैँ पकड़बाबऽ वला
ओकरा सभ कैँ ई संकेत देने छलैक
जे, “हम जकरा चुम्मा लेब, वैह होयत।
अहाँ सभ ओकरे पकड़ि लेब।” 49 यहूदा
तुरत यीशुक लग मे जा कऽ कहलकनि,
“गुरुजी, प्रणाम!” आ हुनका चुम्मा
लेलकनि। 50 यीशु कहलथिन, “हौ
मित्र, तोँ जाहि काजक लेल आयल
छह, से कऽ लैह।” तखन लोक सभ
आगाँ बढ़ि कऽ यीशु कैँ पकड़ि
लेलकनि आ बन्दी बना लेलकनि। 51 ई
देखि यीशुक एक शिष्य अपन तरुआरि
निकालि कऽ महापुरोहितक टहलू पर
चला देलनि जाहि सँ ओकर एकटा
कान छपटा गेलैक। 52 यीशु अपना
शिष्य कैँ कहलथिन, “अपन तरुआरि
म्यान मे राखि लिअ। जे केओ तरुआरि
चलबैत अछि से तरुआरि सँ मारल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जायत। [53]की अहाँ ई सोचैत छी, जे
हम अपन पिता सँ एहि बातक लेल
निवेदन नहि कऽ सकैत छी जे ओ एही
क्षण हमरा सहायताक लेल स्वर्गदूतक
बारह सेना सँ बेसिओ पठबथि? [54]मुदा
तखन धर्मशास्त्रक जे लेख अछि, जे ई
सभ भेनाइ जरूरी अछि, से कोना पूरा
होइत?"

55 तकरबाद यीशु अपना चारू भागक
भीड़क लोक कैँ कहलथिन, "की अहाँ
सभ हमरा विद्रोह मचाबऽ वला बुझि
कऽ लाठी और तरुआरि लऽ कऽ पकड़ऽ
अयलहुँ? हम तँ सभ दिन मन्दिर मे बैसि
कऽ लोक कैँ उपदेश दैत छलिऐक, ततऽ
अहाँ सभ हमरा नहि पकड़लहुँ। [56]मुदा
ई सभ एना एहि लेल भेल जे परमेश्वरक
प्रवक्ता लोकनिक लिखल बात सभ पूरा
होअय।" तकरबाद हुनकर सभ शिष्य
हुनका छोड़ि कऽ पड़ा गेलनि।

धर्म-महासभाक सामने यीशु

(मरकुस 14.53-65; लूका 22.54-55, 63-71; यूहन्ना 18.13-14, 19-24)

57 यीशु कैँ पकड़ऽ वला सभ हुनका
महापुरोहित काइफाक ओतऽ लऽ
गेलनि। ओहिठाम धर्मशिक्षक आ
समाजक बूढ़-प्रतिष्ठित लोक सभ
जमा भेल छलाह। [58]पत्रुस सेहो कनेक
दूरे रहि कऽ यीशुक पाछाँ लागल
महापुरोहितक आङन तक गेलाह। ओ
एहि घटनाक अन्त देखबाक उद्देश्य सँ
नोकर सभक संग भीतर जा कऽ बैसि
रहलाह। [59]ओम्हर मुख्यपुरोहित सभ आ
सम्पूर्ण धर्म-महासभाक सदस्य सभ यीशु
कैँ मृत्युदण्डक योग्य बनयबाक लेल
हुनका विरोध मे झूठ-फूसक प्रमाण सभ
जमा करबाक कोशिश मे लागल छलाह।
[60]मुदा बहुतो झुट्ठा गवाह सभक वयान
लेलाक बादो कोनो पकिया प्रमाण हुनका
सभ कैँ नहि भेटलनि। अन्त मे दू गोटे
आगाँ आबि कऽ बाजल, [61]"ई आदमी
कहने छल जे, 'हम परमेश्वरक मन्दिर
कैँ तोड़ि कऽ तीन दिन मे फेर ओकर
निर्माण कऽ सकैत छी'।"

62 एहि पर महापुरोहित ठाढ़ होइत
यीशु कैँ पुछलथिन, "की अहाँ कोनो
उत्तर नहि देब? ई गवाह सभ अहाँक
विरोध मे केहन बात सभ कहि रहल
अछि?" [63]मुदा यीशु चुपे रहलाह।
महापुरोहित फेर कहलथिन, "अहाँ
जीवित परमेश्वरक सपत खा कऽ
कहू जे, की अहाँ उद्धारकर्ता-मसीह,
परमेश्वरक पुत्र छी?" [64]यीशु उत्तर
देलथिन, "अहाँ अपने कहि देलहुँ।
और हम अहाँ सभ कैँ इहो बात कहैत
छी जे, भविष्य मे अहाँ सभ मनुष्य-पुत्र
कैँ सर्वशक्तिमान परमेश्वरक दहिना
कात बैसल आ आकाशक मेघ मे अबैत
देखब।"

65 ई बात सुनिते महापुरोहित अपन
वस्त्र फाड़ैत बजलाह, "ई आदमी अपना
कैँ परमेश्वरक बराबरि बुझैत अछि!
की अपना सभ कैँ एखनो गवाह सभक
आवश्यकता अछि? अहाँ सभ स्वयं
अपन कान सँ सुनलहुँ जे ई परमेश्वरक
निन्दा कयलक। [66]आब अहाँ सभक की
विचार अछि?" ओ सभ उत्तर देलथिन,
"ई मृत्युदण्डक जोगरक अछि।"

67 तकरबाद ओहिठाम उपस्थित लोक
सभ यीशु कैँ मुँह पर थूक फेकऽ लगलनि,
हुनका मुक्का मारलकनि। किछु लोक
हुनका थप्पड़ मारैत कहलकनि, [68]"यौ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अन्तर्यामी मसीह! कहल जाओ, अपने कैँ
के मारलक?”

पत्रुस द्वारा यीशु कैँ अस्वीकार

(मरकुस 14.66-72; लूका 22.56-62;
यूहन्ना 18.15-18, 25-27)

69 पत्रुस ओहि समय धरि बाहर
आङन मे बैसल छलाह। तखन
एक टहलनी हुनका लग आबि कऽ
कहलकनि, “अहूँ तँ गलील निवासी
यीशुक संग छलहुँ।” **70** मुदा पत्रुस सभक
सामने मे अस्वीकार करैत ओकरा
कहलथिन, “तोँ की बाजि रहल छैँ से
हमरा बुझहे मे नहि अबैत अछि।” **71** ई
बात कहि पत्रुस ओहिठाम सँ हटि कऽ
आङनक मुँह पर चल गेलाह। तखन
एक दोसर टहलनी हुनका देखि ओतऽ
ठाढ़ लोक सभ कैँ कहलक, “ई आदमी
नासरत नगरक यीशुक संग छल।”
72 पत्रुस सपत खाइत फेर अस्वीकार
कयलनि जे, “हम ओहि आदमी कैँ
नहि चिन्हैत छी!” **73** किछु कालक
बाद ओहिठाम ठाढ़ लोक सभ पत्रुस
लग आबि कऽ कहलकनि, “निश्चय
तोँ ओकरे सभ मे सँ छह। तोहर बोलिए
एहि बात कैँ स्पष्ट कऽ रहल छह।”
74 तखन पत्रुस सपत खा कऽ अपना
कैँ सरापऽ लगलाह आ कहलथिन जे,
“हम ओहि आदमी कैँ चिन्हिते नहि
छी!” ठीक ओही क्षण मे मुर्गा बाजि
उठल। **75** तखन पत्रुस कैँ यीशुक कहल
ओ बात मोन पड़ि गेलनि जे, “मुर्गा कैँ
बाजऽ सँ पहिने अहाँ हमरा तीन बेर
अस्वीकार करब।” ओ ओहिठाम सँ
बाहर भऽ भोकासी पाड़ि कऽ कानऽ
लगलाह।

राज्यपाल पिलातुसक जिम्मा मे यीशु

(मरकुस 15.1; लूका 23.1-2;
यूहन्ना 18.28-32)

27 प्रात भेने भोरे-भोर सभ
मुख्यपुरोहित आ समाजक
बूढ़-प्रतिष्ठित लोक सभ आपस मे
विचार-विमर्श कऽ एहि बातक निश्चय
कयलनि जे यीशु कैँ मारि देल जाय। **2** ओ
सभ यीशु कैँ बान्हि कऽ लऽ गेलाह आ
राज्यपाल पिलातुसक जिम्मा मे लगा
देलथिन।

यहूदा इस्करियोतीक अफसोच

3 यहूदा इस्करियोती जे यीशु कैँ
पकड़बौने छल, से जखन देखलक
जे यीशु कैँ मृत्युदण्डक आज्ञा देल
गेलनि, तखन ओ बहुत पछतायल। ओ
मुख्यपुरोहित आ बूढ़-प्रतिष्ठित सभ लग
चानीक तीस सिक्का लऽ कऽ गेल आ
हुनका सभ कैँ कहलकनि, **4** “हम निर्दोष
व्यक्ति कैँ मृत्युदण्डक लेल पकड़बा कऽ
पाप कयलहुँ अछि।”

ओ सभ उत्तर देलथिन, “ई बात तोँ
जानह, एहि सँ हमरा सभ कैँ कोनो मतलब
नहि अछि।”

5 एहि पर ओ चानीक सिक्का सभ
मन्दिर मे फेकि कऽ चल गेल आ अपना
कैँ फँसरी लगा लेलक।

6 मुख्यपुरोहित सभ ओ चानीक
सिक्का उठा कऽ बजलाह, “एकरा
मन्दिरक खजाना मे राखब उचित नहि
होयत, किएक तँ ई खूनक मूल्य अछि।”
7 ओ सभ आपस मे एहि बातक विचार-
विमर्श कऽ परदेशी लोक सभक लास कैँ
गाड़बाक लेल ओहि पाइ सँ कुम्हारक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

एकटा खेत किनि लेलनि। [8]एहि कारण
सँ आइओ धरि ओ खेत “खूनक खेत”
कहबैत अछि। [9]एहि तरहेँ परमेश्वरक
प्रवक्ता यर्मियाहक ई वचन पूर्ण भेल जे,

“ओ सभ तीस चानीक सिक्का
लेलक; ई ओ मूल्य छल, जे
इस्राएली लोक सभ हुनकर दाम
लगौने छल।
[10] जेना प्रभु सँ हमरा आज्ञा भेटल छल,
तेना ओहि पाइ सँ कुम्हारक
खेत किनल गेल।”*

राज्यपाल द्वारा जाँच आ फैसला—निर्दोष मुदा मृत्युदण्ड

(मरकुस 15.2-15; लूका 23.3-5; 13-25 यूहन्ना 18.33-40; 19.1-16)

11 एम्हर यीशु राज्यपाल पिलातुसक
सम्मुख ठाढ़ छलाह। राज्यपाल हुनका
सँ पुछलथिन, “की अहाँ यहूदी सभक
राजा छी?” यीशु हुनका उत्तर देलथिन,
“अहाँ अपने कहि रहल छी।” [12]मुदा
मुख्यपुरोहित आ बूढ़-प्रतिष्ठित लोक सभ
जे कोनो दोष यीशु पर लगौलथिन तकर
ओ कोनो उत्तर नहि देलथिन। [13]एहि
पर पिलातुस कहलथिन, “की अहाँ नहि
सुनि रहल छी जे ई सभ अहाँ पर कतेक
आरोप लगा रहल छथि?” [14]मुदा यीशु
एको बातक कोनो उत्तर नहि देलथिन।
ई बात देखि राज्यपाल केँ बहुत आश्चर्य
लगलनि।

15 प्रत्येक साल फसह-पाबनिक
अवसर पर राज्यपाल जनताक इच्छाक
अनुसार एक कैदी केँ छोड़ि दैत छलाह।
[16]ओहि समय मे बरब्बा नामक एक नामी
अपराधी जहल मे बन्द छल। [17]भीड़ केँ
जमा भेला पर राज्यपाल पिलातुस ओकरा
सभ केँ पुछलथिन, “अहाँ सभ की चाहैत
छी? अहाँ सभक लेल हम ककरा छोड़ि
दिअ? बरब्बा केँ वा यीशु केँ, जे मसीह
कहबैत अछि?” [18]पिलातुस ई बात जानि
गेल छलाह जे धर्मगुरु सभ यीशु केँ ईर्ष्याक
कारणेँ पकड़बौने छथि। [19]पिलातुस
न्यायासन पर बैसले छलाह कि हुनकर
स्त्री कहा पठौलथिन जे, “ओहि निर्दोष
मनुष्य केँ किछु नहि करिऔक! किएक
तँ हम आइ राति सपना मे हुनका कारणेँ
बहुत दुःख सहलहुँ अछि।”

20 मुदा मुख्यपुरोहित सभ आ बूढ़-
प्रतिष्ठित लोक सभ जमा भेल लोक
सभ केँ सिखा देने छलाह जे, “तोँ सभ
बरब्बा केँ छोड़ि देबाक लेल आ यीशुक
मृत्युदण्डक माँग करिहह।” [21]राज्यपाल
ओकरा सभ केँ पुछलथिन, “अहाँ सभ
की चाहैत छी? एहि दूनू मे सँ अहाँ सभक
लेल हम ककरा छोड़ि दिअ?” ओ सभ
बाजल, “बरब्बा केँ।” [22]पिलातुस
कहलथिन, “तखन फेर एहि यीशु केँ,
जे मसीह कहबैत अछि तकरा हम की
करू?” सभ कहऽ लागल, “ओकरा क्रूस
पर चढ़ाउ!” [23]ओ पुछलथिन, “किएक?
ई कोन अपराध कयने अछि?” एहि पर
लोकक भीड़ आरो जोर-जोर सँ चिचियाय
लागल, “ओकरा क्रूस पर चढ़ाउ!”

24 जखन पिलातुस देखलनि जे यीशु
केँ बचयबाक हुनकर प्रयत्न सफल नहि
भऽ रहल अछि, बल्कि एहि सँ उपद्रव
बढ़ि रहल अछि, तखन ओ हाथ मे पानि
लऽ कऽ लोक सभक सामने अपन हाथ

27:10 जक 11.12,13; यर्मि 32.6-9 केँ देखब।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धोइत कहलथिन, “एहि मनुष्यक खूनक
दोषी हम नहि छी। अहीं सभ एहि बात
कैँ जानू!” 25 भीड़क लोक हुनका उत्तर
देलकनि, “एकर खूनक दोष हमरा सभ पर
आ हमर सभक सन्तान सभ पर होअय!”
26 तकरबाद पिलातुस ओकरा सभक
इच्छाक अनुसार बरब्बा कैँ छोड़ि
देलथिन आ यीशु कैँ कोड़ा सँ पिटबा कऽ
क्रूस पर चढ़यबाक लेल सैनिक सभक
जिम्मा लगा देलथिन।

सैनिक सभ द्वारा यीशुक अपमान

(मरकुस 15.16-20; यूहन्ना 19.2-3)

27 राज्यपालक सैनिक सभ यीशु कैँ
राजभवन मे लऽ गेलनि आ अपन पूरा
सैनिक-दल कैँ हुनका चारू कात जमा कऽ
लेलक। 28 ओ सभ यीशु जे वस्त्र पहिरने
छलाह तकरा निकलबा कऽ लाल रंगक
राजसी वस्त्र पहिरा देलकनि। 29 काँटक
मुकुट बना हुनका मूड़ी पर रखलकनि आ
हुनका दहिना हाथ मे एक छड़ी पकड़ा
देलकनि। तकरबाद हुनका सामने ठेहुनिया
दऽ कऽ हुनकर मजाक उड़बैत कहऽ
लगलनि, “यहूदी सभक राजा, प्रणाम!”
30 ओ सभ हुनका पर थूक फेकलकनि
आ हुनका हाथ सँ छड़ी लऽ कऽ बेर-बेर
मूड़ी पर मारलकनि। 31 ओ सभ एहि तरहेँ
यीशुक मजाक उड़ौलाक बाद हुनका
देह पर सँ लाल रंग वला वस्त्र निकालि
लेलकनि आ हुनकर अपन कपड़ा फेर
पहिरा देलकनि। तकरबाद ओ सभ हुनका
क्रूस पर लटकयबाक लेल लऽ गेलनि।

क्रूस

*(मरकुस 15.21-32; लूका 23.26-43;
यूहन्ना 19.17-27)*

32 शहर सँ बाहर लऽ जाइत काल
सैनिक सभ कैँ सिमोन नामक एक आदमी
जे कुरेन नगरक रहऽ वला छल, से
भेटलैक। ओकरा सैनिक सभ जबरदस्ती
पकड़ि कऽ यीशुक क्रूस उठा कऽ लऽ
चलबाक लेल कहलकैक।
33 यीशु कैँ लऽ कऽ ओ सभ गुलगुता,
अर्थात् “खप्पड़ वला स्थान” पर पहुँचल।
34 ओहिठाम ओ सभ यीशु कैँ तीत दवाइ
मिलाओल दारू पिबाक लेल देलकनि,
मुदा ओ ओकरा चिखि कऽ नहि पिलनि।
35 सैनिक सभ हुनका हाथ-पयर मे काँटी
ठोकि कऽ क्रूस पर टाँगि देलकनि। हुनकर
वस्त्र पर चिट्ठा खसा कऽ अपना मे बाँटि
लेलक,* 36 तखन ओतऽ बैसि कऽ पहरा
देबऽ लागल। 37 ओ सभ एक दोष-पत्र
हुनका मूड़ीक उपर क्रूस पर टाँगि देलक
जाहि पर लिखल छलैक जे, “ई यीशु अछि,
यहूदी सभक राजा”। 38 यीशुक संगे दूटा
डाकू सेहो क्रूस पर चढ़ाओल गेल, एकटा
हुनकर दहिना कात और दोसर बामा कात।
39 ओहि बाटे आबऽ-जाय वला लोक
सभ मूड़ी डोला-डोला कऽ हुनकर निन्दा
कऽ रहल छल। 40 ओ सभ कहैत छल,
“रे मन्दिर कैँ तोड़ऽ वला और तीन दिन मे
ओकरा बनाबऽ वला! तोँ जँ परमेश्वरक
पुत्र छेँ तँ अपना कैँ बचा आ एहि क्रूस पर
सँ उतरि आ।”

27:35 बादक किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “बाँटि लेलक, जाहि सँ परमेश्वरक प्रवक्ता द्वारा कहल ई बात पूरा होअय जे, ‘ओ सभ अपना मे हमर वस्त्र बाँटि लेलक, हमरा कपड़ाक लेल ओ सभ चिट्ठा खसौलक।’ ” (भजन 22.18)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

41 तहिना मुख्यपुरोहित लोकनि,
धर्मशिक्षक सभ आ बूढ़-प्रतिष्ठित लोक
सभ सेहो हुनकर मजाक उड़बैत कहलनि,
42 "ई आन लोक सभ केँ बचबैत रहल
मुदा अपना केँ नहि बचा सकैत अछि।
ई जँ इस्राएलक राजा अछि तँ एखन क्रूस
पर सँ उतरि आबओ, तखन हमहूँ सभ
एकरा पर विश्वास करबैक। **43** ई आदमी
परमेश्वर पर भरोसा रखैत छल। जँ
एकरा सँ परमेश्वर प्रसन्न छथिन तँ एखन
बचबथुन। ई तँ अपना केँ परमेश्वरक पुत्र
कहैत छल।"

44 एहि तरहेँ ओ डाकू सभ सेहो, जकरा
यीशुक संग क्रूस पर चढ़ाओल गेल
छलैक, यीशुक निन्दा कऽ रहल छल।

यीशुक मृत्यु

(मरकुस 15.33-41; लूका 23.44-49;
यूहन्ना 19.28-30)

45 ओहि दिन बारह बजे सँ तीन बजे
तक सम्पूर्ण देश अन्हार-कुप्प भऽ गेल।
46 करीब तीन बजे मे यीशु बहुत जोर
सँ बजलाह जे, "एली, एली, लामा
सबक्तनी", जकर अर्थ ई अछि, "हे
हमर परमेश्वर, हे हमर परमेश्वर, हमरा
अहाँ किएक छोड़ि देलहुँ?" * **47** ई सुनि
ओतऽ ठाढ़ लोक सभ मे सँ किछु लोक
बाजल, "ई आदमी एलियाह केँ बजा
रहल अछि।" **48** ओकरा सभ मे सँ एक
गोटे तुरत दौड़ि कऽ गेल आ रूइ जकाँ
एकटा एहन चीज जे पानि सोखैत अछि
से लऽ कऽ तीताह दारू मे डुबा लेलक,
तखन ओकरा लाठीक हूर पर अटका
कऽ हुनका पिबाक लेल देलकनि।
49 मुदा दोसर लोक सभ ओकरा
कहलकैक, "थम्हह, पहिने देखी जे
एलियाह एकरा बचयबाक लेल अबैत
छथि कि नहि।"

50 तकरबाद यीशु फेर जोर सँ आवाज
दऽ कऽ अपन प्राण त्यागि देलनि।
51 ओही क्षण मन्दिर मे जे परदा छलैक से
ऊपर सँ नीचाँ तक चिरा कऽ दू भाग मे
फाटि गेल। पृथ्वी डोलऽ लागल। चट्टान
सभ फाटि गेल। **52** कबरक मुँह खुजि गेल
आ परमेश्वरक बहुतो भक्त सभक लास
फेर जिआओल गेल। **53** ओ सभ कबर सँ
बहरा कऽ यीशु केँ जीबि उठलाक बाद
"पवित्र नगर" * मे जा कऽ बहुतो लोक
सभ केँ देखाइ देलनि।

54 रोमी कप्तान आ हुनका संग यीशु पर
पहरा देबऽ वला सैनिक सभ, भूकम्प आ
एहि घटना सभ केँ देखि बहुत डेरा गेल,
और बाजि उठल, "सत्ये ई परमेश्वरक
पुत्र छलाह!"

55 बहुतो स्त्रीगण सभ सेहो ओतऽ
छलीह, जे सभ दूरे सँ ई बात सभ देखि
रहल छलीह। ओ सभ गलील प्रदेश सँ
यीशुक संग हुनकर सेवा-टहल करैत
आयल छलीह। **56** हुनका सभ मे मरियम
मग्दलीनी, याकूब आ यूसुफक माय
मरियम, और जबदीक स्त्री, अर्थात्
याकूब आ यूहन्नाक माय, छलीह।

कबर मे यीशुक लास

(मरकुस 15.42-47; लूका 23.50-56;
यूहन्ना 19.38-42)

57 साँझ पड़ला पर अरिमतिया नगरक
निवासी यूसुफ नामक एक धनिक व्यक्ति

27:46 भजन 22.1 **27:53** अर्थात्, यरूशलेम

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओतऽ अयलाह। ओहो यीशुक शिष्य बनि
गेल छलाह। 58 ओ राज्यपाल पिलातुसक
ओतऽ जा कऽ यीशुक लास मँगलथिन।
पिलातुस आदेश देलनि जे लास यूसुफ
कँ दऽ देल जानि। 59 यूसुफ हुनकर लास
लऽ गेलाह आ साफ मलमलक कपड़ा
मे ओकरा लपेटि कऽ 60 अपन नव कबर
मे रखलनि जे ओ एक चट्टान मे कटबा
कऽ बनबौने छलाह। लास कँ रखलाक
बाद ओ कबरक मुँह पर एक भारी पाथर
गुड़का कऽ लगा देलनि आ चल गेलाह।
61 मरियम मग्दलीनी आ दोसर मरियम
कबरक सामने बैसल छलीह।

कबर पर कड़ा पहरा

62 एहि घटनाक प्रात भेने, अर्थात्
विश्राम-दिन मे*, मुख्यपुरोहित लोकनि
आ फरिसी सभ एक संग पिलातुसक
ओतऽ जा कऽ हुनका कहलथिन, 63 "यौ
सरकार! हमरा सभ कँ स्मरण अछि जे
ओ ठग आदमी, जखन ओ जीबैत छल
तखन कहने छल जे, 'हम तीन दिनक
बाद फेर जीबि उठब'। 64 तँ अपने आज्ञा
देल जाओ जे तीन दिन धरि ओहि कबर
पर पहरा राखल जाय। नहि तँ कतौ एना
नहि होअय जे ओकर चेला सभ ओकर
लास चोरा कऽ लऽ जाय आ लोक सभ
कँ कहऽ लागय जे, ओ मुइल सभ मे
सँ जीबि उठलाह। तखन एहि बेरक ई
धोखा वला बात पहिलुको धोखा सँ
खराब होयत।"

65 पिलातुस हुनका सभ कँ कहलथिन,
"अहाँ सभ सैनिक सभ लऽ जाउ आ
जेहन सुरक्षा अहाँ सभ कबरक करऽ
चाहैत होइ तेहन करू।"

66 तखन ओ सभ गेलाह आ कबरक
मुँह पर बन्दक छाप लगा देलनि। सैनिक
सभ कँ कबरक सुरक्षा करबाक लेल
पहरा पर राखि देलथिन।

यीशु जीबि उठलाह!

(मरकुस 16.1-10; लूका 24.1-10;
यूहन्ना 20.1-10)

28 विश्राम-दिनक प्रात भेने, अर्थात्
सप्ताहक पहिल दिन*, भोर सँ
भोर मरियम मग्दलीनी आ दोसर मरियम
कबर देखबाक लेल गेलीह। 2 एकाएक
बड़का भूकम्प भेल, कारण, परमेश्वरक
एक स्वर्गदूत स्वर्ग सँ उतरलाह, और
कबरक मुँह पर सँ पाथर गुड़का कऽ
ओहि पर बैसि रहलाह। 3 हुनकर रूप
बिजलोका जकाँ चमकैत छलनि आ
हुनकर वस्त्र बर्फ सन उज्जर छलनि।
4 पहरा पर बैसल सैनिक सभ हुनका देखि
एतेक डेरा गेल जे थर-थर काँपऽ लागल
आ मरल सन भऽ गेल।

5 तखन स्वर्गदूत ओहि स्त्रीगण सभ कँ
कहलथिन, "अहाँ सभ नहि डेराउ। हम
जनैत छी जे अहाँ सभ यीशु कँ, जिनका
क्रूस पर चढ़ाओल गेल छलनि, तिनका
तकबाक लेल आयल छी। 6 मुदा ओ
एतऽ नहि छथि। ओ जहिना कहने छलाह
तहिना जीबि उठल छथि। आउ, ओहि
स्थान कँ देखू जतऽ हुनका राखल गेल
छलनि, 7 आ तखन जल्दी जा कऽ हुनकर
शिष्य सभ कँ ई समाचार सुनाउ जे, 'ओ

27:62 "विश्राम-दिन"—अक्षरशः "तैयारीक दिनक बाद [वला दिन]" **28:1** "सप्ताहक पहिल दिन", अर्थात् रबि दिन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मुइल सभ मे सँ जीबि उठलाह! अहाँ सभ
सँ पहिने गलील जा रहल छथि आ ओतऽ
हुनका सँ भेँट होयत।’ ई बात अहाँ सभ केँ
कहि देलहुँ।”
8 ओ सभ डर आ तैयो बड़का खुशीक
संग ई समाचार शिष्य सभ केँ सुनयबाक
लेल कबर पर सँ दौड़ पड़लीह।

स्त्रीगण सभ केँ यीशुक दर्शन

9 एकाएक यीशु हुनका सभक
आगाँ मे प्रगट भऽ देखाइ देलथिन आ
नमस्कार कयलथिन। स्त्रीगण सभ लग
मे जा कऽ हुनकर पयर पकड़ि कऽ
आराधना कयलनि। **10** यीशु हुनका सभ
केँ कहलथिन, “अहाँ सभ डेराउ नहि।
जा कऽ हमर भाय सभ केँ गलील मे
पहुँचबाक लेल कहिऔक। ओतहि ओ
सभ हमरा देखत।”

सत्य केँ असत्य बनयबाक प्रयत्न

11 स्त्रीगण सभ एखन रस्ते मे छलीह।
ओम्हर कबर पर पहरा देबऽ वला मे
सँ किछु सैनिक सभ नगर मे जा कऽ
मुख्यपुरोहित सभ केँ एहि घटनाक सम्पूर्ण
विवरण कहि सुनौलक। **12** मुख्यपुरोहित
सभ यहूदी सभक बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनि
केँ जमा कऽ एहि विषय मे किछु विचार-
विमर्श कयलनि। तकरबाद ओ सभ ओहि
सैनिक सभ केँ बहुत रुपैया-पैसा दैत
कहलथिन, **13** “लोक केँ अहाँ सभ ई कहू
जे, ‘राति मे हम सभ जखन सुतल छलहुँ तँ
ओकर चेला सभ ओकर लास चोरा कऽ
लऽ गेल।’ **14** राज्यपाल पिलातुस तक जँ
कतौ ई खबरि पहुँचत तँ हम सभ हुनका
सँ ई बात सभ मिला लेब और अहाँ सभ
केँ बचा लेब।” **15** सैनिक सभ हुनका सभ
सँ ओ पाइ लऽ लेलक आ जहिना ओ
सभ सिखौने छलथिन तहिना लोक सभ
केँ कहऽ लागल। ई अफवाह यहूदी सभ
मे दूर-दूर पसरि गेल और आइओ तक
ओकरा सभ मे प्रचलित अछि।

शिष्य सभ केँ यीशुक दर्शन आ अन्तिम आज्ञा

16 यीशुक एगारह शिष्य गलील
जा कऽ ओहि पहाड़ पर गेलाह जतऽ
यीशु हुनका सभ केँ पहुँचबाक लेल
कहने छलथिन। **17** यीशु केँ देखि कऽ
ओ सभ हुनकर आराधना कयलथिन।
मुदा किछु गोटेक मोन मे हुनका बारे
मे शंको छलनि। **18** तखन यीशु हुनका
सभक लग आबि कहलथिन, “स्वर्ग आ
पृथ्वीक सम्पूर्ण अधिकार हमरा देल गेल
अछि। **19** एहि लेल अहाँ सभ आब जा
कऽ सभ जातिक लोक केँ हमर शिष्य
बनाउ और ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र
आ पवित्र आत्माक नाम सँ बपतिस्मा
दिऔक। **20** हम जतेक आदेश अहाँ सभ
केँ देने छी तकर सभक पालन करबाक
लेल ओकरा सभ केँ सिखाउ। मोन राखू,
संसारक अन्त तक हम सदिखन अहाँ
सभक संग छी।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT